खण्ड-07 सत्र-05 (भाग-03) / अंक-74

बुधवार 04 दिसंबर, 2024 / 13 अग्रहायण, 1946 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07, सत्र-5 (भाग-03) में अंक 73 से 74 तक सम्मिलित हैं।)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

रंजीत सिंह

सचिव

RANJEET SINGH

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 (भाग-03) बुधवार, 04 दिसंबर, 2024/13 अग्रहायण, 1946 (शक) अंक-74

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	5-20
3.	अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)	21-149
4.	सदन पटल पर प्रस्तुत कागज़ात	150
5.	अनुपूरक अनुदान मांगें (2024-25)	151-162
6.	दिल्ली विनियोजन संख्या-3 विधेयक, 2024	163-164
7.	नियम-183 के अन्तर्गत प्रस्ताव।	165-166

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 (भाग-03) बुधवार, 04 दिसंबर, 2024/13 अग्रहायण, 1946 (शक) अंक-74

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
2. श्री अभय वर्मा
3. श्री अनिल कुमार वाजपेयी
4. श्री अजय कुमार महावर
5. श्रीमती बंदना कुमारी
6. श्री गिरीश सोनी
7. श्री जितेंद्र महाजन
8. श्री महेन्द्र यादव
9. श्री मदन लाल
10. श्री मोहन सिंह बिष्ट
11. ओमप्रकाश शर्मा
12. श्री पवन शर्मा
13. श्री प्रलाद सिंह साहनी
14. श्री प्रवीण कुमार
15. श्री प्रकाश जारवाल
16. श्री ऋतुराज गोविंद
17. श्री रघुविंदर शौकीन
18. श्री राजेश ऋषि
19. श्री शोएब इकबाल
20. श्री सोमनाथ भारती

21. श्री सुरेंद्र कुमार
22. श्री विशेष रवि
23. श्रीमती ए. धनवती चंदीला ए.
24. अजय दत्त
25. श्री अमानतुल्ला खान
26. अब्दुल रहमान
27. सुश्री भावना गौड
28. श्री बी. एस. जून
29. श्री धर्मपाल लाकड़ा
30. श्री दिनेश मोहनिया
31. श्री दुर्गेश कुमार
32. श्री हाजी युनूस
33. श्री जय भगवान
34. श्री जरनैल सिंह
35. श्री कुलदीप कुमार
36. श्री महेंद्र गोयल
37. श्री मनीष सिसोदिया
38. श्रीमती प्रीति जितेंद्र तोमर
39. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
40. श्री राजेश गुप्ता
41. श्री रोहित कुमार
42. श्री शरद कुमार चौहान
43. श्री संजीव झा
44. श्री सत्येन्द्र जैन
45. श्री सोमदत्त
46. श्री शिव चरण गोयल
47. श्री सही राम
48. श्री एस. के. बग्गा
49. श्री विनय मिश्रा
50. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्रा-5 (भाग-03) बुधवार, 04 दिसंबर, 2024/13 अग्रहायण, 1946 (शक) अंक-74

सदन पूर्वाह्न11.24 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यों का..

श्री ओम प्रकाश शर्माः अध्यक्ष जी आधे घंटे से ध्वनि प्रदूषण हो रहा है आप इतनी-इतनी देर घंटी बजाते हैं कायदे-कानून को तोड़कर।

माननीय अध्यक्षः चलिये बैठिये, सभी माननीय सदस्यों का स्वागत है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अरे भई शुरु तो करने दो मुझे, शुरु तो करने दो, शुरु भी नहीं करने दोगे, शुरु तो करने दीजिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों का स्वागत कर रहा हूं, उनका धन्यवाद कर रहा हूं आप डिस्टर्ब कर रहे हैं। सभी माननीय सदस्यों का स्वागत है।

श्री मोहन सिंह बिष्टः ..सर मेरा पाइंट आफ आर्डर है।

माननीय अध्यक्षः हां बताईये पाइंट आफ आर्डर क्या है।

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर मैं आपके माध्यम से एक बात रखना चाहता हूं। इस हाउस की एक परिपाटी है कि जो वैल है वो 10 मिनट के बाद वो वैल को बंद हो जानी चाहिए। बहुत बड़ा दुर्भाग्य है मैं तो ये अब देख रहा हूं कि यहां आधे घंटे तक वैल बज रही है इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है।

माननीय अध्यक्षः आपने बात रख ली।

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर आप.. नियमों के अनुसार चलता है ये सदन।

माननीय अध्यक्षः भई अब ये मोहन जी आपने बात रख दी।

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर बात तो पूरी करने दो।..

माननीय अध्यक्षः आगे ध्यान रखेंगे बैठिये प्लीज, 280 श्री अभय वर्मा जी।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री अभय वर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष जी, 280 के तहत मुझे अपने क्षेत्र के विषय को उठाने का मौका दिया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से दिल्ली के मुख्यमंत्री और जल मंत्री महोदय का ध्यान मेरे लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो और पीने के पानी की सप्लाई में काफी कमी की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं जिसके कारण क्षेत्रवासी काफी अधिक परेशान हैं। मैं मुख्यमंत्री जी को याद दिलाना चाहता हूं कि मैंने बजट सत्र के दौरान सदन में सीवर और पानी के मुद्दे को उठाया था जिनपर उस समय की जलमंत्री जी ने स्वीकार किया था कि जलबोर्ड के पास मेनटेनेंस के पैसे नहीं हैं। दिल्ली में पानी की भी कमी है। इस बार सर बारिश से पहले जो नालियों की सफाई का काम नगर निगम पहले करती थी इस बार नहीं हुई और जिस कारण बारिश के दौरान जलभराव पूरी दिल्ली में बहुत अधिक रहा। हम सब गवाह हैं सभी एमएलए के क्षेत्रों में ये जलभराव का मामला सामने आया लेकिन उस जलभराव से सबसे बड़ा नुकसान सीवर लाइन को हुआ क्योंकि वो सारा बारिश का पानी नालियों की सफाई नहीं होने के कारण सारा का सारा पानी सीवरों में गया और सीवर लाइन को बैठा दिया और सरकार के पास मेनटेनेंस के पैसे नहीं थे। इस कारण आज मेरे क्षेत्र में सीवर लाइन को लेकर भयंकर समस्या है और मुझे लगता है कि हमारे साथी एमएलऐज के भी एरिया में समस्या होगा। मुख्यमंत्री जी को विशेष ध्यान सीवर की सफाई को लेकर देना चाहिए। सर मेरे क्षेत्र में मंडावली, उपाध्याय ब्लॉक, स्कूल

ब्लॉक, शकरपुर गांव, पाण्डव नगर जे एक्सटेंशन, ललिता पार्क, गणेश नगर पार्ट-2, सुन्दर ब्लॉक जैसे एरिया में रोजाना सीवर का पानी निकलकर घरों तक में जा रहा है, तो कहीं न कहीं ये सरकार की निष्क्रियता या सरकार की सजगता में कमी होने के कारण खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। लोग आते हैं कहते हैं विधायक जी हम नहीं जानते हैं आपको।

माननीय अध्यक्षः भई अभय जी आपने जो लिखा है वो पढ़िये प्लीज, मैं आग्रह कर रहा हूं, हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहा हूं जो लिखा है वो पढ़िये।

श्री अभय वर्माः सर मैं भी हाथ जोड़कर ही प्रार्थना कर रहा हूं हमारी बहुत दयनीय स्थिति हो गई है और सिर्फ सरकार की विफलताओं के कारण हुई है। सर आप कहेंगे तो मैं शाष्टांग प्रणाम करूंगा, आप कहेंगे तो मैं पैर पकड़ लूंगा लेकिन मेरे क्षेत्र के लोगों को पीने का पानी जो मिलना चाहिए कम से कम 2 घंटा सुबह और 2 घंटा शाम में पानी सप्लाई मिलना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

श्री अभय वर्माः देखिये वंदना जी आप जो मर्जी बोलिये, मैं विपक्ष का विधायक हूं इसका मतलब.

माननीय अध्यक्षः अभय जी मेरे से बात करिये।

श्री अभय वर्मा: लेकिन आपके क्षेत्र में भी वही समस्या है।

माननीय अध्यक्ष: अभय जी, मुझसे बात कीरिये आप प्लीज।

श्री अभय वर्मा: हां, मेरा अध्यक्ष जी सिर्फ इतना ही निवेदन है कि सरकार सब काम को छोड़े, दिल्ली में पीने का पानी और सीवर लाइन की सफाई करवा दे इसके लिए मैं बहुत आभारी रहूंगा बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री अजय महावर जी।

श्री अजय कुमार महावर: धन्यवाद अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी मैं आपका ध्यान मेरी विधानसभा के गामड़ी रोड के चौड़ीकरण के मुद्दे पर दिलाना चाहता हूं। पिछले 5 वर्षों से अनेक बार इस मुद्दे पर मैंने सदन में विषय रखा है और मुख्य रूप से इसके लिए पीडब्लूडी विभाग जिम्मेदार है। पीडब्लूडी के अंतर्गत ये सड़क आती है इसका रख-रखाव भी पीडब्लूडी ही करती है। राजस्व विभाग भूमि एवं भवन विभाग का कहना है कि जब तक पीडब्लूडी विभाग इसको कार्यवाही के लिए नहीं कहती है तब तक हम आगे कैसे बढ़ें। पिछले दिनों आपके हस्तक्षेप के बाद तात्कालिक मंत्री महोदय कैलाश गहलौत जी ने इस पर एक बैठक बुलाई थी उसमें मैं भी शामिल था उसमें उन्होंने निर्देशित भी किया था लेकिन राजस्व विभाग और डीएम ये कहते हैं कि इस बाबत एक पत्र जो पीडब्लूडी की ओर से आना है वो अभी तक नहीं आया है पीडब्लूडी आखिर इस पत्र को क्यों नहीं लिख रहा है इसका जवाब वो नहीं दे पा रहे हैं। इस मामले में चीफ सेक्रेटरी दिल्ली ने एक 'द

रॉयल इंटरप्राइजेज' नाम की कंपनी को नियुक्त किया था उसकी डिमार्केशन के लिए। उसकी डिमार्केशन अध्यक्ष जी पूरी हो गई और उसकी रिपोर्ट भी सब्मिट हो गई है तो उसके बाद आखिर क्या कारण है कि लोक निर्माण विभाग इस फाइल को मूव नहीं कर रहा है और बाकी विभाग चाहे वो भूमि राजस्व हो वो उनकी ओर देख रहे हैं कि पीडब्लूडी कब आखिर इस पर आगे बढ़े। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप की अपेक्षा करता हूं। राजस्व विभाग मुआवजा तय करे और आगे की कार्यवाही पीडब्लूडी इसको आगे बढ़ाये ऐसा आपसे मेरी अपेक्षा है कि आप उसको निर्देशित करें। मेरी विधानसभा की ये जीवन-रेखा है और उसके चौड़ीकरण के लिए 2008 से जब हमारे साहब सिंह चौहान जी विधायक थे तब से इसकी लड़ाई लड़ी जा रही है। मेरी क्षेत्र की जनता चाहती है कि आप इसमें हमारी मदद करके और निर्देशित करके पीडब्लूडी और मंत्री जी को हमारे इस कार्य को जल्दी कराएं। मैं अपने क्षेत्र की जनता की ओर से आपका सदैव आभारी रहूंगा, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान अखिलेशपति त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने।

माननीय अध्यक्षः सीधा पढ़िये धन्यवाद वगैरह करने की जरूरत नहीं शुरु करिये।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः महत्वपूर्ण विषय उठाने का अवसर दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं दिल्ली के सभी बुजुर्गों की तरफ से दिल्ली

सरकार का धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए आज खड़ा हुआ हूं कि हमारी सरकार ने उनके लिए 80 हजार पेंशन खोलने का काम किया जिसको बहुत वर्षों से लंबित था जो। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को और हमारे मुखिया श्री अरविंद केजरीवाल जी को धन्यवाद देना चाहता हूं उनके प्रयासों के तहत आज उन बुजुर्गों को पेंशन मिलने का रास्ता आसान हो गया है और साथ में यह भी बताना चाहता हूं कि दिल्ली की सरकार अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में अपने बुजुर्गों का ख्याल रखने वाली सबसे उम्दा सरकार है जहां पर आसपास के पड़ोसी राज्यों में कहीं पर देख लिया जाए उससे कहीं ज्यादा पेंशन देने का काम हमारी सरकार कर रही है, साथ में उनको तीर्थयात्रा कराने का काम कर रही है और इससे दिल्ली के सभी बुजुर्ग खुश हैं। मैं अपने क्षेत्र के सभी बुजुर्गों की तरफ से अपनी सरकार को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं और साथ में एक गुजारिश भी लगाना चाहता हूं कि डीटीसी में कुछ बुजुर्ग काम कर रहे थे जिसमें दो कैटेगरी बन गई थी कुछ लोगों ने पेंशन एडॉप्ट कर लिया था कुछ लोगों ने एकमुश्त पैसा लेना स्वीकार कर लिया था। जब कुछ बुजुर्गों को पता चला कि केन्द्र की सरकार ने उनको एकमुश्त पैसा देकर के धोखा देने का काम कर दिया एक लॉलीपॉप वाली स्कीम लाई है तो उन्होंने सरकार के पास अर्जी लगाई और हमारी इस सरकार ने आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में ये बात स्वीकार कर ली कि उनको फिर से मौका दिया जा रहा है और अभी पीछे एक महीने पहले उनको अवसर दिया गया कि जो लोग भी सरकार से पेंशन लेना चाहते हैं वो सभी लोग फार्म भर दें और सभी लोगों ने फार्म भरा तकरीबन 12 हजार लोग बाकी थे।

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी,

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः उसमें से बस वही 8 हजार लोग उसमें से वापस आ गये अध्यक्ष महोदय, अब 8 हजार लोगों का फार्म भरा जा चुका है, उसको सरकार से निवेदन है उन डीटीसी के उन बुजुर्ग लोगों को उनको पेंशन जैसे 11 हजार लोगों को बहाल किया था हमारे मुख्यमंत्री जी ने, उसको भी जो छूट गये हैं उनका भी बहाल हो जाये आपका बहुत आभार होगा। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री जितेंद्र महाजन जी।

श्री जितेंद्र महाजनः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे 280 में बोलने का मौका दिया। मैं आपका ध्यान रोहतास नगर विधान सभा क्षेत्र में स्थित अशोक नगर रेलवे लाईन पर प्रस्तावित अंडर पास की ओर दिलाना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं अशोक नगर अंडर पास का विषय जो है इस सदन में पहले भी कई बार उठा चुका हूं। इस विषय को लेकर मैं माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय मंत्री जी से कई बार मिल चुका हूं। यह हजारों लोगों से जुड़ा हुआ मामला है। परन्तु इस गूंगी बहरी सरकार में कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अध्यक्ष जी, वजीराबार रोड़ पर मंडोली श्मशान घाट पर अशोक नगर रेलवे लाईन पर अंडर पास बनाने के लिये 2016 में टेंडर हुआ था और 4 करोड़ 50 लाख रूपये आवंटित हुए थे। परन्तु बहुत ही खेद का विषय है कि आज तक उस अंडर पास का काम पूरा नहीं हुआ है। रेलवे द्वारा अपनी रेलवे लाईनों के नीचे अंडर पास बनाने का काम एक साल के

अंदर पूरा कर लिया गया था मगर दो विभाग दिल्ली जल बोर्ड और पीडब्ल्यूडी दोनों विभागों की लापरवाही के कारण वहां पर आज तक वो काम जो है वो पूरा नहीं हुआ है। माननीय अध्यक्ष जी, काम चालू करने पर ये मालूम चला कि एक बड़ी सीवर लाईन उस प्रस्तावित अंडर पास के नीचे से गुजर रही है और पिछले आठ सालों से दोनों विभागों की लापरवाही के कारण उस सीवर लाईन को शिफ्ट नहीं किया गया है। माननीय अध्यक्ष जी अशोक नगर अंडर पास प्रस्तावित अंडर पास के कोने पर श्मशान घाट है, लोगों को डेड बॉडी ले जाने के लिये भी रेल की पटरियों को पास करना पड़ता है, छोटे बच्चों को स्कूल जाने के लिये रेल की पटरियों को पार करना पड़ता है और कई बार तो ये भी हो चुका है कि कई लोग रेलवे की पटरियां पार करते हुए अपनी जान गवां चुके हैं। मगर ये सरकार जो है आंखें मूंद कर बैठी है, इसके उपर कोई असर नहीं हो रहा है। मेरा आपसे अनुरोध है कि अशोक नगर अंडर पास को जल्दी से जल्दी शुरू करवाया जाये और उसका काम पूर्ण करवाया जाये जिससे इस क्षेत्र के लाखों लोगों को फायदा हो। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी, श्री राजेश गुप्ता जी (अनुपस्थित)। श्री कुलदीप कुमार जी।

श्री कुलदीप कुमारः अध्यक्ष जी, मैं इस सदन का ध्यान आज अपनी विधान सभा कोंडली के अंतर्गत अध्यक्ष जी हमारे यहां पे एक कोंडली में डीडीए की छोटे प्लॉट की एक कालोनी है जहां डीडीए

प्लॉट्स को आवंटित करती है और डीडीए उनका अलॉटमेंट करती है और उसके बाद वहां लोगों को पोजेशन मिलती है। अध्यक्ष जी, लेकिन पिछले 3-4 महीने से मैं देख रहा हूं लगातार वहां पर कि डीडीए के जो खाली प्लॉट्स थे, जो डीडीए ने अलॉट नहीं किये उन डीडीए के प्लॉट्स में अध्यक्ष जी आज वहां के भूमाफिया मिल कर कब्जा करने का काम कर रहे हैं। अध्यक्ष जी, जो क्षेत्र के लोग सांसद को चुनते हैं और उन्हें लगता है कोई सांसद हमारे क्षेत्र का है तो हमारे लिये काम करेगा और हमारे यहां सांसद जो हैं वो तो राज्यमंत्री सॉरी केंद्र में राज्यमंत्री का दर्जा उनके पास प्राप्त है और लोगों को उसका लाभ मिलना चाहिये लेकिन अध्यक्ष जी आज लाभ न मिल के उनके द्वारा उनके नीचे बीजेपी के पार्षदों के द्वारा उन जगहों पर कब्जा किया जा रहा है, एक एक मंजिल फ्लोर बनाकर उनको बेचा जा रहा है, एक एक करोड़ रूपये के प्लॉट लोगों को बेवकूफ बनाके 15-15 लाख रूपये में, 20-20 लाख रूपये में बेचे जा रहे हैं और डीडीए के खाली पड़े प्लॉटों पे कब्जा किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर अगर डीडीए से कोई अलॉटमेंट करा के लेके आता है गरीब आदमी उसको डीडीए अलॉट करती है, वो पैसा जमा करता है उसके मकान को डीडीए के लोग तोड़ने आ जाते हैं, उसके मकान को डेमोलिश करने के लिये आ जाते हैं लेकिन वहीं दूसरी ओर जहां जो खाली प्लॉट डीडीए के पड़े थे रातों रात वहां लगभग मैं आपको संख्या बता रहा हूं, लगभग अभी तक डेढ सौ प्लॉट ऐसे हैं अध्यक्ष जी जिनके उपर बोर्ड को उखाड़ के वहां पे कब्जा कर लिया गया है और मकान बना के लोगों को बेचे

जा रहे हैं एक एक मंजिला मकान बना बना के। जहां प्लॉट की कीमत एक एक करोड़ रूपये है वहां बीस बीस लाख रूपये में लोगों को बेवकूफ बना के उनको बेचा जा रहा है। कल को उन लोगों के मकान जब टूटेंगे वो हमारे पास आयेंगे और उनको दिक्कत होगी। दूसरी बात एक और अध्यक्ष जी, इस डीडीए ने दिल्ली में इतना बुरा हाल कर दिया है इनका काम था दिल्ली का विकास करना, ये डीडीए आज करप्शन का बड़ा अड्डा बन चुका है। वहीं पर दूसरी ओर वहां स्थानीय पार्षदों द्वारा बिल्कुल मेन वसुंधरा एनक्लेव में जहां करोड़ो अरबों रूपये की जमीनें हैं, हजार गज में एक पूरा का पूरा एक छोटा टैक्सी स्टैंड अलॉट होता है और उसके पीछे उसका पूरा फार्म हाउस बना के दो हजार गज में वो कब्जा कर लिया जाता है। तो अध्यक्ष जी, मेरा यहां निवेदन है कि इसके उपर आप जांच के आदेश दें, इसकी जांच करी जाये, डीडीए के अधिकारियों को यहां सम्मन किया जाये और उनसे इसपे जांच करा कर उनको तुरंत रोका जाये उस अतिक्रमण को वर्ना निश्चित रूप से डीडीए को बड़ा नुकसान होगा, लेकिन जो लोग वहां खरीद रहे हैं कल को डीडीए तोड़ने जायेगा, उन लोगों को नुकसान होगा। इसलिये अभी इसपे रोक लगाते हुए इनको तुरंत प्रभाव में रूकवाने का काम किया जाये। आपने मुझे मौका दिया, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री संजीव झा जी।

श्री संजीव झाः अध्यक्ष महोदय, हाल ही में भारत सरकार ने शास्त्रीय भाषाओं की सूची में 5 भाषाओं को शामिल किया है। पर ये

अचरज की बात ये है कि इस सूची में मैथिली भाषा का नाम नहीं है और ये क्षोभ का विषय है और मैथिली भाषा के प्रति दोहरे बर्ताव को भी केंद्र सरकार का जो रवैया है वो दर्शाता है। ये मैं केवल इसलिये कह रहा हूं अध्यक्ष महोदय कि मैथिली भाषा की प्राचीनता उसके साहित्य व दार्शनिक परम्परा जो बहुत समृद्ध है। भाषा केवल भावनात्मक प्रश्न नहीं है। यह जातीय अस्मिता और गौरव से भी जुड़ी हुई विषय है। आज भी इस भाषा के प्रयोग करने वालों की संख्या बहुत बड़ी है। अगर आप भौगोलिक रूप से देखें उत्तर में नेपाल, दक्षिण में गंगा, पूर्व में कोसी, पश्चिम में गंडक, ये जितने भी पावन नदियों के बीच का जो भूभाग है ये मिथिला का भूभाग है। अगर आप दर्शन की ही बात करें तो जितने भी शड्दर्शन हैं चाहे न्याय हो, वैशेषिक हो, सांख्य हो, योग हो, मिमांशा हो, वेदांत हो सबका उद्भव स्थल जो है वो मिथिला रहा है। आठवीं सदी में शंकराचार्य जी को वेदांत दर्शन को आज भूमि तक सुलभ कराने का काम भी मिथिलावासियों ने ही किया था। अब देखिये सांख्य दर्शन के प्रणेता चाहे कपिल मुनि रहे हों, न्याय दर्शन के महर्षि गौतम हों, वैशेषिक दर्शन के महर्षि कनाद हों, मिमांसा के जैमिनी हों, न्याय के प्रणेता गंगेश हों, सब मिथिला की धरती पे ही अवतरित हुए हैं। राजा जनक मां सीता की पावन भूमि अयाची मिश्र, याज्ञवल्यक, मंडन मिश्र, विद्यापति और आधुनिक कवि की बात करें तो बाबा नागार्जुन, रामधारी सिंह दिनकर सबका जो जन्म स्थान है वो मिथिला रहा है। मिथिला प्रदेश का उल्लेख महाभारत में, रामायण में, बौद्ध में सभी ग्रंथों में है। अगर आप हिंदी भाषा को भाषा के रूप में प्रतिष्ठित

करने का काम भी मैथिली ने किया है। विद्यापति की भक्ति का श्रृंगार और जितनी भी श्रृंगार मैथिली रचनायें हैं वो लोकशास्त्र का सुंदर समन्वय है। तो ऐसे में मैथिली भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में नहीं रखना उसके साथ अन्याय है क्योंकि मैथिली भाषा का जो सर्वांगीण विकास है वो अगर आप इनको शास्त्रीय भाषाओं की सूची में रखते हैं तो ज्यादा होता है क्योंकि मैथिली भोजपुरी अकादमी के हम अध्यक्ष सेहो छी, आओर अध्यक्ष हुअ* क नाते हमर जिम्मेदारी अछि कि अगर मैथिली भाषाक संगे कोनो तरहक दुर्भावना आओर साजिश कयल जेतए त ओय साजिश क हम सब कामयाब नहि हुअ* देबय। तैं केन्द्र सरकार सँ हम निवेदन करै छी कि शास्त्रीय भाषा मे 5 भाषाक दर्जा भेटलय ओहि मे मैथिलीक जरूर शामिल कयल जाय। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री दुर्गेश पाठक जी।

श्री दुर्गेश कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा से जुड़ा एक मुद्दा है। मेरी विधान सभा में तीन कालोनी हैं एक इंदर पुरी, न्यू राजेन्द्र नगर और ओल्ड राजेन्द्र नगर। यहां के रेजिडेंस की एक बहुत पुरानी मांग है कि कोई एक जगह मिले जिस जगह को ये कनवेंशन हाल या क्लब के रूप में डेवलप करना चाहते हैं। पिछले कई सालों से एफर्ट हो रहा है लेकिन इसके उपर कोई प्रोग्रेस नहीं हो पा रही है। दिल्ली सरकार के पास अपना कोई जमीन है नहीं तो मैं डीडीए के साथ लगातार संपर्क में हूं कि अगर डीडीए कहीं वहां पे हमें जगह दे दे इंदर पुरी में लगभग 15 हजार के आसपास लोग रहते हैं सेम न्यू

राजेंद्र नगर और ओल्ड राजेन्द्र नगर में रहते हैं और वहां पे कोई ऐसी जगह नहीं है जहां पे लोग मिल सकें, गेट टू गैदर कर सकें, छोटे मोटे प्रोग्राम कर सकें। मैं आपके माध्यम से मैं चाहता हूं कि डीडीए से कोऑर्डिनेट करके कहीं न कहीं इन तीनों जगहों पे जगह दिलाने की कृपा की जाये। आपने मुझे समय दिया, बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, श्रीमान महेंद्र गोयल जी।

श्री महेंद्र गोयलः धन्यवाद अध्यक्ष जी जो आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, डीवीडीबी के तहतदिल्ली विलेज बोर्ड के द्वारा तकरीबन 5 करोड़ रूपये का fund मैंने रिठाला गांव में परशुराम चौपाल बनवाने के लिए माननीय मंत्री गोपाल राय जी से sanction करवाया। लेकिन उसके अंदर एक क्लॉज है कि डीएम से एक एनओसी आती है। एक साल के करीब में हो गया वो फंड दिए हुए, लेकिन वो एनओसी नहीं मिल रही। गांव की जमीन है, ब्राह्मणों की जमीन है, सिर्फ कहीं न कहीं एक टैक्नीकल मिस्टेक है, जैसे 1012 नम्बर लिखा हुआ है, उसके ऊपर 112 नम्बर लिखा हुआ है। तो खाता-खतोनी के अंदर जो ये टैक्नीकल मिस्टेक है, इसको दूर करवाने के लिए डीएम से कई बार मीटिंग हो चुकी। यहां पर डेवलपमेंट बोर्ड के अंदर कई बार मीटिंग हो चुकी, लेकिन उसका हल अभी तक नहीं हुआ, जैसे दुर्गेश जी ने कहा है कि डीडीए से जमीन है, वहां पर जमीन भी है, सिर्फ एक अक्षर की कमी है कि जीरो बीच में से हटी हुई है और उसके तहत, ये राजनीति के तहत है मैं बता दूं आपको। मैंने माननीय सांसद

योगेंद्र चंदोलिया जी हमारे क्षेत्र के हैं मैंने उनसे भी कहा कि ये काम इस प्रकार के नहीं रूकने चाहिए आप और हम जनता के काम करने के लिए आए हैं। आप इसकी एक बार मीटिंग बुला लें, डीएम के साथ में हम भी बैठ जाते हैं, आप भी बैठ जाते हैं, गांव की जमीन है, शामलात जमीन है। तो उसके अंदर जो परशूराम चौपल हमें बनानी है, 5 करोड़ रुपया ये गया हुआ है, आज तक ये चौपाल का काम वहां पर स्टार्ट नहीं हो सका, ये सिर्फ और सिर्फ एक राजनीति, गंदी राजनीति के तहत हो रहा है। मैं इस सदन के अंदर बड़े उससे कह रहा हूं, ये नाम दुसरी पार्टी वाले कर लें, लेकिन ये जमीन के ऊपर परशुराम चौपाल बनाने का हमें काम करने दें। काम दिल्ली सरकार लगा रही है, मैंने माननीय मुख्यमंत्री उस समय पर अरविंद केजरीवाल जी थे उनसे भी इस मामले में सम्पर्क करते हुए, उनसे ये फंड रिलीज करवाने के लिए, उन्होंने गोपाल राय जी को बोला तो ये मेरी चौपाल बड़ी मुश्किल मंजूर हुई थी। लेकिन वहां पर जाकर अटक गई। तो आपके माध्यम से मैं इस सदन के अंदर ये हाथ जोड़कर पूरे गांव की तरफ से, ब्राह्मण समाज की तरफ से, आपके समक्ष हाथ जोड़कर कह रहा हूं कि आप हस्तक्षेप करते हुए डीएम को आदेश दें, वो टैक्नीकल मिस्टेक को दूर करते हुए आप इस कार्य को करवाएं। वहां के पूरे के पूरे ब्राह्मण समाज को ही नहीं, क्योंकि चौपालें कोई भी होती हैं, तो सर्वसमाज उसको यूज करता है और हमारे यहां रिठाला में जितनी भी चौपाल आज तक हमने बनाई है, चाहे राजपूत चौपाल बनाई है, बाल्मिकी चौपाल बनाई है, कबीर पंथी जुलाहे चौपाल बनाई है, अम्बेडकर चौपाल

बनाई है। उसके अंदर सभी समभाव से एक दूसरे क यहां पर वो प्रयोग के अंदर लेते हैं। तो ये परशुराम चौपाल जो बहुमंजिला इमारत बननी है तो आप, इसको संज्ञान में लेते हुए इस कार्य को करवायें, तो आपकी मेहरबानी होगी, जय हिंद-जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी।

श्री राजेश गुप्ताः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी मेरी विधान सभा में एक क्षेत्र है जिसको जेलरवाला बाग कहते हैं। काफी मशहूर क्षेत्र रहा, नाम भी बहुत मशहूर है। बिल्कुल भारत सरकार की जो रेल, जो दिल्ली से जम्मू की तरफ जाती है पंजाब होते हुए उसके बिल्कुल साथ लगा हुआ क्षेत्र है बहुत important है और बहुत बड़ी जमीन है ये, इसके अंदर झुग्गियाँ है। पिछले 15 सालों से वहां पर ये राजनीति है कि उन झुग्गियों के बदले में फलैट बनाएं जाएंगे। जब हमारी सरकार बनी तो उसके बाद में उन फलैटस का निर्माण शुरू हुआ। लगातार मैं डीडीए के अधिकारियों से चर्चा करता रहा, बात करता रहा की इन्हें जल्दी से जल्दी से बनाया जाए ताकि लोगों को वो फलैट मिलें। मेरे भरसक प्रयास के बाद वो फलैट बने, वहां रोड नहीं बना रहे थे, रोड की लड़ाईयां लड़ी गई, बीच में पेड़ आ रहे थे, उन पेड़ के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी, आखिरकार वो फलैट बन गए। उस फलैटों के बनने के बाद में, हमारे बीजेपी के बहुत सारे साथी दूर-दूर से पूरी दिल्ली से, मुझे लगता है पूरे भारत से वहां बड़ी-बड़ी बसें लेकर आए। उन्होंने दिखाया देखो हम आपको ऐसे फलैट बनाकर देंगे झुग्गी के बदले।

लोगों ने देखे, लोग बहुत खुश हुए, लोगों ने लोकसभा में इनको वोट भी दिया, लोकसभा में ये जीत गए। अब जीतने के बाद में वो फलैट भी वहीं खड़ा है, वो झुग्गी वाला रोज नीचे से निकलता है ऊपर देखता है, उसके जो टोपी लगी हुई होती है, जो साफा उसने पहना होता है, वो नीचे गिर जाता है और वो देखकर चला जाता है। उन फलैटों के हालात ये हैं कि वो कई बार बिक लिये। बिकने के हालात बने की एक बार कुछ दलालों को वहां के लोगों ने पकड़ लिया और लोग भी कितने थे, कम से कम तीन-चार हजार लोग थे। पुलिस को आखिकार मुझे बुलाना पड़ा, पुलिस ने मुझे बुलाया की साहब आप आ जाइये, ये सिर्फ आपकी बात मानेंगे। मैं वहां गया, बहुत मुश्किल से उन लोगों की जान को बचाया गया, जिनको पब्लिक ने घेर लिया था, उनके टायरों को पंचर कर दिया था गाड़ी क्योंकि गाड़ी पर चढ़कर बैठ गए थे, उसके बाद भी नहीं किया। मैंने पी.सी. करी बैठकर आम आदमी पार्टी की तरफ से की भई ऐसे ना किया जाए और ये फलैट भी फ्री नहीं दिये गये थे मैं ये भी बता दूं, इनके पौने दो लाख रुपए जमा करा लिए गए हैं, कुछ लोगों ने जो घर में छोटा-मोटा सोना-चांदी था वो बेच दिया, किसी ने अपनी जमीन बेच दी, किसी ने लड़की की शादी को डीले कर दिया, किसी ने कर्जा लिया और सरकार का कर्जा देने का कोई प्रावधान नहीं है, कोई बैंक किसी झुग्गी वाले को जो रेहड़ी लगाता है, पट्री लगाता है, छोटी सी नौकरी करता है, उसको कोई लोन देने को तैयार नहीं है। आज हालात ये बन गए है कि वो सारे के सारे फलैट लगातार बिके जा रहे हैं, क्योंकि गरीब आदमी को

लगने लगा है कि मेरे पौने दो लाख रुपये और फंस गए। तो वो कहता है कि मैं इसको बेच ही दूं जो मुझे दो-चार-पांच लाख मिल रहा है और बेचने वाले भी भाजपा के कार्यकर्ता हैं वहां पर सब इस बात को जानते हैं। मेरा आपके माध्यम से ये प्रार्थना है कि आप लोकसभा का चुनाव जीत गए और अब विधान सभा का चुनाव आ रहा है अब दे दो। मैं इतने कोंफिडेंस से कह रहा हूं मेरा चुनाव है मैं फिर भी कहता हूं कि आप दे दो। इसके बावजूद भी क्यों नहीं देना चाहते ये अपने आप में बड़े असमंजस्य की स्थिति है, उसके आगे कुछ फलैटस थे, मैं ये भी बता दूं उसके आगे फलैटस थे, उन फलैटों तक को तोड़ दिया गया। क्योंकि कहते थे कि इसको चौड़ा रास्ता करेंगे, वो भी तोड़ा, क्योकि एलजी साहब के ऑर्डर थे और उसके साथ में उन झुग्गियों के जिसके लिए मैं कई बार बोल चुका होऊंगा, चार शौचालय बने हुए थे उन शौचालयों को तोड़ दिया कि जमीन को महंगा करेंगे, झुग्गी हटाएंगे उसको बेचेंगे। तो मैं आपके माध्यम से इस बात को रखना चाहता हूं कि जितनी भी दिल्ली के अंदर ऐसी झुग्गियाँ हैं और भी जे जे कॉलोनी में मेरे यहां पर ऐसी जगह पर है, जहां पर पैसे ले लिए गए हैं, लोग पर्चियाँ ले-लेकर हैं, ऐसी बहुत सारी पर्चियाँ, ऐसे बहुत सारे कागज मेरे पास में है, जो मैं यहां पर जमा करा सकता हूं और कराऊंगा भी, जहां लोगों से पैसे ले लिये गए हैं और साहब ये उनको फलैट नहीं दे रहे। तो आपके माध्यम से ये प्रार्थना है कि कम से कम अब दे दें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, श्री मदनलाल जी। 29 तारीख को चर्चा प्रारम्भ हुई थी लॉ एंड ऑर्डर पर, उस दिन अधूरा रहा, उस चर्चा को प्रारम्भ करते हुए श्री दुर्गेश पाठक जी।

अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)

श्री दुर्गेश कुमारः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। अभी तीन-चार दिन पहले मेरी विधान सभा के अंदर एक बहुत ही दर्दनाक घटना घटी। मेरी विधान सभा के अंदर एक परिवार के बड़े बेटे का शाम को 8 बजे पार्क के अंदर चाकुओं से गोद-गोद कर उनकी हत्या कर दी गई। ये नारायणा गांव है हमारा बड़ा फेमस गांव है, वहां पर ये काम किया गया, शाम को 8 बजे के आसपास। जिस परिवार ने और जिस व्यक्ति ने ये हत्या की उसी परिवार और उसी व्यक्ति ने लगभग 6 महीने पहले उनके छोटे भाई की भी हत्या कर दी। आज उस घर में दो यंग विधवाएं हैं और 5 बच्चे हैं, एक बूढ़े मां-बाप है जो फादर साहब है वो सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं, हमारे बी-ब्लॉक नारायणा विहार में। एक ऐसा परिवार है जो बहुत ही गरीब परिवार है उस परिवार के दो जवान बेटों का पिछले 6 महीने के अंदर हत्या कर दी गई और चाकुओं से हत्या की गई थी। जिन लड़कों ने हत्या की उनके खिलाफ पहली हत्या के बाद परिवार ने लगातार पुलिस को लिखित रूप से ये सूचना देते रहे कि हमें लगातार धमकी दी जा रही है कि जब ये बाहर आएंगे तो हमारी हत्या करेंगे, हमारे को जान से मारने की लगातार धमकी दी जा रही है, परिवार ने लिखित रूप से

सूचना दी पुलिस को, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। वरबली भी उनके फादर साहब क्योंकि शाम को वो नौकरी करके वापस आते थे उनको कई बार वरबली भी रास्ते में रोककर के धमकियां दी गईं उसके बाद भी वो पुलिस के अंदर गये उन्होंने कई बार लिखित रूप से सूचना देने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने कहा कोई नहीं हमें पता है आप परेशान ना हों, आप जायें यहां से। छः महीने के अंदर उस परिवार का सब कुछ उजाड़ दिया गया। अगर पुलिस सही समय पर चेतती, सही समय पर काम करती तो उस परिवार को न्याय मिल सकता था, उस परिवार के एक जवान बेटे की हत्या रोकी जा सकती थी। जिन लोगों ने हत्या की वो रील बना रहे हैं, रील्स इन्स्ट्राग्राम पर डालते हैं और अपने आप को किंग ऑफ नारायणा कहते हैं, मतलब खुले आम गुंडागर्दी, खुले आम गुंडागर्दी। आज आप नारायणा क्षेत्र में नारायणा विहार से लेकर आप हमारे रिंग रोड़ होते हुये आप चले जाईये आपको ऐसी कम से कम पचासों दुकानें मिल जायेंगी जिन दुकानों पर ओपन ड्रग्स मिल रहे हैं और जहां पर शराब की बोटलें भी बेची जा रही हैं। ये कोई ऑथराइज एरिया नहीं है सरकार का लेकिन किसी ना किसी तरीके से इधर से और यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि उस एरिया में ऐसे कम से कम 40 से 50 जगह होंगी जहां पर सट्टा खिलाया जाता है। ये पूरी तरह से क्राइम का हब बना पड़ा हुआ है। दिल्ली पुलिस के सब कुछ नॉलेज में है, दिल्ली पुलिस की पूरी जानकारी में है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। आज सुबह–सुबह जब हम सब लोग तैयार होकर विधानसभा के सैशन के लिये आ रहे

होंगे तो मुझे लगता है सबको ये खबर पता चली होगी कि आज सुबह-सुबह साउथ दिल्ली के अंदर एक परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी गई माँ-बाप और एक छोटी बच्ची को चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। कल मंगोलपुरी के एरिया में गोलियां चलाई गई हैं। उससे पहले शालीमार बाग विधानसभा के अंदर एक हत्या की गई है चाकुओं से गोद-गोदकर बीस-बीस, पच्चीस-पच्चीस तीस-तीस बार, दो लोगों को त्रिलोकपुरी में चाकू मारा। आज पूरी दिल्ली के अंदर कम से कम ये तो हमारी नॉलेज में कुछ घटनायें आ जाती हैं कम से कम हर दिन मुझे लगता है हजारों ऐसी घटना घट रही हैं जहां पर दिल्ली वालों को सरेआम इस तरीके से चाकू मारा जा रहा है, उगाही की घटनायें घट रही हैं, सारी चीजें हो रही हैं। मेरे यहां नारायणा विहार में एक कार स्ट्रीट करके एक दुकान है वहां पर कुछ युवा साथी दिल्ली के 30-32 साल 33 साल 35 साल के बच्चे हैं जो पुरानी गाड़ियां खरीदते हैं, उसको रिफर्नीश करते हैं और उसको बेचते हैं कार स्ट्रीट करके दुकान का नाम है। डेढ़ से दो महीने पहले अध्यक्ष जी वहां पर उनको पिछले छः महीने से लगातार कॉल आ रही थी गैंग से कि भईया हमारे को पांच करोड़ रूपये दे दो, उन्होंने कहा जी हम पांच करोड़ रूपये कहां से दे देंगे हमारी पूरी दुकान ही पचास लाख की है हम पांच करोड़ आपको कहां से दे देंगे। एक बार दो बार और लगातार धमकियां आतीं रही, उन्होंने पुलिस को सूचना दी, पुलिस को लिखित रूप से सूचना दी, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अंत में दो महीने पहले उनकी दुकान के अंदर।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई विजेंद्र जी आप।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः आप कह रहे हो ना लिखित वाला बोलो, ये क्या हो रहा है।

श्री दुर्गेश कुमारः उनके दुःख..

माननीय अध्यक्षः ये 280 थोड़ी चल रहा है, ये 280 है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप कहां बैठे हो, सदन बैठे में हो?

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप एलओपी हैं विजेंद्र जी।

श्री दुर्गेश कुमारः कोई बात नहीं, कोई बात नहीं, कोई बात नहीं, कोई बात नहीं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः चलिये चलिये।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमारः मैं कार स्ट्रीट की।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमारः इस दुकान में दिल्ली में कुछ युवा साथी चार-पांच युवा साथी जो इस बिजनेस को चलाते थे लगभग दो महीने पहले दिन-दहाड़े दिन में, अध्यक्ष जी दिन-दहाड़े दिन में बाइक से दो लड़के गये और उनकी दुकान के अंदर पच्चीस से तीस ओपन फायरिंग की उन्होंने।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमारः पच्चीस से तीस ओपन फायरिंग की उन्होंने। आज पूरी दिल्ली के अंदर कोई भी नागरिक जो है सुरक्षित नहीं है कोई भी जो नागरिक है कोई भी व्यक्ति है दिल्ली का कोई महिला, कोई बिजनेसमैन, कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। आज कोई महिला ये नहीं कह सकती कि मैं शाम को दस बजे वापस आऊँगी और मैं सेफ रहूंगी, आज कोई बिजनेसमैन ये नहीं कह सकता कि वो बिजनेस ठीक रखेगा, उसका गल्ला ठीक रहेगा उसका, शाम तक लूटेगा नहीं वो। पूरी दिल्ली में अफरातफरी का माहौल है और मुझे ये कहने में कोई गुरेज़ नहीं है, हम सुनते तो हर जगह है लेकिन शायद लोग कहते नहीं हैं, नागरिकों को सुरक्षा देने की जो सबसे बड़ी जिम्मेदारी है वो थानों की है, वो मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स की है जिसके अमित शाह जी हमारे अध्यक्ष हैं, मंत्री हैं, मंत्री हैं वो।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमारः लेकिन मुझे ये कहने में कोई गुरेज नहीं है।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमारः आज दिल्ली के जो सारे थाने हैं।

माननीय अध्यक्षः मैंने जो लेना था ले लिया।

श्री विजेंद्र गुप्ताः क्या ले लिया आपने बताया तक नहीं।

माननीय अध्यक्षः हो गया।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमारः वो बिकते हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ठीक है बैठ जाईये।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमारः उनकी बोलियां लगाई जाती हैं। आज दिल्ली के सारे थाने किसको एसएचओ बनना है, किस थाने पर क्या जिम्मेदारी उसको मिलेगी वो पैसे देता है और पैसे देने के बाद ही उसको थाना एलॉट होता है।

...व्यवधान...

श्री दुर्गेश कुमार: जब दिल्ली के सारे थाने बिकेंगे।

माननीय अध्यक्ष: अभी उनको पूरा करने दीजिये।

श्री दुर्गेश कुमार: तो आप उनसे सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते। अगर ये सारे पैसे. बीजेपी का सीधा कंट्रोल है दिल्ली पुलिस के ऊपर।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: अभी करता हूं बात।

श्री दुर्गेश कुमार: ये थाने जितने बिकते हैं उसका सारा पैसा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: बैठिये-बैठिये।

श्री दुर्गेश कुमार: भारतीय जनता पार्टी के पास डायरेक्ट जाता है। उसका सारा पैसा भारतीय जनता पार्टी के पास जाता है।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ता: बतायें सर।

माननीय अध्यक्ष: एक सैकेंड-एक सैकेंड पूरा हो गया आपका, धन्यवाद।

...व्यवधान...

श्री ओमप्रकाश शर्मा: सीएम हाउस में महिला सांसद को पीट रहे हो ....

माननीय अध्यक्ष: ओमप्रकाश जी बैठिये आप छोड़िये इन चीजों को, छोड़िये बैठिये आप।

श्री ओमप्रकाश शर्मा: आप बोलने नहीं दोगे तोमैं बोलूंगा नहीं क्या?

माननीय अध्यक्ष: ये मामला न्यायालय के अधीन है, बैठिये।

...व्यवधान...

श्री ओमप्रकाश शर्मा: ..शर्म नहीं आती है।

श्री विजेंद्र गुप्ता: ध्यानाकर्षण पर बताईये अब।

श्री ओमप्रकाश शर्मा: एक आपका जो एमएलए है वो उसमें गैंगस्टर्स में फंसा हुआ है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यों से प्रार्थना है बैठें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: दिल्ली आज अपराध से ग्रसित है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः इतना भयभीत हैं दिल्ली के लोग और मुझे बड़ी अफसोस से कहना पड़ रहा है कि विपक्ष इतने गंभीर मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाह रहा, बार–बार डिस्टर्ब कर रहा है। दिल्ली की हर गली, हर कॉलोनी इस बात से परेशान है, अखबार भरे पड़े हैं। उसके बाद विपक्ष का रवैया दिल्ली की जनता देख रही है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः पहले बैठाईये उनको, पहले बैठाईये उनको। पहले बैठा लीजिये उनको, पहले बैठाईये उनको तब बात करूंगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठ जाईये, बैठ जाईये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं स्पीकर हूं और मुझे दिल्ली की जनता को भी देखना है। दिल्ली की जनता को भी देखना है मुझे, बैठिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः स्पीकर का अर्थ ये नहीं है, दिल्ली की जनता को भी देखना है। मैं जो मर्जी आये नहीं बोल रहा हूं, मैं ठीक बोल रहा हूं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये प्लीज़।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई जनरैल जी प्लीज़।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मुझे।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठ जाईये एक बार जरनैल जी, भई रोहित जी बैठिये प्लीज़ बैठिये दो मिनट।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मुझे श्री विजेंद्र गुप्ता माननीय नेता प्रतिपक्ष तथा श्री अभय कुमार वर्मा माननीय सदस्य से नियम-54 के अन्तर्गत ध्यानाकर्षण की सूचनायें प्राप्त हुई हैं। मैं पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं कि कार्यसूची में सूचीबद्ध विषयों के अलावा किसी अन्य विषय पर विचार नहीं किया जायेगा, अतः मैं इन सूचनाओं को स्वीकार नहीं कर पा रहा हूं।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी ये पक्षपात नहीं है?

माननीय अध्यक्षः मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है इस संबंध में तर्क-वितर्क ना करें और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दें।

श्री विजेंद्र गुप्ताः ये शिक्षा से बड़ा मुद्दा है जी, शिक्षा से बड़ा मुद्दा है?

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः राखी बिरला जी।

...व्यवधान...

श्री ओमप्रकाश शर्माः अरे डबल रोल क्यों करते हो।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः राखी जी आप चलिये शुरू करिये बोलना। श्रीमती राखी बिरला जी। आप शुरू कर दीजिये बोलना।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा नारेबाजी की जाने लगी।)

श्रीमती राखी बिरलाः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

श्रीमती राखी बिरलाः अब जाओ हो गया। हो गया जाओ। हो गया तुम्हारा पॉलिटिकल बाईट भी हो गया, पॉलिटिकल ड्रामा भी, चलो अब जाओ।

माननीय अध्यक्षः चलिये, चलिये, चलिये। अजय महावर जी चलिये आप भी।

श्रीमती राखी बिरलाः पहुंचो घर पर। बाहर जाओ।

माननीय अध्यक्षः नहीं फिर मुझे बोलना पड़ेगा।

श्रीमती राखी बिरलाः एक नेता से दूसरे नेता के घर पर जाओ टिकटे बचाओ। चलो जाओ।

माननीय अध्यक्षः या तो स्वयं चले जाएं नहीं तो मुझे नाम लेना पड़ेगा।

श्रीमती राखी बिरलाः पहुंचो चलो अब। गणेश परिक्रमा करो अपनी टिकटें बचाने के लिए। पहुंचो, पहुंचो। हो गई मीडिया बाईट। दिल्ली की सुरक्षा से तुम्हें कुछ लेना देना नहीं है।

(विपक्ष के सभी सदस्यो ने नारे लगाते हुए 12.03 बजे सदन से वाक आउट किया)।

माननीय अध्यक्षः चलिये करिये, करिये।

श्रीमती राखी बिरलाः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी। ये विषय ना सिर्फ महत्वपूर्ण है बल्कि बहुत ही ज्यादा sensitive और हर एक व्यक्ति से जुड़ा हुआ विषय है और ये मौलिक अधिकार से भी जुड़ा हुआ विषय है। अध्यक्ष जी इतने महत्वपूर्ण विषय पर आपने मुझे

बोलने का मौका दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अपने वक्तव्य को शुरू करूं उससे पहले मैं ये कहना चाहती हूं कि,

"बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी था,

अब हर शाखा पर उल्लू बैठा है,

अन्जामे गुलिस्तां क्या होगा।"

आज यही स्थिति खूबसूरत गुलिस्तां देश और उस गुलिस्तां के अंदर जो सबसे हर दिल अजीज मनमोहक और सबको अपनी और आकर्षित करने वाली दिल्ली है, उसकी हो चुकी है क्योंकि केन्द्र में बैठी हुई सरकार अपनी जिम्मेदारियों से ना सिर्फ भाग रही है बल्कि उन जिम्मेदारियों को विपक्षियों को रोकने के लिए उसका उपयोग कर रही है। या यूं कहें कि दुरूपयोग कर रही है। आज दिल्ली देश की राष्ट्रीय राजधानी उसके हाल बद से बदतर यहां पर रहने वाले लोगों के अंदर डर का माहौल हर वक्त डर के साये में व्यापारी है, छात्र है, छात्राएं हैं, सामान्य घरेलू महिलायें हैं, आम लोग हैं या फिर हाई क्लास सोसाईटी के लोग हैं, सब लोग एक डर के माहौल में जी रहे हैं। लेकिन ये देश की राजधानी दिल्ली जो बहुत जिंदा दिल हुआ करती थी, जो बहुत खुशहाल हुआ करती थी, साल 2014 के जैसे इस देश की राजधानी और दिल्ली के ऊपर ग्रहण सा लग गया। जब से चौथी पास राजा के तौर पर केन्द्र की सरकार को एक अनपढ़ व्यक्ति ने सम्भाला और गृह मंत्री के तौर पर एक तड़ीपार को देश और दिल्ली की सुरक्षा सौंपी गई

तब से ये हमारी दिल्ली, प्यारी दिल्ली खुशहाल और सुरक्षित दिल्ली दुख और अपराध की ओर धकेलती चली गई, बढती चली गई। आज दिल्ली के अंदर मनहूसियत छाई हुई है। आज दिल्ली के अंदर डर छाया हुआ है। आज दिल्ली के अंदर खौफ का मंजर बना हुआ है और सिर्फ दिल्ली ही नहीं पूरे देश में आप देखेंगे आये दिन कहीं ना कहीं बड़ी-बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। दिल्ली की सुरक्षा को और दिल्ली के लोगों के भरोसे को जैसे तोड़ने का काम इस केन्द्र में बैठी हुई सरकार ने निरन्तर किया है। दिल्ली की सुरक्षा को जैसे भगवान के भरोसे छोड दिया गया। दिल्ली के लोग सिर्फ और सिर्फ आज मूक दर्शक बनकर डर के साये में अपना जीवन बिता रहे हैं। पता नहीं किस चौक पर, किस चौराहे पर, किसी गली में, किस मोहल्ले में कब गैंगवार हो जाये। कब लूटपाट की घटना हो जाये। कब स्नेचिंग हो जाये। कब छुरेबाजी, चाकूबाजी हो जाये। महिलाओं का अपहरण करके उनका बलात्कार करके उनकी हत्या कर देना तो बहुत ही सामान्य और सहज की घटना दिल्ली में देखने को मिल रही है। जिसके ऊपर ना ही कोई मजबूत और कड़े कदम उठाये जा रहे हैं और ना ही उनके खिलाफ आवाज बुलंद की जा रही है। देश की महिला, दिल्ली की महिलायें और उनकी सुरक्षा केन्द्र की सरकार के लिए सिर्फ और सिर्फ एक वोट बैंक बनकर रह गई है। उनकी जिम्मेदारी से उन्होंने जैसे पल्ला बिल्कुल झाड़ लिया हो। अगर हम देश के युवा की बात करें, दिल्ली के युवा की बात करें तो दिल्ली का युवा ना सिर्फ बेरोजगारी की ओर बढ़ रहा है, नशाखोरी की ओर बढ़ रहा है। दंगेबाजियों की ओर बढ़ रहा है और

उनके बेहतर और उज्जवल भविष्य के लिए ना तो केन्द्र सरकार के पास कोई योजना है और ना ही उनके नशे और क्राइम के ऊपर जो बढ़ते हुए कदम हैं उनके ऊपर किसी प्रकार की या कोई लगाम लगाने के लिए कोई बल्यू प्रिंट रेडी है। लेकिन देश की महिलायें जो कि आधी आबादी है और ये देश जो दुनिया में सबसे युवा देश कहा जाता है और इस युवा देश का जो राष्ट्रीय राजधानी का युवा है वो क्राइम में और दंगों में अपने आप को इतनी तीव्र गति से लिप्त करता जा रहा है क्योंकि बेरोजगारी चरम पर है। अगर बीते हम पांच साल के आंकड़े उठाकर देखें तो वो सारे के सारे आंकड़ों ने अपनी तमाम सीमाएं, अपनी तमाम हदें पार कर दी और चंद रूपयों के लिए चंद वाह-वाही के शब्दों के लिए किसी के भी प्रभाव में आकर आज हमारा युवा जो सत्रह अठारह साल का है वो कुछ हजार रूपयों के लिए अपना पूरा जीवन दाव पर लगा देता है और गैंगवार में शामिल हो जाता है। लेकिन उसके उल्ट केन्द्र में बैठी हुई चौथी पास राजा और तड़ीपार की जो जिम्मेदारी है वो सिर्फ इन युवाओं को भड़काकर सम्प्रदायिक दंगे करवाना। विपक्ष के खिलाफ बौखलाने वाले कुकर्म करवाना और जो है इन युवाओं को भड़काने के अलावा कुछ और इनके जीवन में उजाला करने के लिए उनके पास कोई योजना नहीं है। अध्यक्ष जी, दिल्ली के अंदर चाहे गरीब व्यक्ति है, चाहे अमीर व्यक्ति है, चाहे महिला है, चाहे पुरूष है, चाहे छात्र-छात्राएं हैं या कामकाजी युवा है, व्यापारी है, रेहड़ी पटरी लगाने वाले लोग है, शाम ढलते ही सबके मन के अंदर एक ही डर और एक ही सवाल होता है कि क्या आज शाम को हम अपने

घर पर सही सलामत पहुंचेगे या नहीं पहूंचेगे या मेरे साथ कुछ गलत हो गया तो मेरी सुरक्षा या फिर या मेरी शिकायत के ऊपर दिल्ली पुलिस कोई कार्रवाही करेगी या नहीं करेगी। आज दिल्ली के घर-घर के अंदर चाहे वो कोठी बंगले वाले लोग हो, पच्चीस गज के मकानो में रहने वाले लोग हों या सामान्य वर्ग के परिवारों के लोग हो आज घर-घर में सिर्फ एक ही चर्चा है कि अब दिल्ली रहने लायक बची नहीं है। दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर बट्टा लग चुका है। दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था बिल्कुल जीरो हो चुकी है। खत्म हो चुकी है। दिल्ली के अंदर सेफ्टी और सिक्युरिटी नाम की कोई चीज बची नहीं है। अध्यक्ष जी, अब सवाल ये उठता है कि दिल्ली की सेफ्टी और सिक्युरिटी दिल्ली की सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाले लोग कर क्या रहे हैं। ये प्यारी दिल्ली, ये सुरक्षित दिल्ली, ये जिंदा दिल दिल्ली जो साल 2014 से पहले इस तरह के खुशनुमा माहौल में हुआ करती थी कि रात बारह बजे भी अगर किसी का इंडिया गेट पर जाकर घूमने का और आईस क्रीम खाने का मन करे तो बेधडक होकर कोई भी पिता अपनी बेटी को, अपने बच्चों को ले जाकर वहां पर घूम सकता था। लेकिन आज माहौल ऐसा है कि कोई भी माँ-बाप अपने जवान बेटा-बेटी के साथ घर के चौराहे पर भी खडा होकर दो मिनट कोई दुकान पर शॉपिंग भी नहीं कर सकता। इतना खौफ, इतना भय आज दिल्लीवासियों में है। अध्यक्ष जी, अभी 26 नवम्बर गया। 26 नवम्बर को हम सब लोग संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं। हम सब लोग डॉ भीमराव अम्बेडकर जी को बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करके गौरवान्वित

महसूस करते हैं। उस क्षण और उस पल को जब उस महान शख्सियत ने देश का संविधान लिखा और संविधान के मूलभाव के अंदर सुरक्षा हमारा मौलिक अधिकार होगा इस बात को लिखा लेकिन उस दिन भारतीय जनता पार्टी और केंद्र में बैठी हुई ये तड़ीपार और चौथी पास राजा की पार्टी ने संविधान दिवस को झुग्गी टूरिज़्म के रूप में मनाया। झुग्गी टूरिज़्म के तहत इनके हर छोटे बड़े पदाधिकारी, नेता तमाम झुग्गी वासियों के घर गए।

माननीय अध्यक्षः राखी जी विषय से अलग हो रहे हो, प्लीज।

श्रीमती राखी बिरलाः नहीं ये विषय से अलग नहीं है विषय से जुड़ेगा क्योंकि मैं उन झुग्गियों में रहती हूं, पली हूं, बढ़ी हूं आपको बताउंगी कि क्यूं विषय जुड़ेगा। उस दिन झुग्गी टूरिज़्म मनाया गया तमाम नेताओं ने वहां पर झुग्गियों में रात बिताई लेकिन इन्होंने रात बिताई अपनी राजनीति चमकाने के लिए, झुग्गियों में बिकने वाला खुले में स्मैक, खुले में बिकने वाली दारू, खुले में बिकने वाला सूखा नशा और अभी बंदना जी के यहां जो मर्डर हुआ वो झुग्गी के बच्चे का ही हुआ था। कल मेरे यहां पर जिस बेटे पर गोली चली वो भी झुग्गी में रहने वाला था। उन झुग्गी वालों के तुम वोट तो लेते हो लेकिन उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित नहीं करते। ये मुद्दा इस मुद्दे से बिल्कुल जुड़ा हुआ है चोली दामन की तरह इसका साथ है कि तुम गरीबों को, दलितों को 25 गज में रहने वालों को, युवाओं को, महिलाओं को, बेटियों को वोट बैंक तो समझते हो लेकिन जब उनकी सुरक्षा की बात

आती है, जब उनके स्वस्थ माहौल की बात आती है, जब उनको अच्छे माहौल में आगे बढ़कर सुखद जीवन देने की बात आती है तो तुम यहां पर आकर राजनीति करते हो? तुम यहां पर आकर हिंदु मुस्लिम करते हो, तुम यहां पर आकर अपने अपने कामों से पल्ला झाड़ते हो। आज मैं आपके माध्यम से अध्यक्ष जी सिर्फ इतना कहना चाहती हूं देशवासियों को भी, दिल्ली वासियों को भी और ये तमाम जो लोग बैठे हुए हैं केंद्र की सरकार में इनको भी कि ये बिल्कुल साफ हो गया, बीते दस सालों के अंदर केंद्र में बैठी हुई सरकार जिसका प्रत्यक्ष तौर पर ये अधिकार और ये कर्तव्य बनता है कि वो दिल्ली के दो करोड़ लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करे। दिल्ली के दो करोड़ लोगों को इस आत्मविश्वास के तहत आगे बढ़ाने की कोशिश करे कि चाहे रात के दो बजे हों या सुबह के चार बजे हों या दिन के दोपहर के बारह बजे हों आप हर पल, हर क्षण बिल्कुल सुरक्षित हैं।

(समय की घंटी)

श्रीमती राखी बिरला: ये इस विश्वास को दिलाने में और अपने इस कर्तव्य को करने में केंद्र सरकार, केंद्र के गृह मंत्री, दिल्ली के एलजी और दिल्ली की पुलिस इस काम को करने में पूर्णरूप से असफल रहे हैं। इनका पूरा का पूरा लक्ष्य सिर्फ आम आदमी पार्टी को रोकना, अरविंद केजरीवाल के कामों को रोकना, अरविंद केजरीवाल जी को रोकना। तो मैं इनको ये बताना चाहती हूं माननीय अमित शाह जी को भी, मोदी जी को भी और विनय सक्सैना जी को भी अरविंद केजरीवाल को रोकने से दिल्ली का क्राईम नहीं रूकेगा। अरविंद केजरीवाल

को रोकना जरूरी नहीं है। रोकना दिल्ली के क्राईम को जरूरी है और अगर आपसे दिल्ली पुलिस और दिल्ली का क्राईम नहीं संभलता है और दिल्ली का क्राईम आपसे नहीं रूकता है तो ये केंद्र की सरकार से मैं गुहार लगाती हूं, निवेदन करती हूं दिल्ली के दो करोड़ लोगों की तरफ से करबद्ध प्रार्थना करती हूं कि दिल्ली पुलिस को अरविंद केजरीवाल जी को सौंप दें। दिल्ली सरकार को सौंप दें क्योंकि केन्द्रीय गृहमंत्री और प्रधानमंत्री जी दिल्ली को सुरक्षा देने में पूर्ण रूप से नाकाम हो गए हैं, असफल हो गए है। दिल्ली की सुरक्षा करना हम सब का पहला प्राथमिक जो है कर्तव्य बनता है और दिल्ली सरकार अपने उस कर्तव्य पे कदम कदम पर सफलता पूर्वक काम कर रही है, चाहे मार्शल्स लगाने की बात हो या फिर पूरी दिल्ली को सीसीटीवी कैमरे से लैस

(समय की घंटी)

श्रीमती राखी बिरला: करकर दुनिया में तीसरे नंबर पर जो है लाने का काम कर रही है। जब दिल्ली पुलिस आपसे नहीं संभल रही आप अरविंद केजरीवाल जी को दीजिए अपनी असफलता को जो है एडमिट करिए, मानिए कि हम दिल्ली को सुरक्षा देने में पूर्ण रूप से फेल हुए हैं।

माननीय अध्यक्ष: राखी जी कंक्ल्यूड करिए अब कंक्ल्यूड करें।

श्रीमती राखी बिरला: आपने मुझे इतने महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं।

आभार प्रकट करना चाहती हूं लेकिन भारी मन से ये कहना चाहती हूं आज मेरे दिल्ली के लोग डरे हुए हैं, सहमे हुए हैं खौफ के मंजर से गुजर रहे हैं अगर केंद्र सरकार को आप ये बात पहुंचा पाए तो पहुंचाइए कि राजनीति से उपर उठकर मानवता के आधार पर दिल्ली के बच्चों को, महिलाओं को, बहनों को, बेटियों को सुरक्षा मुहैया कराइए नहीं तो ये दिल्ली पुलिस अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार को सौंप दीजिए। बहुत बहुत धन्यवाद। बहुत बहुत आभार। जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री मदन लाल जी। श्रीमान मदन लाल जी।

श्री मदन लालः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मेरी तबीयत ठीक नहीं है। प्लीज।

माननीय अध्यक्षः प्रमिला टोकस जी।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे इतने महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी कल हमारे क्षेत्र में कुसुमपुर पहाड़ी का एक बच्चा था चिन्मय स्कूल में वो पढ़ता था उनके फादर उनको 7.45 पर छोड़कर गए और 9.15 पर उनको फोन आता है कि आप हॉस्पिटल पहुंचिये आपके बच्चे की तबीयत खराब हो गई। अध्यक्ष जी ये एक पिता का दर्द है और मैं कल उनकी मां से भी मिली और बच्चे की डैड बॉडी ऐसे रखी हुई है और उसकी मां कह रही है कि मेरे प्रिंस को ला दो। मतलब उस मां का दर्द देखा नहीं जा रहा अध्यक्ष जी और पुलिस उनकी कंप्लेंट नहीं लिख रही।

सुबह 12 बजे से वो थाने में बैठे हैं रात के सवा नौ बजे उन्होंने कंप्लेंट लिखी है। एफआईआर नहीं कर रहे थे। एफआईआर जब हमने फोन किए हैं, हम गये हैं तब उन्होंने ये कंप्लेंट ली है अध्यक्ष जी। ये हमारी दिल्ली का हाल है जो गरीब हैं, जो महिलायें हैं उनकी कंप्लेंट तो लेते ही नहीं हैं। अध्यक्ष जी, जो उस पिता ने वहां पे बैठ के 12 बजे से और 9 बजे तक जो अपनी कंप्लेंट दर्ज करानी थी वो मैं एक बार आपको पढ़ के सुनाना चाहती हूं कि उस पिता का दर्द और जो पूरा दिन उन्होंने वहां पे व्यतीत किया उसके बाद जब हमने दबाव डाला जब ये उनकी कंप्लेंट उन्होंने रिसीव की है। अध्यक्ष जी मैं एक बार चाहती हूं कि मैं ये पढ़ के सुनाउं।

माननीय अध्यक्षः ये कंप्लेंट टेबल कर दीजिये। टेबल कर दीजिये, दे दीजिये, टेबल कर दें।

श्रीमती प्रमिला धीरज टोकसः अध्यक्ष जी, एफआईआर की कापी भी उन्होंने हमें दी है सवा 12 बजे के आसपास। कह रहे कि अभी आपको नहीं मिलेगी। जब तक हम वहां से नहीं उठे, तब तक उन्होंने कापी नहीं दी, उन्होंने आश्वासन दिया तब हम उनके पास गये 11 बजे हम शायद 11 साढे 11 बजे का टाईम होगा जब हम थाने से निकले और उनके वहां पास पहुंचे, उनके फादर भी हमारे साथ ही थे और ये घटना कोई एक घटना नहीं है ये इतनी सारी घटनायें पूरी दिल्ली में हो रही हैं। एक हमारे वहां पे हनुमान मजदूर कैंप है वहां लड़की ने मुझे फोन किया कि मैडम मुझे कुछ गुंडे लोग मुझे मारने के

लिये आये हैं, मेरे साथ कुछ भी कर सकते हैं, बलात्कार भी कर सकते हैं लेकिन पुलिस मेरी बिल्कुल नहीं सुन रही है। सर मैंने फोन किया एसएचओ वहां पे नहीं थे मैंने डीसीपी को फोन किया, एसएचओ ने फोन नहीं उठाया था तो मैंने डीसीपी को फोन किया, डीसीपी ने कहा कि एसएचओ यहां नहीं है। मैंने कहा सर एसएचओ नहीं है जो और भी उसके बिहाफ पे रहता है एडिशनल एसएचओ वो तो होंगे वहां पे। सर मैंने इतना फोन किये जब जाके वहां पे एसएचओ पहुंचे, वहां के लोग पहुंचे और लड़की ने बताया कि अगर मैं कुंडी लगा के नहीं रखती हूं तो मेरे साथ कुछ भी हो सकता है। सर ऐसा तो पुलिस का रवैया है और महिलाओं की तो कंप्लेंट लिखते ही नहीं हैं। ये महिलाओं का इतना जब हम जाते हैं कैंपों में तो वहां की महिलायें बताती हैं कि हम कंप्लेंट कराने जाते हैं, कंप्लेंट हमारी नहीं ली जाती है। अध्यक्ष जी, हमारे यहां पे अम्बेडकर बस्ती है, वहां पे दो लड़कियों को मार दिया गया गोली से, अभी तक उसका भी कोई अता पता नहीं है उस हत्यारे का। और ये जो हनुमान मजदूर की लड़की थी इनका भी अभी तक जो उनका बयान था वो भी दर्ज नहीं कराया। सर मैंने फोन किया कि आप इनका बयान दर्ज कराईये, कह रहे हैं कि इनके फादर ने बयान दे दिया, कंप्लेंट उस लड़की ने की लेकिन उसका बयान अभी तक नहीं लिया। सर हम एरिया में जाते हैं सबसे ज्यादा कंप्लेंट आती हैं नशा बिक रहा है, सूखे नशे, आप कैंपों में जायेंगे, झुग्गी झोपड़ियों में जायेंगे, हर कैंपों में ये नशे बिक रहे हैं। सर, हमारा मुनिरका गांव में यूथ क्लब के बच्चे हैं जो पूरा मुनिरका में वो रात में जागते हैं,

कहां-कहां नशा बिक रहा है, कहां दारू बिक रही है, उन पर वो काम करते हैं, पूरी रात अपना उस मुनिरका में बिताते हैं। सर, वहां पर दारू की बोतलें पकड़ी जाती है, पुलिस को फोन करते हैं तो पुलिस उन्हीं को धमकाती है और जहां पर दारू की बोतलें मिली थी उन पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। जब उन बच्चों ने हमें बताया तो हमने एस.एच.ओ. को फोन किया तब, उन पर तो फिर भी कार्रवाई नहीं हुई। कह रहे है कि ये पुलिस कामामला है ये हम देखेंगे आप इससे दूर हो जाइये, ये ऐसा रवैया दिल्ली पुलिस का है। सर, ये तो हमने थोड़ा सा उदाहरण अपना विधान सभाओं का दिया है। ये ऐसे ही सभी विधान सभाओं में, पूरी दिल्ली में सर जगह-जगह चोरियां हो रही हैं, चेन स्नैचिंग है। महिलाएं, लड़कियां पार्कों में नहीं बैठ सकती हैं, सड़कों पर नहीं जा पाती हैं। तो ये पूरी दिल्ली आपराधिक दिल्ली बन गई है और न इसमें कुछ पुलिस सहयोग करती है, न एल.जी. साहब इसमें सहयोग करते हैं। और जैसे अभी दुर्गेश भाई ने बताया कि आज हमने भी न्यूज में देखा कि आज सुबह-सुबह ही जब हमने टीवी खोला तो यही न्यूज थी कि आज तीन, मां-बेटी और पिता की चाकू घोपकर हत्या कर दी। तो ये पूरा अपराध पूरी दिल्ली में ऐसे ही है और दिल्ली पुलिस के कानों पर जूं नहीं रेंगती है। एल.जी. साहब इस पर संज्ञान लें, अमित शाह इस पर संज्ञान लें और इस पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए। और ऐसे पुलिसकर्मियों पर भी कुछ न कुछ उचित कार्रवाई हो जो अपराधियों के खिलाफ क्या ऐसा उनके पास है कि वो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करते। बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः प्रकाश जारवाल जी।

श्री प्रकाश जारवालः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे इतने महत्वपूर्ण विषय पर अपनी बात रखने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, दिल्ली में जिस तरह से क्राइम बढ़ते जा रहे हैं, आज ही सुबह की घटना है जो सभी सदस्य जिसकी चर्चा कर रहे हैं वो देवली विधान सभा के देवली गांव की घटना है उसमें एक्स आर्मी कमांडो, उनकी वाइफ और उनकी 23 वर्षीय बेटी का मर्डर कर दिया सुबह 5.30 बजे और बेटा उनका मॉर्निंग-वाक पर गया हुआ था। मैं घटना पर पहुंचा 7.00 बजे तो अध्यक्ष जी वहां मुझे जो देखने को मिला इतना कि देखा भी नहीं गया, वो लड़की का जो 23 वर्षीय थी, पढ़ने-लिखने वाली लड़की थी उसकी नस काटकर, गला काटकर उस पर साड़ी से लपेट दिया। क्योंकि वो कमांडो थे, एक्स आर्मी मैन थे उन्हें किसी भारी चीज सेयहां मारकर उन्हें भी सोते-सोते ही मार दिया और उनकी मिसेज को, आज उनकी वेडिंग एनिवर्सरी भी थी और अध्यक्ष जी जिस तरह से दिल्ली में क्राइम बढ़ते जा रहे हैं। कल रात को जब ये सारी चर्चाएं चल रही हैं, हम देख रहे हैं, सोशल मीडिया पर देख रहे हैं, कभी जी.के. में ऐसी घटना हो रही है, शालीमार में ऐसी घटना हो रही है, आर.के.पुरम में ऐसी घटनाएं हो रही हैं तो अगले दिन सुबह देवली विधान सभा का भी प्रकरण कि तीन, ट्रिपल मर्डर इस तरह से हो जाए। तो अध्यक्ष जी ये जो दिल्ली है भारत की राजधानी जो क्राइम, अपराध इस तरह से बढ़ता जा रहा है कोई भी सुरक्षित नहीं है। लॉ एंड ऑर्डर की जो स्थिति है दिल्ली में एकदम खराब हो चुकी है। हमें

भी अब डर लगता है कि कब किसके घर में कोई घुस जाए, तीन लोग मार दे, चार लोग मार दे, किसी को मार दे, ये सारा का सारा इस तरह से जो माहौल दिल्ली में बन गया है ये निंदनीय है क्योंकि लॉ एंड ऑर्डर केंद्र में बैठी सरकार भाजपा के अधीन है, एल.जी. साहब के अधीन है। लोगों को हम जवाब भी नहीं दे सकते कि हम इस पर क्या करें, न एस.एच.ओ. हमारी सुनते है, न डी.सी.पी. सुनते है। अभी पिछले महीने भी देवली विधान सभा में एक 17 वर्षीय लड़के को मार दिया गया। कुछ दिन पहले फिरौती के लिए सैनिक फार्म के एक बिजनेस मैन को कॉल आ गया। तो अध्यक्ष जी इस सदन के माध्यम से बस मैं ये कहना चाहता हूं कि दिल्ली में जिस तरह से अपराध बढ़ रहे हैं और हर दिन नए, कोई न कोई घटना हो रही है, कहीं तीन लोग का मर्डर कर रहे हैं, कहीं एक को चाकू से घोप-घोपकर मार रहे है। तो इस पर इस सदन के माध्यम से एल.जी. साहब संज्ञान लें, केंद्र में बैठी सरकार संज्ञान ले और इन तमाम घटनाओं को रोकें। दिल्ली में लोगों को सुरक्षित महसूस कराए। आज कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा। हम भी सदस्य बैठे हैं, हम भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। तो मेरा अध्यक्ष जी इस सदन के माध्यम से यही कहना है कि उस परिवार को न्याय मिले, अब वो एक लड़का बाक्सर का चैम्पियन रहा है अध्यक्ष जी, अब न उसकी बहन बची, न उसकी मां, न उसके पिताजी। अब मैंने उससे पूछा और उसे शोक संवदेनाएं दी तो कहता है जी मैं अब किसके लिए जीऊं, न मेरे परिवार में कोई बचा। तो इस तरह का माहौल दिल्ली में अध्यक्ष जी पूरा खराब है। सुरक्षा के

कोई इंतजाम नहीं है। कोई भी दिल्ली पुलिस इस पर कार्रवाई नहीं कर रही और डेली इस तरह के.। धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपराह्न 12.27 बजे सदन में वापिस आ गए।)

माननीय अध्यक्षः श्री ऋतुराज झा जी।

श्री ऋतुराज गोविंदः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है। हमारा देश जिस संविधान से चलता है अध्यक्ष जी वो संविधान सिस्टम को पब्लिक के प्रति, जनता के प्रति और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव के प्रति एकाउंटेबल बनाता है। इसी के मद्देनजर मुझे याद है कि 2016 तक in fact दिल्ली में थाना लेवल कमेटी होती थी और थाना लेवल कमेटी के चेयरमैन पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव यानी कि लोकल एम.एल.ए. होते थे और जिसमें एस.डी.एम. और एस.एच.ओ. साथ बैठते थे वो सिस्टम इसलिए था ताकि दिल्ली के अंदर जो लोकल लेवल पर थाना है उसके एस.एच.ओ. है, पुलिस के लोग हैं, उसको जनप्रतिनिधि के सामने एकाउंटेबल बनाया जाए ताकि जनता से जुड़े हुए जितने भी मुद्दे हैं उसको सॉल्व किया जाए और पुलिस पर एक प्रेशर भी रहता था कि अगर किसी भी तरह की घटना घटेगी, किसी भी तरह की लापरवाही होगी तो हमारी जवाबदेही जनप्रतिनिधि के प्रति है। उस सिस्टम को जानबूझकर के, जानबूझकर के खत्म किया गया, पॉलिटिकल कारण से खत्म किया गया,

जबसे आम आदमी पार्टी की सरकार बनी दिल्ली के अंदर में और 70 में से 67 विधायक बने तब से इनको लगा कि सारे विधायक तो आम आदमी पार्टी के हैं, आप सोचो कितनी घटिया सोच है इन लोगों की और इसके चलते इन्होंने थाना लेवल कमेटी जोकि व्यवस्था थी, जोकि एक ऐसी व्यवस्था थी जिसमें कि पुलिसवाले एकाउंटेबल थे, उनकी एकाउंटेबिलिटी फिक्स होती थी, हर महीना-डेढ़ महीना में मीटिंग होती थी।

एक और व्यवस्था है अध्यक्ष जी उसको बोलते है डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी, उसके सांसद चेयरमैन होते हैं और एमएलऐज मेम्बर होते हैं। आपको यकीन नहीं होगा अध्यक्ष जी एक-एक साल मीटिंग नहीं होती है। और अगर मीटिंग होती भी है अगर मान लीजिए बहुत प्रेशर आप बनायेंगे तो उस मीटिंग में जो मुद्दे आप उठायेंगे उसमें केवल खानापूर्ति होती है, उस विषय पर क्या एक्शन हुआ उसकी कोई जवाबदेही नहीं होती है।

मुझे तो एक चीज समझ में नहीं आती है कि आपने पूरा का पूरा जो पुलिसिया व्यवस्था है, पूरा का पूरा जो पुलिसिंग का सिस्टम है, लॉ एंड ऑर्डर है पूरा पॉलिटिकल इस्तेमाल में आपने लगा दिया। सारे विधायकों के ऊपर में फर्जी केस करो, झूठे मुकदमे में फंसाओ, अमानतुल्ला खान को जेल भेजो, प्रकाश जारवाल को जेल भेजो, सबके ऊपर में फर्जी मुकदमे करो। इनकी सदस्यता कैसे जाए इस पर काम करो। आज मैं एक अनऑथराइज्ड कॉलोनी को रिप्रेजेंट करता हूं, हमारे

यहां पर ईटा गिरता है बाद में पुलिस आती है पहले, यानी कि कोई गरीब आदमी अगर 25-30 गज का मकान बनाता है तो सूंघते हुए पुलिसवाले पहुंच जाते हैं। लेकिन उसी मौहल्ले में, उसी गली में स्मैक बिकता है, शराब बिकता है, नशा बिकता है वो पुलिस को नहीं पता है। अगर आप कम्प्लेंट करेंगे तो आपके ऊपर में झूठा मुकदमा करके आप ही को अंदर कर देंगे लेकिन पूरी की पूरी पुलिसिया व्यवस्था ऐसा लगता है कि ये स्मैकिया चलाते हैं, ये सांसी चलाते हैं, यही लोग चलाते हैं।

प्रधानमंत्री जी कहते हैं 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', हमारी सरकार ने स्कूल अच्छे कर दिए लेकिन स्कूल जिस रास्ते से हमारी बच्चियां जाती है आपको पता है उन रास्तों पर मनचले घूमते हैं। स्कूल के बाहर उनके साथ छेड़छाड़ किया जाता है और वो मजदूर की बेटी अपने माता-पिता से शिकायत तक नहीं कर पाती है क्योंकि उसको इस बात का डर है क्योंकि मेरे माता-पिता जो है सो मजदूरी करके दो जून की रोटी कमाते है अगर हम शिकायत करेंगे तो मुझे पढ़ाई छुड़वा कर के घर बैठा देंगे, मेरी शादी करवा देंगे। इस डर से वो शिकायत तक नहीं करते, लेकिन अपना बड़ा भाई समझकर के अपने विधायक के पास आते हैं वो बताते हैं कि हमसे हम लोग ये सब कुछ झेलते हैं। कैसे पढ़ेंगी बेटियां, कैसे बचाओगे बेटियों को? जिस मोहल्ले में रहती हैं वहां पर सांसी बैठता है, मनचले शराब पीते हैं। वहां पर स्मैक बिकता है और स्मैक बिकवाता कौन है? पुलिस। आपको पता है कैसे बिकता है स्मैक? अगर मान लीजिए हम लोग कोई शिकायत करेंगे कि फलांनी

जगह पे स्मैक बिकता है आप लोग कैसे बिकवा रहे हैं। आपको पता है गली के अंदर में जो ईंटा होता है, ईंटा के नीचे पुड़िया रखा होता है। आजकल स्मैकिया को पेमेंट भी आपको पता है गूगल पे से और पेटीएम से किया जाता है और वो घूम रहा होता है और वो बोलता है उस ईंटा के नीचे सामान रखा है ले लो। आप समझो। और ये सब आइडिया कौन देता है। ये सब आइडिया वही बीट कॉन्सटेबल, वही पुलिसिया व्यवस्था देता है कि इस तरीके से धंधा चलाओ। सरेआम चल रहा है कोई एकाउन्टीबिल्टी नहीं है। क्या उम्मीद उन लोगों से करें जोकि रेपिस्टों को माला पहनाते हैं। जिनका इतिहास इस तरह का रहा है। आज पूरी दुनिया में दिल्ली देश की कैपिटल है और पूरी दिल्ली की जो छवि है पूरी दुनिया में इन्होंने खराब करने का काम किया है। ये बिहार, उत्तर प्रदेश में जाके कहते हैं कि जंगलराज है। आज दिल्ली के अंदर क्या हो रहा है। आप लॉ एण्ड ऑर्डर संभाल नहीं पा रहे हो। गैंग्स ऑफ वासेपुर तो सुनते थे, ये अभी दुर्गेश पाठक बता रहा था कि गैंग्स ऑफ नारायणा चल रहा है, गैंग्स ऑफ बवाना चल रहा है। रोज जो है सो लूटपाट हो रहा है। गोलियां चल रही हैं। फिरौती मांगी जा रही है। देश की राजधानी है दिल्ली। दुनिया दिल्ली की तरफ देखती है। दिल्ली के अंदर कोई घटना घटती है तो पूरी दुनिया के अंदर इसका शोर होता है। और मुझे तो शर्म आती है कि प्रधानमंत्री यहां बैठते हैं, गृहमंत्री यहां बैठते हैं। खाली नारा देने से खोखले नारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' ऐसे खाली नारा देने से बेटियां बचेंगी, बेटियां पढ़ेंगी? इस तरीके से आज कोई चार पैसा फालतु कमा ले, कोई व्यापारी सुरक्षित

नहीं है, बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, महिलायें सुरक्षित नहीं हैं। इस दिल्ली के अंदर में बड़े-बड़े आन्दोलन हुए। निर्भया कांड हुआ, जेसिका लाल हत्या कांड हुआ। हम लोगों ने लाठियां खाई थीं। इस उम्मीद में खाई थी कि एक दिन ये व्यवस्था सुधरेगी। पर हमें नहीं पता था कि सत्ता मैं बैठे हुए ऐसे लोग जो रेपिस्टो को माला पहनाते हैं इनसे हम इस बात की उम्मीद नहीं कर सकते हैं कि लॉ एण्ड ऑर्डर की व्यवस्था सुधरेगी और मैं एक ही बात कहना चाहता हूँ अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद। हो सकता है कि इस सेशन का मेरा आखिरी स्पीच है ये लेकिन आज जिस मुद्दे पे आपने मुझे बोलने का मौका दिया है आज चाहे जेजे कलस्टर हो, अनॉथराइज कॉलोनी हो, दिल्ली का कोना-कोना, व्यापारी हो हर व्यक्ति इस चीज से पीड़ित है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। माननीय मंत्री सौरभ भारद्वाज जी चर्चा का उत्तर देंगे।

श्री अजय कुमार महावरः अध्यक्ष जी मैंने बोलना है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अभी तो हमने भी बोलना है जी।

माननीय अध्यक्षः भई उस दिन बोल चुके थे आप।

...व्यवधान...

माननीय स्वास्थ्य मंत्री (श्री सौरभ भारद्वाज): अध्यक्ष जी। आज

श्री विजेंद्र गुप्ताः ये तो पेश हुआ है आपका।

माननीय अध्यक्षः पेश नहीं हुआ भईया। विजेन्द्र जी आप एबसेंट हैं। एक सेकेण्ड, एक सेकेण्ड बैठिये। विजेन्द्र जी एक सेंकेण्ड मेरी बात सुन लीजिए, बैठिये। ये लॉ एण्ड ऑर्डर पर चर्चा थी।

श्री विजेंद्र गुप्ताः हमारे बोलने में प्रोब्लम क्या है?

माननीय अध्यक्षः अरे भई आप सुनोगे नहीं क्या? आप सुनोगे नहीं, सुनोगे नहीं? आप पहले सुन लीजिएगा। जिस दिन इस विषय पर चर्चा आरम्भ हुई थी 29 तारीख को मैंने आपसे कहा था ये चर्चा आगे होगी।

श्री विजेंद्र गुप्ताः आपने क्या कहा था ये रहने दीजिए आज तो फ्रेश है नोटिस।

माननीय अध्यक्षः एक सेकेण्ड सुनिए, फ्रेश नोटिस नहीं है, मैंने उसी दिन announce किया था इस पर चर्चा कन्टीन्यू। आप मेरे मुंह में डालेंगे क्या? उस दिन तो आपने जिद की।

श्री विजेंद्र गुप्ताः हाँ तो आप को डर क्या है?

माननीय अध्यक्षः आपने तो उस दिन जिद की।

श्री विजेंद्र गुप्ताः आप एक तरफा डिस्कसन कर रहे है।

माननीय अध्यक्षः आपने तो उस दिन जिद की। नहीं बैठ जाइये। सौरभ जी। एक तरफा नहीं आपको मैंने कहा, आपको मैंने कहा।

श्री विजेंद्र गुप्ताः देखिए अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः मैं बिल्कुल नहीं, बिल्कुल नहीं। आपने उस दिन इतनी जिद की है पूरे सदन का 10 मिनट खराब किया था। आपने उस दिन कहा कि नहीं मैं आज ही बोलूंगा। मैं आज ही बोलूंगा। मैं आज ही बोलूंगा। नहीं आप हर तरीके से आपने कहा मैं आज ही बोलूंगा, मुझे बता दीजिए आपने नहीं कहा मैं आज ही बोलूंगा। मैंने कहा कि.

श्री विजेंद्र गुप्ताः आपने मुद्दा भी अलग लिखा है।

माननीय अध्यक्षः नहीं कोई अलग नहीं लिखा। कन्टीन्यू में लिखा। बिल्कुल कन्टीन्यू में।

श्री विजेंद्र गुप्ताः आज की लैंग्वेज अलग है उस दिन की लैंग्वेज अलग थी।

माननीय अध्यक्षः ना कोई लैंग्वेज अलग नहीं है। बैठ जाइये। मेरे पास कोई नोटिस नहीं आया। मेरे पास नहीं।

श्री विजेंद्र गुप्ताः स्लिप दी है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप बैठ जाइये एक बार बैठिये।मैं व्यवस्था दे दूं सौरभ जी, दो मिनट बैठिये। एक सेकेण्ड, एक सेकेण्ड।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री (श्री सौरभ भारद्वाज): अच्छा आप बता दीजिए। सर अगर आप तीन नंबर पढ़के बता देंगे ना हिन्दी में ही है इन्हें समझ में भी आ जायेगा आप पढ़ के बता दीजिए।

माननीय अध्यक्षः इनको मालूम है सब। स्लिप मेरे पास आई, समझ लीजिए। ये चर्चाकंटीन्यूएशन में है। उस दिन जो दो नाम इन्होंने दिये विजेन्द्र जी उस दिन बोल चुके। एक सेकेण्ड, नहीं विजेन्द्र जी आप 2 मिनट मुझे क्लीयर करने दीजिए। आप आंखों में धूल मत डालिये। आप एलओपी हैं। उस दिन मैंने कहा कि विजेन्द्र जी आपको मैं नेक्सट डे समय दूंगा। इन्होंने कहा क्या भरोसा है आप बुलवायेंगे, नहीं बुलवायेंगे। कितनी जिद की और फिर भी मैंने इनको समय दिया। अब आज भी उस विषय पर बोलेंगे। उस दिन बोल चुके।

श्री विजेंद्र गुप्ताः ये जो आप लॉ एण्ड ऑर्डर पे बात कर रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः हाँ लॉ एण्ड ऑर्डर की बात है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः जो इस सदन का विषय नहीं है।

माननीय अध्यक्षः क्यों नहीं विषय सदन का, लॉ एण्ड ऑर्डर आप कहते हैं सदन का. आप बोलिये, दोबारा बोलिए। ये विजेन्द्र जी जो बोल रहे हैं ये रिकॉर्ड कर लिया जाए कि लॉ एण्ड ऑर्डर इस सदन का विषय नहीं है। लॉ एण्ड ऑर्डर पे चर्चा सदन का विषय नहीं है, ये विजेन्द्र गुप्ता जी बोल रहे हैं। शर्म आनी चाहिए आपको, शर्म

आनी चाहिए आपको। लॉ एण्ड ऑर्डर विषय नहीं है। आप कह रहे हैं लॉ एण्ड ऑर्डर विषय नहीं है। विजेन्द्र जी माफी मांगे सदन से। विजेन्द्र जी माफी मांगो। आपको बुलवा चुका हूँ मैं। मैं बुलवा चुका हूँ। लोग मर रहे हैं आप कहते है लॉ एण्ड ऑर्डर विषय नहीं है। विजेन्द्र जी माफी मांगे। पूरे सदन से माफी मांगे। आप अध्यक्ष को चेलेंज कर रहे हैं। आप अध्यक्ष को चेलेंज कर रहे हैं। लॉ एण्ड ऑर्डर विषय नहीं है। परसो तो आप बोल रहे थे कि नहीं आप बोल चुके इस विषय पर। आप इस विषय पर परसो बोल चुके हो। इस विषय पर दोबारा नहीं बुलवाऊंगा। मैंने कहा लॉ एण्ड ऑर्डर विषय है, माफी मांगिये। तमाशा बना रखा है आपने।

श्री विजेंद्र गुप्ताः माइक खोलो मेरा। माइक खोलो।

माननीय अध्यक्षः माफी मांगिये पहले। पहले माफी मांगिये। कोई माइक नहीं खुलेगा। पहले आप बोलिये। आपने तमाशा बना रखा है। बैठ जाइये नीचे।

श्री विजेंद्र गुप्ताः जो आप कह रहे हो मैं बात करता हूँ ना।

माननीय अध्यक्षः नहीं माइक नहीं खुलेगा, बंद कर दीजिए माइक। कोई माइक नहीं खुलेगा आपका। आप एक बार बोल चुके। आप इस विषय पर, मैंने कहा है कि आप सदन से माफी मांगिये। आप बोलिये ना मैं माफी मांगता हूँ। बोलिए माफी मांगता हूँ। नहीं बैठ जाइये, बैठ जाइये मैं नहीं सुनूंगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अजय महावर जी। इसी विषय पर लॉ एण्ड ऑर्डर पर रहेंगे बस। हाँ, अजय महावर जी।

...व्यवधान...

श्री अजय कुमार महावरः आदरणीय, मुझे बोलने दीजिए ना। आदरणीय अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः आप बोलिये ना, फटाफट बोलिये।

श्री अजय कुमार महावरः आदरणीय अध्यक्ष जी आज लॉ एण्ड ऑर्डर पर आम आदमी पार्टी, छाज बोले तो बोले छलनी क्या बोले। आज हालत ये है कि सुबह टीवी खोला तो पंजाब के उपमुख्यमंत्री रहे सुखवीर बादल पर गोलियों से अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में हमला होता है। इस सरकार को शर्म नहीं आती। अंशु प्रकाश चीफ सेकेट्री को दिल्ली के मुख्यमंत्री के निवास पर पीटा जाता है। स्वाती मालीवाल उनकी राज्य सभा सांसद को पीटा जाता है सीएम के हाउस में। इस सरकार को शर्म नहीं आती। जो सरकार अभी दुर्गेश पाठक।

माननीय अध्यक्षः सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थिगित की जाती है।

(सचिव, दिल्ली विधान सभा ने सदन को सूचित किया कि कोरम के अभाव में माननीय अध्यक्ष महोदय ने सदन को अपराह्न 1.45 बजे तक स्थगित कर दिया है।)

सदन अपराह्न 1.54 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान माननीय सौरभ भारद्वाज जी चर्चा का उत्तर देंगे।

श्री अजय कुमार महावरः अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने..

माननीय अध्यक्षः अब हो गया, अब मैं, प्लीज।

श्री अजय कुमार महावरः अध्यक्ष जी, मुझे कहां बोलने का मौका दिया आपने। आपने मुझे, चेयर से बोला आपने।

माननीय अध्यक्षः बोलिए, बोलिए।

श्री अजय कुमार महावरः आदरणीय अध्यक्ष जी, आज जो चर्चा सदन में हो रही है क्राइम पर, सबसे पहले तो हमारे दुर्गेश पाठक जी ने जब ये एक बात कही कि एक पीड़ा व्यक्त की अपने विधान सभा की, कुछ दुखद घटना हुई। दुखद घटना के प्रति तो हमारी संवदेना है पर अच्छा होता कि दुर्गेश पाठक जी भी अगर वो तीन लोगों की मौत के बारे में भी बात करते जो दुखद घटना बेसमेंट में डूबकर लापरवाही के कारण हुई। प्रमिला टोकस जी आपने भी कहा था सुबह–सुबह टीवी खोला तो बड़ी दुखभरी घटना आ रही थी क्राइम की, मैंने आज जब टीवी खोला तो सुबह–सुबह पंजाब की घटना आ रही थी, डिप्टी सी.

एम. सुखबीर बादल पर गोली से हमला, वो भी स्वर्ण मंदिर में। जबकि वहां पर..

...व्यवधान...

श्री अजय कुमार महावरः ये क्राइम, ये लॉ एंड ऑर्डर का विषय है। तो जहां पर आपकी पार्टी की सरकार है वहां तो क्या कर पा रहे हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप दिल्ली विधान सभा में पंजाब विधान सभा की चर्चा करेंगे।

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः लॉ एंड ऑर्डर पर है ये।

माननीय अध्यक्षः नहीं, पंजाब विधान सभा की चर्चा..

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः लॉ एंड ऑर्डर पर बोल रहा हूं। अध्यक्ष जी, लॉ एंड ऑर्डर पर।

...व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः अजय महावर जी,..

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः जब दिल्ली सरकार पहली बार बनी 2013 में,

...व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः अजय महावर जी, आप समझदार व्यक्ति हैं, विजेन्द्र गुप्ता जी बोलते तो मैं समझता भी।

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः 2013 में..

...व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बोलने दो, बोलने दो।

...व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः दिल्ली की जनता देख रही है।

श्री अजय कुमार महावरः जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, पहली घटना क्या घटी, चीफ सेक्रेटरी- अंशु प्रकाश को सी.एम. के घर में मारा गया, क्या ये लॉ एंड ऑर्डर नहीं है।

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः राज्य सभा की मेम्बर-स्वाती मालिवाल को पीटा गया, क्या ये लॉ एंड ऑर्डर नहीं है, ये आम आदमी पार्टी और केजरीवाल की सरकार का फेस बताता है कि वो कितने संवेदनशील हैं इस प्रकार के। अब देखिए अभी एक विधायक का एक्सटॉर्शन मनी का केस आ रहा है, गैंगस्टर्स के साथ संबंध आ रहे है। बिजनेस मैन और बिल्डर्स के साथ मिलीभगत करके धमकाया जा रहा है बिजनेस मैन को, ये चरित्र है एक आम आदमी पार्टी सरकार के विधायक का। अभी एक माननीय सम्मानित सदस्य यहां के, कोर्ट ने उनको दो साल की सजा सुनाई है तो क्या कोर्ट भी न्याय नहीं कर रहा, आप उस पर भी सवाल उठाना चाहते हो।

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः कोर्ट ने उनको सजा दी है दो साल की..

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः और आप उसको भी मानने के लिए तैयार नहीं है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की चिंता इस सदन में हुई है, अच्छी बात है पर जब ये सरकार गली-मौहल्ले में, रिहायशी इलाकों में दारू के ठेके खोल रही थी तब उन महिलाओं के बारे में नहीं सोचा गया, तब नहीं सोचा गया।

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः लॉ एंड ऑर्डर को आप लोगों ने इतना खराब किया है। और आप अभी आंकड़े की बात कर रहे थे। मैं देख रहा था अभी आंकड़े, जिसके साथ आपने गलबहियां की, मोहब्बतें इजहार किया, आपने गठबंधन करके अभी लड़ाई लड़ी, उनके शासन में और हमारे शासन का फर्क मैं आपको अभी बता देता हूं। देखिए रॉबरी, मनमोहन सिंह की सरकार में दिल्ली में 6,464 रॉबरी के केस थे, अभी इस दस साल में 1808 हैं। बर्गलरी10,309 केस थे मनमोहन सिंह के दस साल के शासन में दिल्ली में, अभी 6189 हुए इस दस साल में। मर्डर 586 थे, 509 हुए। ईव टिजिंग.

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः क्यों सुनोगे, माद्दा नहीं सुनने का, हिम्मत नहीं सुनने की। ईव टिजिंग महिलाओं के साथ संवेदनशीलता की बात करते हो आप, ईव टिजिंग1 361 केस थे मनमोहन सिंह के सामने दिल्ली में दस साल में, जो दस साल में 403 केस आए हैं molestation of woman 4,322 थे, जो 2509 हुए हैं और डकैती 82 थी जो 14 हैं। आप सिर्फ गुमराह इसलिए करना चाहते हो,

...व्यवधान....

श्री अजय कुमार महावरः कोई शब्द गलत हो गया होगा। आप सिर्फ दिल्ली की जनता को, अभी कह रहे थे क्राइम कैपिटल, अरे गुगल में सर्च मारो कि दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या क्या है, दिल्ली

सबसे खराब राजधानी क्यूं है दुनिया में तो प्रदूषण लिख हुआ आता है उस पर, गुगल पर सर्च मारो। आप पानी से, सीवर से, प्रदूषण से साफ यमुना न कर पाने के कारण, शिक्षा पर चर्चा न कर पाने के कारण सिर्फ दिल्ली की जनता का ध्यान भटकाना चाहते हो। जो-जो विभाग आपके पास हैं..

(समय की घंटी)

माननीय अध्यक्षः महावर जी, अब हो गया।

श्री अजय कुमार महावरः उन विभागों में आप नाकाम रहे हैं और इससे ध्यान भटकाने के लिए आप इधर-उधर की बात कर रहे हैं। लॉ एंड ऑर्डर के लिए हमेशा हमने कहा है और अच्छा होना चाहिए और हम सुधार करेंगे और अच्छी बात होनी चाहिए, मिलजुलकर हम काम करेंगे। लेकिन जिस प्रकार से..

माननीय अध्यक्षः महावर जी, कंक्लूड करिए अब। महावर जी, कंक्लूड करिए।

श्री अजय कुमार महावरः जिस प्रकार से आप लगातार अपने विषयों से भाग रहे हैं, अच्छा होता कि लॉ एंड ऑर्डर का भी होता चर्चा मुझे मनाही नहीं थी लेकिन प्रदूषण पर भी चर्चा करते न खुलकर, पानी-सीवर पर भी करते न, यमुना जी पर करते न, लेकिन आप अपनी समस्याओं को, अपनी जिम्मेदारी से भागने का काम कर रहे हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान सौरभ भारद्वाज जी, माननीय मंत्री जी।

माननीय मंत्री (श्री सौरभ भारद्वाज): अध्यक्ष जी, आज दिल्ली के अंदर कानून व्यवस्था की क्या हालत है इसके लिए किसी आंकड़े की जरूरत नहीं है। आज दिल्ली के अंदर हर तबका दहशत में जी रहा है। पिछले तीन दिनों से अरविंद केजरीवाल जी और संजय सिंह जी के साथ मैं तीन अलग–अलग जगहों पर गया जहां पर इस तरीके की निर्मम हत्याएं हुई। पहली जगह पंचशील पार्क, पंचशील क्लब के ठीक सामने, मैं समझता हूं कि दिल्ली का सबसे पॉश इलाका जिसके अंदर कई बड़े जजिज, ब्यूरोक्रेटस, जर्नलिस्ट, बड़े–बड़े लोग रहते हैं। उस घर में एक 64 साल का रिटायर्ड आदमी अपनी रिटायर्ड जिंदगी जीते थे, पंचशील क्लब जाते थे वहां पर, रोज का उनका था, Saturday- Sunday पंचशील क्लब जाएंगे, लोगों के साथ बातचीत करेंगे और घर 11.00–11.30 के करीब लौटकर आएंगे। बहुत अच्छा परिवार, पढ़ा लिखा परिवार, संभ्रांत परिवार। सुबह जब उनका बेटा उठा कि बार–बार घंटी बज रही है पापा खोल नहीं रहें तो उन्होंने नौकर के लिए दरवाजा खोला और जब वो देखने गए कि पिता क्यूं नहीं खोल रहें तो अध्यक्ष जी उस 64 साल के आदमी को 27 जगह चाकू मारे गए थे, 27 जगह और उसका गला चाकू से काटकर अलग कर रखा था। मतलब वो लोग इतने शॉक में थे कि हत्या के 3 दिन बाद, उनके पास, पूरी कोठी उनकी है, फर्स्ट फ्लोर, ग्राउंड फ्लोर, थर्ड फ्लोर तक, वो कह रहे हैं कि हम सब लोग इतने डर गए हैं कि अब पूरा का पूरा परिवार सिर्फ थर्ड फ्लोर पर रह रहा है क्योंकि कोई दूसरे फ्लोर पर जाना नहीं चाह

रहा। उनके वचन थे कि अपने थर्ड फ्लोर में हम सब लोग रह रहे हैं, उनके एक भाई जापान रहते थे वो भी आ गए थे, एक बहन यूएस रहती थी वो भी आ गई थी, इतने सारे लोग थर्ड फ्लोर पर रह रहे हैं। उसके बावजूद अगर किसी को वॉशरूम भी जाना है अध्यक्ष जी तो वो अपने साथ एक परिवार के मेम्बर को वॉशरूम तक लेके जाता है कि वॉशरूम के बाहर एक मेम्बर खड़ा होता है, इतनी दहशत है। वो इस चीज को, मतलब यकीन नहीं कर पा रहे कि एक आदमी, उनका बेटा बार-बार ये कह रहा था कि the safest place in the world is home कहता है कि हमको हमेशा से लगता था कि हमारा घर सबसे सेफ जगह है हमारे लिए। पंचशील में है, कभी यहां इस तरह से सुना नहीं। अपने सेफेस्ट जोन के अंदर मेरे पिता सो रहे हैं और सुबह देखा तो उनकी इस तरीके से एक निर्मम हत्या हुई ये बड़ी बात है।

परसों एक और जगह गए हम, वो.. नारायणा गांव में गए, दुर्गेश पाठक जी का क्षेत्र है। इतना भयावह और इतना दुखद वो पूरा का पूरा लग रहा था। अध्यक्ष जी, 24 से 30 साल की दो लेडिस सामने बैठी हुई हैं, 25-26 की होंगी वो दोनों, दो विधवाएं सामने बैठी हैं, उनके यहां कोई रस्म होती है शायद पूरे मुंह पर सिंदूर लगाया जाता है और फिर उस, तो पूरे मुंह पर उसके सिंदूर वगैरह लगा हुआ था और बड़ा डिस्टर्बिंग था। तो एक विधवा कह रही है कि 6 महीने पहले तो मेरे पति को मारा उन लोगों ने और जब मारा तो ये धमकी दी कि अब तेरे दूसरे लड़के को भी मारेंगे और 6 महीने बाद उसी परिवार के दूसरे लड़के को उसी जगह, उसी शाम को जो नारायणा गांव में आने का

रास्ता है वहां पर उसकी चाकू मार-मारकर हत्या कर दी और कहकर हत्या की अध्यक्ष जी। दुर्गेश जी ने बताया ही था वो लड़के अपने-आपको लिखते हैं किंग्स ऑफ नारायणा, चाकू, हथियार दिखाते हुए खूब वो अपनी सोशल मीडिया पर रील डालते है। ये उनका जो सास-ससुर हैं, ससुर जो है, एक सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है ससुर। अब वो एक सिक्योरिटी गार्ड कह रहा है कि अब मेरे पास एक तो मेरी पत्नी और दो विधवा बहुएं और चार पोते-पोतियां हैं क्योंकि दोनों लड़के जो गुजरे उन दोनों के दो-दो बच्चे हैं। अब उस परिवार का क्या होगा क्योंकि हम जब अध्यक्ष जी जब खबर अखबार में पढ़ते है तो अच्छा एक मर्डर हो गया, अच्छा दो मर्डर हो गए, वो खबर आपको इतना डिस्टर्ब नहीं करती मगर जब आप जाकर उस फैमिली से मिलते है तो आपको पता चलता है ये तो पूरा खानदान खत्म हो गया। मतलब कि उसकी मां रो रही है कि मेरे दो लड़के थे, दोनों लड़के मर्डर कर दिए गए, दो विधवा बहुएं और चार छोटे-छोटे, चार साल, तीन साल, छः साल के पोते-पोतियां हैं वो कौन पालेगा उन्हें और वो ससुर भी जो मुझे बहुत कमजोर लग रहे थे, बीमार ही दिख रहे थे, वो कहते है मैं बस एक सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता हूं। ससुर ने बताया कि हमें जब धमकी दी गई कि तेरे दूसरे लड़के को भी मारेंगे तो हम पुलिस में गए, पुलिस वालों ने उनकी एप्लीकेशन नहीं ली अध्यक्ष जी, वो कह रहे है कि हमारे पास जगह नहीं है थाने में कि तुम्हारी एप्लीकेशन ले, कितनी एप्लीकेशन लेंगे। इन्होंने बोला हमारे को प्रोटेक्शन चाहिए, कोई प्रोटेक्शन नहीं दी गई। तो ये देश की राजधानी के अंदर ये इस तरीके का माहौल पहले नहीं देखा था।

कल अध्यक्ष जी कल हम शालीमार बाग में गए। शालीमार बाग के अंदर भी दो लड़के अपने ही जे.जे. कैलस्टर के बाहर एक जागरण हो रहा था, जागरण से लौट रहे थे, लौट रहे थे तो उनके ऊपर 6-7 लड़कों ने हमला कर दिया, चाकू चलाए, एक लड़का भागने में कामयाब हो गया, दूसरा उनके हाथ लग गया, उसको इतने चाकू मारे अध्यक्ष जी। पुलिस को कॉल की गई, पुलिस आ गई और उनके बयान है जो वो लड़का उनके साथ था और जो उसकी बहन थी कि डेढ़ घंटे तक उसका खून बहता रहा, पुलिस उसे अस्पताल नहीं ले गई। पहले पुलिस ने उसको एक गाड़ी में डाला, फिर उस गाड़ी से उतार दिया, फिर दूसरी गाड़ी में डाला, फिर उस गाड़ी से उतार दिया, डेढ़ घंटे तक उस बच्चे का, मुझे लग रहा है वो भी 22-24 साल का लड़का था, उसका खून बहता रहा अध्यक्ष जी, पुलिस ने नहीं किया और जो दूसरा लड़का था उसने जो बात कही वो तो सुन के हम हैरान हो गए, वो कह रहा था कि पुलिस ने जब उसको पॉलीथीन में बंद किया ये कहकर कि ये मर गया तब भी उसकी सांस चल रही थी वो ये कह रहा है। आप सोचिए अध्यक्ष जी जो दूसरा घायल व्यक्ति है वो ये कह रहा है कि डेढ़ घंटे तक तो पुलिस ले नहीं गई और जब बाद में पुलिस ने उसको मृत कह दिया और उसको पॉलीथीन में बंद कर रहे है उसकी बॉडी को तब उसकी सांस चल रही थी, पुलिस ने जिंदा को पॉलीथीन में बंद कर दिया, ये उसने कहा अरविंद केजरीवाल जी को, मुझे और संजय सिंह जी को। आप सोचिए एक परिवार के अंदर हत्या हो जाए कम से कम 20 पड़ोसी तो बैठते हैं घर पर, झुग्गी-झोपड़ी की जगह

है, एक औरत बैठी हुई थी उनके घर मातम करने और उसने क्या कहा अध्यक्ष जी, उसने बोला कि पुलिसवालों से और उन गुंडों से इतना डर है कि इनके यहां जो शोक करने आएगा उसको भी वो मार देंगे। तो वो औरत कह रही है मैं ही आती हूं इनके घर रोज शोक करने और कोई नहीं आता, किसी के अंदर इतनी हिम्मत नहीं है कि वो इनकी झुग्गी के अंदर आकर इनसे शोक भी व्यक्त कर दे, इतनी दहशत है उस इलाके में, और सुनिए अध्यक्ष जी, जब उस लड़के की हत्या कर दी तो वो हत्यारा इनकी झुग्गी में आया और इनकी मां के पेट पर चाकू लगाकर बोलकर गया है कि अगर किसी ने गवाही दी तो सबको खत्म कर देंगे, आप सोचिए कितनी हिम्मत है। आपने एक लड़के का मर्डर कर दिया, एक लड़का घायल है, जो आरोपी है वो चाकू लेकर आपकी झुग्गी में आया है अगले दिन और चाकू लगाकर बोलकर गया है कि हिम्मत है, अगर किसी ने मजाल की, गवाही दी तो उसको भी खत्म कर देंगे। ये, ये क्या दिल्ली है, अध्यक्ष जी, ऐसी खबरें तो हमने बिहार और ऐसी जगहों की भी कभी नहीं सुनी जब कहा जाता था कि बिहार के अंदर जंगलराज है तब भी इस तरीके की खबरें नहीं सुनी जो खबरें आज आ रही हैं।

और ये कहना, मैं सुन रहा था दो-तीन दिन पहले कि कानून व्यवस्था कोई मुद्दा नहीं है, भई कानून व्यवस्था मुद्दा नहीं है तो फिर तो कोई, कुछ भी मुद्दा नहीं है इस दिल्ली के अंदर। आज दिल्ली का व्यापारी अध्यक्ष जी इतना डरा हुआ है, मैं बड़े व्यापारियों की बात नहीं कर रहा अध्यक्ष जी छोटे व्यापारी, हलवाई की दुकान चलाने वाले

व्यापारी हैं, बिल्डिंग मैटेरियल का काम करने वाले व्यापारी हैं, प्रॉपर्टी डिलिंग का काम करने वाले लोग, होटल चलाने वाले, छोटे-छोटे होटल, रंगपुरी और महिपालपुर के अंदर जो 10-10 कमरों के होटल चलाते हैं वो लोग, उनके पास फिरौती की कॉलें आना बिल्कुल आम है अध्यक्ष जी, एक करोड़ दे दो नहीं तो उड़ा देंगे, पांच करोड़ दे दो नहीं तो उड़ा देंगे, दस करोड़ दे दो नहीं तो उड़ा देंगे, ये आम है। और अगर वो आदमी दे देता है वो पैसा,.. वो दे रहा है, ऐसे हजारों व्यापारी होंगे दिल्ली के अंदर जो ये पैसा दे रहे हैं और जो लोग पुलिस को बताने की हिम्मत करते हैं, एक तो पुलिस उन्हें धमकी मिलने के बाद भी प्रोटेक्शन नहीं देती और जैसे ही गैंगस्टर्स को पता चलता है कि इन्होंने पुलिस में कम्प्लेंट दे दी है उनके यहां गुंडे-बदमाश भेजकर 20-20 राउंड फायरिंग कराई जा रही है अध्यक्ष जी। चौबीस घंटे के अंदर दिल्ली के अंदर 3 जगह फायरिंग हुई, महिपालपुर के अंदर एक होटेलियर है उनको 5 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग थी, उन्होंने नहीं दिया उनके होटल पर फायरिंग हुई। नारायणा के अंदर एक सेकंड-हैंड कार डीलर था उससे 5 करोड़ रुपये की मांग थी, उसने नहीं दी उसके शोरूम में घुसकर 22 राउंड फायरिंग की गई। नांगलोई के अंदर रोशन हलवाई है, उनसे पैसे की मांग की गई, उन्होंने नहीं दिया, साढ़े आठ बजे दुकान खुली, नौ-सवा नौ आकर उनकी दुकान पर फायरिंग हो गई। अब कहा जा रहा है कि जी वो पकड़े गए जो फायरिंग कर रहे हैं। अध्यक्ष जी, ये बड़ा क्लियर मोडस ओपेरांडी है, कई बार अखबारों के अंदर छप चुका है कि जो लड़के फायरिंग कर रहे हैं वो तो मात्र

20-25 हजार रुपये के लिए फायरिंग कर रहे हैं, उनको तो 20-25 हजार रुपये दिए जाते है और बोला जाता है कि इस जगह जाओ, फायरिंग करो बात खत्म, उनको पता है उन लड़कों को कि उनको पकड़े जाना है, इसमें कोई बड़ी चीज नहीं है। उन गैंगस्टर्स को भी पता है, उन लड़कों को भी पता है कि हमें पुलिस पकड़ लेगी, दो-एक महीने में हम छूट जाएंगे। मगर वो गैंगस्टर्स जो ये करवा रहे हैं उनमें से कितने गैंगस्टर्स पकड़े गए वो केंद्र सरकार बताने में जो है नाकाम है क्योंकि कोई नहीं पकड़ा गया, उस लेवल पर कुछ नहीं किया जा रहा। अगर दिल्ली की जनरली बात कर ली जाए, मेरे साथ बहुत सारे विधायक बैठे हुए हैं, सारे विधायक बतायेंगे कि ये जब अपने एरिया में जाते हैं तो लोग कहते हैं कि जी फलां पार्क के अंदर ड्रग्स बिकती है पुलिस कुछ नहीं करती, फलां जगह लोग आकर गुंडागर्दी करते हैं कुछ नहीं करती, फलां जगह जो है चाकू-छुरी वाले लोग बैठते हैं लोगों का आना-जाना मुश्किल है, उस गली से अगर आप निकलोगे तो आप लूट लिए जाओगे चाकू की नोक पर, पुलिस कुछ नहीं करती। कहने का मतलब अध्यक्ष जी ये है यहां पर कोई एकाउंटेबिलिटी नहीं है, कोई जवाबदेही नहीं बची केंद्र सरकार की। मेरा मानना ये है कल परसो मैं इंटरव्यू देख रहा था विजेन्द्र गुप्ता जी किसी टीवी डिबेट पे बैठे हुए थे। आज तक पे बैठे हुए थे कुलदीप साथ थे और इन्होंने क्या कहा कि क्राइम तो कोई मुद्दा ही नहीं है और आज भी इस सदन के अंदर उन्होंने ये ही बोला। लॉ एण्ड ऑर्डर इस सदन का मुद्दा नहीं है। तो भारतीय जनता पार्टी की समस्या ये है कि ये इस मुद्दे को एकनॉलेज भी नहीं करना चाहते हैं। क्या जहां-जहां हत्यायें हुईं वहां देश के गृह

मंत्री को नहीं जाना चाहिए था। वो क्यो नहीं गए मेरा सवाल है? भई आप सारी जगह घूम रहे हैं इलैक्शन के लिए, आपकी जिम्मेदारी है लॉ एण्ड ऑर्डर। नारायणा गांव में जहां 2 भाइयों की हत्या कर दी गई वहां पे जिम्मेदारी है गृहमंत्री जी की वो क्यों नहीं गए मेरा भारतीय जनता पार्टी से सवाल है? शालीमार बाग में मर्डर हुआ वहां आप नहीं गए। इतने सारे लोगों के यहां गोलियां चल रही हैं वहां Home Minister नहीं गए। मंगोलपुरी के अंदर कल हत्या हुई वहां नहीं गए। आज देवली के अंदर तीन लोगों का ट्रिपल मर्डर हुआ, होम मिनिस्टर नहीं गए। क्यों नहीं जा रहे, भारतीय जनता पार्टी के सांसद क्यों नहीं जा रहे हैं वहां पे? भई जिम्मेदारी तो उनकी है। इनको जाना चाहिए। इनके एलजी क्यों नहीं जा रहे, बाकि सब जगह तो जाते हैं वो। इनको वहां जाना चाहिए और अब जो दिल्ली की मांग है वो ये है कि दिल्ली के लोगों ने दो जिम्मेदारियां दो-दो अलग सरकारों को दीं। अरविन्द केजरीवाल जी को जिम्मेदारी दी शिक्षा की, स्वास्थ्य की, पानी की, बिजली की और भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार को जिम्मेदारी दी लॉ एण्ड ऑर्डर की, सुरक्षा की। आज ये दिल्ली के अंदर कहा जा सकता है कि जो लॉ एण्ड ऑर्डर का मामला है उसमें पूरी तरीके से भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार फेल रही है। पूरी तरीके से फेल रही है। अब किस मुँह से ये दिल्ली वालों के पास जाके ये कह सकते हैं कि भई हमने लॉ एण्ड ऑर्डर तो फेल कर दिया बाकि दिल्ली भी दे दो वो भी फेल कर देंगे। ये एक बड़ा सवाल है और एक बड़ी विफलता है और मैं चाहूंगा अध्यक्ष जी कि इस हाउस से एक बड़ा संदेश जाये देश के

केंद्रीय गृह मंत्री को, देश के प्रधानमंत्री को कि लॉ एण्ड ऑर्डर के अंदर जो हालत आज दिल्ली की है, दिल्ली आज क्राइम कैपिटल है देश की। सब लोग आज ये कह रहे हैं दिल्ली गैंगस्टर्स की राजधानी बन गई है और क्राइम कैपिटल बन गई है। मैं आपसे सिर्फ ये ही निवेदन करूंगा कि ये संदेश इस हाउस से जाना चाहिए। धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः बहुत-बहुत धन्यवाद। अगले विषय पर चर्चा हम करने से पहले मैं सदन को एक जानकारी देना चाहता हूँ। आज मुझे इस सदन में घोषणा करते हुए गर्व और प्रसन्नता हो रही है कि विधायक श्री अजय दत्त जी ने एक एतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वे दिल्ली के पहले एक ऐसे विधायक हैं जिन्होंने विधायक रहते हुए अपने डॉक्ट्रेट की डिग्री पूरी की है और डॉक्टर की उपाधि प्राप्त की है। मैं अपने और पूरे सदन की और से डॉक्टर अजय दत्त जी को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की हार्दिक बधाई और शुभ कामनायें देता हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि वे शिक्षा और विश्वशांति के क्षेत्र में अपने योगदान से हमारे देश और समाज का नाम रोशन करते रहेंगे। बहुत-बहुत बधाई। Short Duration Discussion (Rule-55) to initiate discussion on the…

...व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः नहीं बिल्कुल नहीं प्लीज। to initiate discussion on the increasing sale and consumption of drugs in Delhi इसकी चर्चा हम आरम्भ करेंगे। श्री रोहित कुमार जी।

अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)

श्री रोहित कुमारः धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी जो आपने मुझे इतने गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर अपनी चर्चा शुरू करने का अवसर दिया है। माननीय अध्यक्ष जी सुबह से हम लोग देख रहे हैं कि दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर बहुत गंभीर चर्चा सदन में चल रही है। सभी माननीय सदस्यों ने दिल्ली के सूरत-ए-हाल यहां पर बयां किये हैं कि किस प्रकार से दिल्ली धीरे-धीरे क्राइम कैपिटल बनती जा रही है या बन चुकी है। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार गृह मंत्री अमित शाह के आधीन दिल्ली पुलिस आती है। दिल्ली के उप राज्यपाल के आधीन आती है। आज उनकी सीधे-सीधे ही जवाबदेही बनती है दिल्ली की जनता के प्रति कि जनता ने देश की जनता ने उन्हें भी चुना है। लेकिन बड़ा ही दुखद है कि कई बार इस बात को बोला गया है कि हमारे नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता जी लाइव डिवेट के दौरान कहते हैं कि दिल्ली की कानून व्यवस्था कोई मुद्दा नहीं है। काफी देर से इसपे चर्चा भी चल रही थी और कल इससे पहले कि मैं विषय पे चर्चा करूं इसपे मैं जरूर रखना चाहूंगा कि कल मेरे पड़ोस में भी एक नौजवान को चाकूओं से गोद डाला गया। उस लड़के को देखने के लिए मैं अस्पताल में एलबीएस में पहुंचा जहां वह खून से लतपत पड़ा हुआ था तड़प रहा था। फिर मौका-ए-बारदात पे भी मैं पहुंचा जहां पुलिस भी पहुंची हुई थी। पुलिस वालों से बात की तो कुल मिलाकर जो क्राइम दिल्ली में हो रहा है इसके पीछे कहीं-ना-कहीं मुझे लगता है

नशा बहुत बड़ा कारण है। ये नशा और अपराध ये एक ही सिक्के के दो पहलु हैं अध्यक्ष जी इनको अलग-अलग देखकर हम कहीं ना कहीं गलती करते हैं। जितने भी अपराध होते हैं उनमें 90 प्रतिशत अपराध नशे करने के बाद लोग करते हैं और आज नशे का आलम ये है कि ये जो मेरे पड़ोस का कल मैंने आपको जिक्र किया मामला जो यहां पर हुआ,ये भी नशा करने के बाद उन अपराधियों ने नौजवान के चाकू मारे थे और जितने भी ये नशा बिक रहा है खुला नशे का कारोबार चल रहा है बहुत ही दुखद है कि जो हमारे सुरक्षा के पहरी हैं। जो हमारे दिल्ली पुलिस वाले जो अधिकारी हैं बीट ऑफिसर हैं या कई जगह पे अगर देखा जाए तो पुलिस के बड़े अधिकारी भी एसएचओ तक शामिल हैं कई जगह पर और आप चौंक जायेंगे जो मैं बात आपको बताऊंगा। त्रिलोकपुरी के अंदर बहुत सारे हमारे मैं एक रिसैटलमेंट कॉलोनी में ही रहता हूँ। त्रिलोकपुरी विधान सभा का प्रतिनिधित्व करता हूँ। त्रिलोकपुरी 9 ब्लॉक में 18 ब्लॉक में, 20 ब्लॉक में, 32 ब्लॉक में 24 घण्टे आपको नशा मिल जायेगा। चरस, गांजा, अफीम धड़ल्ले से बिकती है। शराब की तो समझ लीजिए कि आप जब मर्जी चले जाइये आपको खुली शराब मिल जायेगी अवैध रूप से और जितने लड़ाई-झगड़े त्रिलोकपुरी में चाकूबाजी की घटनायें हो रही हैं। गैंग्स अलग-अलग गैंग बने हुए हैं। खुलेआम वह लोग इनमें भी लिप्त हैं। अध्यक्ष जी एक वाक्य आपको बताना चाहूंगा उससे पुलिस की कार्यशैली आपको पता लग जायेगी कि कितनी गंभीर है दिल्ली पुलिस और किस तरह से संरक्षण उन्होंने दे रखा है। ये भी खुलासा होगा। ब्लॉक नं0 32 के अंदर दुनिया का ऐसा

कौन-सा नशा है जो नहीं बिकता है। अभी पिछले दो साल पहले की बात है मेरे एक कार्यकर्ता ने मुझे आकर बताया कि विधायक जी हमारे ब्लॉक के अंदर इतना नशा बिकता है बाहर-बाहर से लोग आते हैं। अपराधी लोग आते हैं। गली-पड़ोस में बहन-बेटियों का निकलना मुश्किल हो गया है और पुलिस को हमने कई बार शिकायत की है पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही। गली वालों ने रिटन में शिकायत की है पुलिस कार्यवाही नहीं कर रही है। मैंने उसको सुझाव दिया कि भाई एक काम करो वीडियो बनाओ और वीडियो बनाकर इसकी हम शिकायत करते हैं। बाकायदा वीडियो के साथ में जब पुलिस को शिकायत की गई तो पुलिस का रवैया देखिए किस तरीके से था कि पुलिस वाला पहुंचता है उस हमारे अपने कार्यकर्ता के पास और गली में खड़े होके बोलता है हाँ भई बाहर निकल। चल बता कहां-कहां नशा बिक रहा है हमारे साथ चल। अब आप बताइये कोई भी शरीफ आदमी पुलिस वाले के साथ जाकर उन अपराधियों के घर पे जाके खड़ा होगा कि ये बेक रहा है, ये बेक रहा है। आपको वीडियो दे दी गई है। एविडेंस दे दिया गया है। उसके बाद सीधे अपराधियों को पकड़ने की बजाए जो शिकायतकर्ता है उसके पास पुलिस पहुंचती है। ये तो तरीका है पुलिस का काम करने का तो यहां से पता लगता है कि जिस पुलिस की जिम्मेदारी है नशे के ऊपर लगाम लगाने की वह पुलिस खुद उनको संरक्षण दे रही है। पुलिसवालों को सब पता है कि कहां पे नशा बिक रहा है, कहां पर सट्टे चल रहे हैं लेकिन कोई भी उनको रोकने को तैयार नहीं है और जब विधायक शिकायत करता है एसएचओ को, एसीपी को,

डीसीपी को तो उसको बहुत हल्के में लिया जाता है। उनको पता है कि ये आम आदमी पार्टी की सरकार है, आम आदमी पार्टी के विधायक हैं और इनके चिल्लाने से इनके बोलने से कुछ होने वाला नहीं है। लेकिन जनता भी देख रही है, जनता सब देख रही है कि जो आज दिल्ली के अंदर क्राइम बढ़ रहा है उसका नशे में बहुत बड़ा हाथ है और ये नहीं माननीय अध्यक्ष जी न केवल नशे की वजह से क्या दिक्कतें आ रही हैं। हमारे नौजवान जो हमारे इस देश का भविष्य है आज वो अंधकार की ओर जा रहा है। छोटी-छोटी उमर के लड़के 12-12, 15-15 साल की उमर के बच्चे आज नशे के आदी हो रहे हैं। उनकी पूरी जवानी बर्बाद हो रही है और ये जवानी केवल दो-चार लड़कों की नहीं है हजारों-लाखों की संख्या में आप जितनी रिसैटलमेंट कालोनिज में चले जाइये, चाहे त्रिलोकपुरी की बात करें, चाहे जहांगीरपुरी की बात करें, मंगोलपुरी की, सुल्तानपुरी की बात करें। झुग्गी बस्तियों की बात करें। आज धड़ल्ले से नशा बिक रहा है। अभी परसों के पेपर में मैंने पढ़ा था कि एक नारियल पानी बेकने वाला आदमी आज नारियल पानी पीने जाते हैं आप लोग बीमार होते हैं मेरी तबियत भी ठीक नहीं है टाइफाइड हो रखा है। मैं रोज नारियल पानी पी रहा हूँ। अभी मेरे को भी लगने लगा है कि पता नहीं क्या नारियल पानी वाला ही तो कहीं वो कहीं नशे का कारोबार तो नहीं कर रहा। परसों के न्यूज पेपर पता चला कि पुलिस ने व्यक्ति को पकड़ा कि जो नशे का तस्करी कर रहा था किसकी आड़ में नारियल पानी की आड़ में। आज छोटे-छोटे जो बेंडर्स बैठे हुए हैं। उसमें पता नहीं कि कौन-कौन नशा

बेच रहा है। आज आम आदमी को नहीं पता, लेकिन खरीदने वालों को पता है और पुलिस को पता है। आज इतने नशे की खेप पकड़ी जा रही हैं ये बताता है कि आज कितनी खपत है दिल्ली के अंदर नशे की। एक तरफ एलजी साहब नाटक करते हैं। अभी कल की चर्चा थी कि जी हमने अभी अलग से इसके लिए ये प्रोग्राम बनाया है। पुलिस अधिकारियों की मीटिंग बुलायी है। अरे मीटिंग को तो बुला रहे हैं आप कभी थानों का दौरा भी करके आइये। पता लगे कि किस थाने में कितने पुलिस वाले कैसे तत्परता से काम कर रहे हैं। ये पता लगेगा आपको और जिस प्रकार से आज दिल्ली के अंदर शिक्षा व्यवस्था सुधरी है क्यों सुधरी है माननीय मनीष सिसोदिया जी सुबह 6 बजे निकलते थे स्कूलों का दौरा करने के लिए। आज मोहल्ला क्लीनिक शानदार हुए, अस्पताल शानदार हुए माननीय सतेन्द्र जैन जी यहां पर बैठे हुए हैं आज इसलिए शानदार अस्पताल बने। तो अगर एलजी साहब आप भी सुबह-सुबह उठकर अगर इन जितने भी थाने हैं इनका औचक निरीक्षण करते तो शायद अपराधों के ऊपर भी अंकुश लगता और ये नशे का जो कारोबार गोरख धंधा चल रहा है इसपे भी लगाम लगती। लेकिन आज बड़ी दुखद बात है कि पुलिस वाले जिनको सुरक्षा देने की जिम्मेदारी हमारी सरकार ने दी हैं और आज वो पुलिस वाले लेंटरों की उगाही में लगे हुए हैं। कोई भी गरीब आदमी अपने 25 गज का मकान बनाने की कोशिश करता है कर्जा-पानी लेकर। पुलिस वाले जल्दी से उसके यहां पहुंच जाते हैं। हम शिकायत करते हैं भईया तुम वहां तो पहुंच गए इनको भी देखो जो नशा बिक रहा है। कोई देखने वाला नहीं है। एक

और आपको मैं एग्जामपल बता दूं। मेरे पड़ोस से दो-गली पीछे से कुछ साथी मेरे पास में पड़ोसी आते हैं। वो कहते हैं भइया हमारे यहां पे एक आदमी ने जबरदस्तीएक झुग्गी डाल ली है और झुग्गी के अंदर उसने शराब बेचना शुरू कर दिया है। तो विधायक जी कुछ कीजिए। मेरे को मुझे मेरे दरबाजे पे खड़े होके माननीय अध्यक्ष जी मेरे पड़ोसी ये शिकायत मुझे बता रहे थे इसी दौरान वो बीट वाला मेरे घर के दरबाजे से निकला और बीट ऑफिसर को मैंने पूछा मैंने कहा भाई ऐसे-ऐसे शिकायत मिल रही है और ये पड़ोसी मेरे बता रहे हैं कि यहां पर नशा वगैरह बेकना शुरू हो गया है। एक आदमी शराब बेच रहा है उसको देखो जाकर। वो कहता है ठीक है सर मैं देखता हूँ। सर बड़ी चौकाने वाली बात है ध्यान दीजिएगा कि जैसे ही वे पुलिस वाला जाता है मेरे पड़ोसी मुझे कहते हैं भाई साहब आप किसको कह रहे हो ये तो आता है व्यक्ति ये ही बीट वाला तो जो उससे पैसे लेके जाता है रोज। ये तो अभी उससे पैसे लेने आया हुआ था। वहीं खड़ा हुआ था तो इससे पता लगता है कि पुलिस इससे इसमें मिली हुई है और मैं आज कहना चाहूंगा बड़ी जिम्मेदारी के साथ में भारतीय जनता पार्टी के साथियों से कि अगर आपके अंदर थोड़ी-सी भी गैरत बची है। थोड़ी-सी भी शर्म बची है तो आप बड़े बेशर्मी के साथ में बयानबाजी कर देते हैं यो हमारी ये कोई दिल्ली का मुद्दा नहीं है लॉ एण्ड ऑर्डर। क्या मुद्दा है फिर आप आप बता दीजिए ये लॉ एण्ड ऑर्डर मुद्दा नहीं है। जिंदा रहना बहुत जरूरी है। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य की बात हम करते हैं, लेकिन जब हम जिंदा ही नहीं रहेंगे हम जब जिंदा ही नहीं

बचेंगे तो ये सब चीजें किसके लिए करेंगे। तो आपके लिए भले ना मुद्दा हो, लेकिन आज एक-एक दिल्लीवासी के लिए सबसे बड़ा मुद्दा आज दिल्ली की कानून व्यवस्था है और जो नशे का अवैध कारोबार दिल्ली के अंदर चल रहा है, आज जितने अपराधी हैं बेधड़क घूम रहे हैं। आज उनको पूरा संरक्षण दिया जा रहा है भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के द्वारा। पूरा संरक्षण पुलिस के द्वारा दिया जा रहा है। ये आज उसके ऊपर लगाम लगाने की जरूरत है और दिल्ली की जनता देख रही है। देश की जनता देख रही है कि जिन लोगों को कानून व्यवस्था सौंपी गई थी आज किस तरह से दिल्ली की जनता की उम्मीदों का वो गला घोंट रहे हैं, किस प्रकार दिल्ली की जनता के साथ में कानून व्यवस्था के साथ में इन्होंने खिलवाड़ कर रहे हैं, एक घिनौना मजाक दिल्लीवासियों के साथ ये बना दिया है। तो मैं आखिर में ये ही दर्खास्त करूंगा इस सदन से कि दिल्ली के अंदर जो हमारे नौजवानों को नशे के अंदर धकेला जा रहा है, जो नशे के अवैध कारोबार चल रहे हैं इनके ऊपर तुरंत कार्यवाही होनी चाहिए और जो लोग इन धंधों के अंदर लिप्त हैं, जो लोग इनमें शामिल हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। ताकि आने वाले समय के अंदर एक नजीर बने। बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी आपने इतनी गंभीर चर्चा के लिए मुझे मौका दिया। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री महेन्द्र गोयल जी।

श्री महेंद्र गोयलः धन्यवाद अध्यक्ष जी जो आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया कि दिल्ली आज नशे की

गर्त के अंदर जा रही है। इसमें मैं शुरूआत करना चाहूंगा और विपक्ष के साथियों से भी कहना चाहूंगा कि जरा इस ओर ध्यान देना। कल तक थे जो नशा बेचने वाले वो आज कानून के रखवाले बने बैठे हैं। कल तक थे जो नशा बेचने वाले आज वो कानून के रखवाले बने बैठे हैं, और कुछ अंधभक्तों को तो ये लगता है कि अच्छे दिन आने वाले हैं। ये अंधभक्ति का ढोंग छोड़ दो। ये कहना छोड़ दो कि कानून व्यवस्था दिल्ली के हाथ में नहीं है। दिल्ली विधान सभा के अंदर ये क्वेश्चन उठ ही नहीं सकता कानून व्यवस्था के ऊपर। लेकिन यहां पर जिंदा व्यक्ति बैठे हैं। लोगों की आवाज को उठाने वाले बैठे हैं ना कि कोई मुर्दे आदमी बैठे हैं आप लोगों की तरह। आप पूरी की पूरी दिल्ली को नशे की गर्त के अंदर कर दिया है। आज गली-गली के अंदर मोहल्ले-मोहल्ले के अंदर आप कहीं पर भी देख लो नशा बिक रहा है और मैं मेरे साथियों से कहना चाहूंगा जो चाहे दूसरी पार्टी के हैं आप छाती पे हाथ रख के कह दो कि आपके क्षेत्र के अंदर नशा नहीं बिकता है। नहीं कह सकेंगे, क्योंकि नशा इनके यहां भी बिकता, नशा मेरे यहां भी बिकता है, नशा आपके यहां भी बिकता है और नशा सभी जगह के ऊपर बिकता है ये पूरी दिल्ली को पता है। क्या कानून के रखवालों को नहीं पता। अभी हुई बात आप लोगों ने अखबारों के माध्यम से पढ़ा होगा कि दो हजार करोड़ की कोकीन की एक खेप पकड़ी गई। कहां से आ गई। अरे दिल्ली के अंदर इतनी बड़ी मात्रा के अंदर दो हजार करोड़ रूपए की कोकीन आ रही है। दिल्ली के चारों तरफ में बीजेपी की सरकार के राज्य हैं। इधर से देख लोगे यूपी लगती

है। इधर से देख लोगे राजस्थान लगता है। इधर से दखे लोगे हरियाणा लगता है कहां से आये भई। ये आप ही लोग बेच रहे हो। आप ही लोग मंगवा रहे हो। मैं इनका षडयंत्र बता देता हूँ अध्यक्ष जी। ये पहले पूरे टाइम में बिकने देते हैं जब चुनाव का टाइम आता है तो एक बड़ी खेप को पकड़ लेते हैं। अभी जैसे अखबारों की सुर्खियां बनी थीं। देश के अंदर सबसे बड़ी मात्रा के अंदर कोकीन पकड़ी गई दिल्ली के अंदर। पहले भी पकड़ी गई है। मैं इस सदन के माध्यम से पूछना चाहूंगा आज तक जितने भी नशे की खेप आप लोगों ने पकड़ी है वो खेप बाद में कहां पे गई है, ये तो पता लगना चाहिए। वो सारी की सारी जितनी भी ऐसी खेपें पकड़ी जाती हैं यही लोग उनको बिकवाते हैं और इनके अकाउंट के अंदर पैसे जाते हैं और चुनाव के अंदर ये इतना खर्चा जो होता है न आज चारों तरफ में देख रहे हो। बीजेपी चारों तरफ किस प्रकार से रंगीन कर देती है चाहे दिल्ली की दीवारें हों, चाहे वो पोस्टरों से रंगी हों या किसी भी, ये पैसा कहां से आता है?ये पैसा आता है इसी नशे की दुनिया से। आजतक दिल्ली के अंदर ही नहीं पूरे भारत के अंदर किसी भी डिपार्टमेंट ने कोई भी नशे की कोई भी चीज पकड़ी है तो बिकने के बाद वो किस खाते के अंदर गई है, वो सारी की सारी जो गृह मंत्री के नीचे में आती है वो सारी की सारी बिक कर और जब डिस्ट्रॉय करनी होती है तो वो नकली कूड़े के ढ़ेर के रूप के अंदर वो कर दी जाती है और असली इनकी मार्किट के अंदर बिकती है, इन लोगों के घर में पैसा आता है। ये दिल्ली विधानसभा के अंदर आज क्वेश्चन उठा, बहुत संवेदनशील मुद्दा

है और इसके ऊपर बात तो पूरी की पूरी होनी चाहिए और पूरी की पूरी चर्चा होनी चाहिए। जितने भी सदन के अंदर विपक्ष के साथी बैठे हैं आज इनसे कसम खवाकर ये जरूर पूछना कि आपके यहां पर नशा बिकता है या नहीं बिकता। यदि नशा बिकता है तो वो कौन बिकवा रहा है वो यही लोग बिकवा रहे हैं, वही कानून के रखवाले बिकवा रहे हैं और मेरी तो बहुत अच्छे से बात होती है बैठकर बातचीत होती है मैं कहता हूं यहां पर ये नशा बिक रहा है और पुलिस डिपार्टमेंट के अफसर भी क्या कहते हैं गोयल साहब आपको सारा पता है हम लोगों के हाथ बंधे हुए हैं। नंबर एक तो पहले पैसे देकर अपनी ट्रांसफर करवाके लेके आते हैं फिर वो पैसे भी पूरे करने होते हैं और आप शरीफ आदमी हैं काहे को झंझट में पड़ते हो। लेकिन मैंने जब भी उन लकीरों को तोड़ने की कोशिश की जहां पर नशा बिकता था उन लोगों के यहां पर गया तो उल्टे एफआईआर मेरे ही ऊपर करवा दी, ये तो इन लोगों की करतूत है। ये मुद्दा इस सदन के अंदर उठा है मैं रोहित मेहरोलिया जी के इस प्रस्ताव कापूरा समर्थन करता हूं और मैं इस आवाज को भी उठाता हूं कि जो भी जिम्मेवार व्यक्ति इस चीज के अंदर है उन लोगों के खिलाफ क्योंकि फिर कह देंगे कानून तो आपके हाथ में है ही नहीं, लॉ एंड आर्डर आपके उसमें नहीं है, लैंड एंड बिल्डिंग आपके उसमें नहीं है। अरे भाई दिल्ली की जनता ने चुनकर भेजा है ये संवेदनशील सरकार है चाहे लोगों को पानी फ्री में देती है, बिजली फ्री में देती है, बसों को फ्री करती है, दवाइयां फ्री में दे रही है, तीर्थयात्रा फ्री में करवा रही है तो इस मुद्दे को भी उठाने का हक

इस सरकार का है ये मैं कहना चाहूंगा और मैं रोहित मेहरोलिया जी के प्रस्ताव का मैं समर्थन करता हूं जय हिन्द, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री जय भगवान जी।

श्री जय भगवानः माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी चूंकि लगातार दिल्ली के क्राइम को लेकर के बातें चल रही हैं क्योंकि दिल्ली में चारों तरफ क्राइम ही क्राइम हो रहा है और क्राइमों पर मेरे साथियों ने लगातार बात रखी है। अध्यक्ष महोदय क्योंकि क्राइम कई प्रकार का है और अभी हम जो बात कर रहे हैं वो नशे के क्राइम पर बात कर रहे हैं। जो नशा है बच्चों की नसों में इस तरीके से घुस गया है कि छोटे-छोटे जो बच्चे हैं वो नशे के आदी हो गये हैं। अध्यक्ष महोदय मैं सबसे पहले तो ये बताना चाहता हूं आपको कि नशा है कितने प्रकार का। आज दिल्ली के अंदर दारू, चरस, अफीम, सट्टा, गांजा, स्मैक, कोकीन और ये अपना ये बहुत ज्यादा हो गया है जैसे कफ सिरप है, इंजेक्शन है, सलोचन है और थिनर। अध्यक्ष महोदय, छोटे-छोटे जो बच्चे हैं, छोटे-छोटे बच्चे इतना नशा करते हैं, कोई इंजेक्शन लगाता है, कोई थिनर पीता है, कोई सिरप पीता है, कोई कफ सिरप पीता है दुनिया भर के नशे दिल्ली के अंदर बिक रहे हैं। मेरे साथियों ने बड़े विस्तार से बताया। दिल्ली पुलिस को सब पता है, अध्यक्ष महोदय दिल्ली पुलिस को सब पता है, हर डिपार्टमेंट को पता है लेकिन सब डिपार्टमेंटों का हफ्ता बंधा हुआ है अपना। वो तो नशे को खुद बिकवा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय इस नशे से हो क्या रहा है, नशे से हो रहा है अध्यक्ष

महोदय कि जो नये युवा हैं वो नशे के आदी हो गये हैं और परिवारों में क्लेश बढ़ गया है। उस मां-बाप से हमें पूछना चाहिए जिसने एक बच्चे को एक बेटे को पाल-पोसकर बड़ा किया था और वो जो बच्चा है और नशे का आदी हो गया जो उसके परिवार का सहारा है वही नशे का आदी हो गया, पूरा परिवार रास्ते से भटक गया, अध्यक्ष महोदय उनका कमाने-खाने वाला कोई नहीं है क्योंकि एक युवा था वो भी नशे का आदी हो गया और नशे में मर गया। तो आज हमें सोचने की जरूरत है कि आज हम अपनी युवा पीढ़ी को किस दिशा में लेकर जा रहे हैं। आज हमें अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाने की जरूरत है ये हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। सदन के अंदर बैठे हुए सभी जिम्मेदार लोगों की जिम्मेदारी है चाहे वो केन्द्र सरकार है हमारी चाहे वो हमारी राज्य सरकार है। अध्यक्ष महोदय सबकी जिम्मेदारी है लेकिन जो संस्थाएं नशे के लिए बना रखी हैं चाहे वो नारकोटिक्स डिपार्टमेंट है, चाहे वो सीबीआई है, चाहे वो दिल्ली पुलिस है ये कर क्या रहे हैं। इतनी मोटी-मोटी तनख्वाहें ये डिपार्टमेंट ले रहे हैं अध्यक्ष महोदय लेकिन कर कुछ नहीं रहे हैं। मैं बार-बार देख रहा हूं लगातार देख रहा हूं कि डिपार्टमेंट के लोग खुद मिलकर के बड़े-बड़े षडयंत्र रचके नशा करवा रहे हैं। दिल्ली पुलिस के अधिकारी उस नशे के अंदर मिले हुए हैं, शराबें बिकवा रहे हैं अध्यक्ष महोदय। मुझे बहुत शिकायतें मिलीं मैंने खुद शिकायत की। इस चीज को मैंने बारीकी से देखा है कि दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल एएसआई लेवल के अधिकारी और भी बड़े लेवल के अधिकारी होंगे नशे को बिकवा रहे हैं अध्यक्ष महोदय तो

आज इस नशे को रोकने की जरूरत है अध्यक्ष महोदय क्योंकि अभी मेरे दोस्त बात कर रहे थे, मैंने बताया भी था कि नशे के कारण, क्योंकि जैसे मैं बात करूं चाहे वो अनॉथराइज कालोनी है, चाहे वो रि-सेटलमेंट कालोनी है इनमें छोटा-छोटा नशा है और जहां पर पॉश एरिया है वहां पर अलग तरह का नशा है और इस नशे की वजह से अलग-अलग प्रकार के क्राइम होते हैं, अलग-अलग प्रकार की हत्याएं होती हैं क्योंकि ये जो नशा है हत्या भी कराता है, जैसे अभी बात भी कर रहे थे कि 20-20 रुपये में लोग हत्या कर देते हैं, 100-100 रुपये में लोग हत्या कर देते हैं, एक दारू की बोतल के लिए लोग हत्या कर देते हैं, एक नशे की गोली के लिए लोग हत्या कर देते हैं, एक इंजेक्शन के लिए लोग हत्या कर देते हैं। अध्यक्ष महोदय आज न समाज को ये देखने की जरूरत है क्योंकि जो सामाजिक आदमी है वो तो अंदर से एकदम सिस्का हुआ है परेशान है की ये हो क्या रहा है क्या इस समाज की कल्पना की थी क्या हमने। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने जब संविधान रचा था तो क्या इस देश के अंदर इस तरीके से नशा होगा इसकी कल्पना की थी क्या, नहीं अध्यक्ष महोदय उन्होंने सोचा था कि देश जो है वो आगे बढ़ेगा क्योंकि सदियों की गुलामी के बाद हमें आजादी मिली लेकिन हमारे अपने ही लोग हमें नशे की तरफ लेकर जा रहे हैं। आज दिल्ली पुलिस को देखना चाहिए, दिल्ली पुलिस को नशा रोकना चाहिए, सीबीआई को नशा रोकना चाहिए, नारकोटिक्स डिपार्टमेंट को नशा रोकना चाहिए लेकिन कोई रोकने को राजी नहीं है अध्यक्ष महोदय ये सोचने का विषय है। ये सोचने का

विषय है अध्यक्ष महोदय कि हमें नशे पर काबू करना चाहिए लेकिन नशा हम रोक नहीं पा रहे। अध्यक्ष महोदय मैं आपके सामने ये पेश करना चाहता हूं कि नशे से होता क्या-क्या है। अध्यक्ष महोदय, नशा करने से लोगों की उत्तेजना प्रदान करने वाले पदार्थ हैं नशा। कोकीन, निकोटीन और तंबाकू इनसे क्या होता है उच्च रक्तचाप होता है शरीर के अंदर हृदयघात होता है। लगातार नींद की जो समस्या है वो आती है नींद नहीं आती नशे वाले आदमी को और मनोदशा जो है उसमें तीव्र बदलाव आता है उसकी जो मनोदशा है वो चेंज हो जाती है, बार-बार एक ही कार्य को वो करता है अगर उसको कह दो की ये करना है तो बार-बार वो वही कार्य करेगा नशे वाला व्यक्ति, बार-बार एक ही कार्य को करता रहता है। भ्रांति, चिंता, अवसाद, चिड़चिड़ापन, शक्कीपन और दौरे पड़ना अध्यक्ष महोदय इस प्रकार की जो नशेड़ी व्यक्ति है उसको इस प्रकार की जो है उसकी मनोदशा हो जाती है। तो अध्यक्ष महोदय मैं कहना चाहता हूं कि आज जो समाज है इसके ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, दिल्ली पुलिस के ऊपर जिम्मेदारी है कि जो हमारा चाहे वो युवा है, चाहे वो हमारा कोई भी व्यक्ति है, चाहे वो छोटे-छोटे बच्चे हैं जो नशे की तरफ जा रहे हैं इनको अंधकार से निकालने की जिम्मेदारी हम सभी की है हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम सब लोग मिलकर के चाहे वो दिल्ली पुलिस है उसको टाइट करे, चाहे वो सीबीआई है उनको बोले, चाहे जो नारकोटिक्स डिपार्टमेंट इन सब चीजों के लिए नशे को खत्म करने के लिए नारकोटिक्स डिपार्टमेंट की 1960 में स्थापना की गई लेकिन नारकोटिक्स

डिपार्टमेंट भी क्या कर रहा है। मैं तो देख रहा हूं दिल्ली के अंदर बड़ी-बड़ी खेपें आ रही है नशा बढ़ता जा रहा है, दुनिया भर के लोग नशा बेच रहे हैं खुलेआम बेच रहे हैं, नशे के अड्डे बन गये हैं दुनियाभर के लेकिन न तो नारकोटिक्स डिपार्टमेंट उस पर कुछ कर रहा है न ही सीबीआई उस पर कुछ कर रही है, न ही पुलिस उस पर कुछ कर रही है, न ही एलजी साहब उस पर कुछ कर रहे हैं क्योंकि ये सारे जो डिपार्टमेंट हैं दिल्ली के अंदर एलजी साहब के पास आते हैं और एलजी साहब सो रहे हैं आराम से मस्त हो रहे हैं। उनकी जिम्मेदारी है वो तो ये चाहते हैं कि मुझे लगता है कि देश को ही बर्बाद करना है, दिल्ली को बर्बाद करना है। आज अभी मेरे साथी बोल रहे थे कि हत्याएं हो रही हैं लगातार हत्याएं हो रही हैं नशे की वजह से हो रही है। भई नशे की वजह से ही हत्याएं कर रहे हैं लोग, छोटे-छोटे बच्चे हत्याएं कर रहे हैं, छोटे-छोटे बच्चे सुपारी ले रहे हैं 16 साल के बच्चे 15 साल के बच्चे, 14 साल के बच्चे, 12 साल के बच्चे यही लोग हत्या कर रहे हैं अध्यक्ष महोदय। ये बड़ी चिंता का विषय है अध्यक्ष महोदय कि जिन लोगों को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है वही गलत काम करवा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय मैं आपसे इस सदन के माध्यम से यही कहना चाहता हूं कि हम सभी को दिल्ली पुलिस को जो हमारे कमिश्नर हैं उनको एक ज्ञापन देना चाहिए की भई बार-बार जो हमारे गृह मंत्री हैं उनको हमें ज्ञापन देना चाहिए कि दिल्ली के अंदर लगातार नशा जो है वो बहुत ज्यादा हो रहा है और हत्याएं हो

रही हैं इस पर आप संज्ञान लें इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं जय हिन्द, जय भारत, नमस्कार, वंदे मातरम।

माननीय अध्यक्ष: मोहन सिंह बिष्ट जी।

श्री मोहन सिंह बिष्ट: आदरणीय अध्यक्ष जी, वास्तव में जिस विषय पर आपने इस सब्जेक्ट को बोलने के लिए इस नियम के तहत सवीकृति दी वास्तव में इसके लिए तो मैं आपका आभार प्रकट करता हूं। आभार इसलिए भी प्रकट करता हूं कि जिन शब्दों के अनुसार इन चीजों को सदन के अंदर जो पेश करने का जो आपने कार्य किया और जिन मित्रों द्वारा इस चीज को अपने प्रस्ताव के माध्यम से लाया गया वास्तव में ये बड़ा सोचनीय विषय है। दिल्ली में नशीले पदार्थों की बिक्री नंबर-1, इस पर था। दूसरा है सेवन और नियंत्रित करने के लिए संबंधित विभागों की जिम्मेवारी। सर ये बात सत्य है कानून व्यवस्था स्टेट का सब्जेक्ट न हो लेकिन हमारी जिम्मेवारी बनती है, हम जिस सदन के अंदर आये सदन के अंदर आकर के उस प्रदेश की समस्याओं पर यहां हम चर्चा करें यह निश्चित रूप से होना चाहिए। यदि हम इसको देखें तो मेरे को लगता है कि इनमें इस विषय को रखने से पहले यदि उन डिपार्टमेंटों के लोग जिन पर इसकी जिम्मेवारी बनती वो सदन के इस अधिकारी वाली गैलरी में होते तो निश्चित रूप से इस बात का कहीं न कहीं इसका रिजल्ट होता। मैं टीका-टिप्पणी की ओर नहीं ले जाना चाहता हूं इस मामले को लेकिन

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः मैडम आप मत बोलिये, अब या तो सुनने का माद्दा रखिये या सीखो इस सदन के अंदर। टोका-टाकी एक तुम्हारा विषय बन सकता है लेकिन मैं जिस प्रकार से अध्यक्ष महोदय से अपना निवेदन कर रहा हूं, मैं भी इस सदन का मेंबर हूं जितना अधिकार आपका है उतना अधिकार मेरा भी है। हो सकता है मेरा सुझाव ठीक नहीं हो तो उसको आप नोट मत करिये लेकिन विषय के अनुरूप हमको जरूर बोलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यदि हम सब लोग देखते हैं

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः मुझे पता है तुम कितने जिम्मेवार हो मैं ये भी जानता हूं।

माननीय अध्यक्षः भई मेरी बात सुनो ये ठीक नहीं है।

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर ये टोका-टाकी वाला सब्जेक्ट न हमें बिलकुल इस सदन के अंदर अच्छा नहीं लगता।

माननीय अध्यक्षः ये ठीक बोल रहे हैं उनको बोलने क्यों नहीं दे रहे हो ये कोई तरीका नहीं है, इनको बोलने दीजिए।

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः जिस प्रकार की आपकी हरकतें हैं न इससे दिल्ली पूरी तरह से बदनाम हो रही है, दिल्ली के अंदर ये चर्चा का विषय बनता है, ये तुम्हारे लोगों की वजह से।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी बैठिये प्लीज।

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः आप एक सिंपली मेंबर हैं मैं अपने अध्यक्ष जी से बात कर रहा हूं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी आप बैठिये प्लीज।

श्री मोहन सिंह बिष्टः मुझे अध्यक्ष जी ने अलाउ किया है। मैं अध्यक्ष जी से अपनी बात को रख रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, ये भी सत्य है कि हम सब लोग धूम्रपान वगैरह इसके लिए हमने एक विभाग का भी निर्माण किया हुआ है और वो विभाग के अंदर जब हम देखते हैं तो जब नशीले पदार्थ होते हैं तो हमने जैसे बीड़ी हो, सिगरेट हो, शराब हो इन चीजों पर नशे की चीजों पर जरूर लिखा है 'धूम्रपान निषेध है' और ये वार्निंग भी सरकार की ओर से दी जाती है लेकिन मैं ये आपके माध्यम से इस सदन के अंदर एक बात कहना चाहता हूं। मेरे भाई रोहित जी बहुत अच्छी बात कह रहे थे। रोहित जी ने कहा

मैं इस पुनर्वास बस्ती से इस सदन के अंदर प्रतिनिधित्व करता हूं बिल्कुल नाम उसका त्रिलोकपुरी हो सकता है लेकिन मैं दिल्ली विधानसभा का सदस्य हूं। सर मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं। उस क्षेत्र का नाम त्रिलोकपुरी है xxxxxxx[1] जिनकी वजह से इस ड्रग्स जैसे जिनकी वजह से आज हमारे परिवार गर्त में जा रहे हैं, परिवार उजड़ रहे हैं उनके बारे में भी हम सब लोगों को ये चिंता करके इस सदन के अंदर एक ऐसे सिस्टम बनाना चाहिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई उनको बोलने दीजिए मैं सुन रहा हूं।

श्री मोहन सिंह बिष्टः सर मैंने उदाहरण दिया।

माननीय अध्यक्षः बैठिये-बैठिये।

श्री मोहन सिंह बिष्टः अरे भाई मैंने उदाहरण दिया। आपने बोला मैं उस सदन उससे वहां से आता हूं और गर्व से कहा। सर xxxx[1] सर मेरा आपसे कोई वो नहीं है मैं आपको ठेस।.

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः अरे भईया कितने बड़े वो हो मुझे पता है। तुम्हारे बारे में सबको जानकारी है। सर मैं एक निवेदन करना चाहता हूं। मैंने तो अपने भाई से एक नाम से उन्होंने जो कहा मैं उसी से

[1]xxxx चिन्हित अंश माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

कहना चाहता हूं लेकिन मैं ये कहना चाहता हूं यदि ऐसी बस्तियों के अंदर रोहिंग्याओं के राशनकार्ड बना दिये जाएं, उनके वोटर लिस्ट में नाम लिख जाएं तो दिल्ली की कानून व्यवस्था खराब होगी की नहीं होगी?

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये प्लीज बैठिये।

श्री मोहन सिंह बिष्टः मैं अपने भाई की बात को कहीं भी नहीं। मैं आपके सम्मान को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता। उन्होंने जो बात कहीं मैंने उस बात के बारे में कहने का मेरा एक औचित्य था।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः एक सेकेंड, एक सेकेंड बैठिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः क्या बोला है इन्होंने शब्द? रोहित जी, रोहित जी.

...व्यवधान...

श्री कुलदीप कुमारः अध्यक्ष जी, इन्होंने अभी इस सदन के अंदर कहा।

माननीय अध्यक्षः एक सेकेंड बैठिये मैं सुन लूं क्या कह रहे हैं, मैं सुन लूं जरा बैठिये, अभय जी बैठिये अब।

...व्यवधान...

श्री कुलदीप कुमारः इन्होंने कहा कि अध्यक्ष जी इन्होंने।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई वो बोल रहे हैं, वो बात कर रहे हैं न, आप दोनों बोलेंगे क्या?

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः तो वो बोल रहे हैं, एक बार बैठिये आप।

...व्यवधान...

श्री कुलदीप कुमारः अध्यक्ष जी, इन्होंने सदन के अंदर कहा, इन्होंने सदन में कहा कि त्रिलोक पुरी पुनर्वास कालोनी और उस पुनर्वास कालोनी के अंदर कैसे लोग रहते हैं इसपे हमें विचार करना चाहिये, वो क्राईम कौन करते हैं इसका मतलब आप क्या कहना चाहते हो कि पुनर्वास कालोनी के लोग क्राईम करते हैं, आप ये कहना चाहते हो। आपकी जिम्मेदारी नहीं है पुलिस की, अमित शाह को बचाते बचाते दलित, पिछड़े लोगों को बदनाम करोगे तुम लोग, इतना गिर जाओगे तुम लोग, मतलब दिल्ली की पुनर्वास कालोनी में रहने वाले लोगों को बदनाम किया है मोहन सिंह बिष्ट जी ने। इस सदन के अंदर ये माफी मांगे, रिकार्ड से हटे।

माननीय अध्यक्षः मैं कर रहा हूं। अभी मैं कर रहा हूं, बैठिये। हां रोहित जी आप क्या कह रहे हैं बोलिये। एक सेकिंड, एक सेकिंड।

श्री रोहित कुमारः हमारे माननीय सदस्य बिष्ट साहब ने अभी जो बात कही उससे मैं व्यक्तिगत तौर से बहुत आहत हूं। बिष्ट साहब 70 विधायक हैं यहां पर, अकेला विधायक हूं जो एक पुनर्वास कालोनी में आज भी रहता हूं अपने परिवार के साथ, मैं अपने बच्चों के साथ। आपने कहा जी लेकिन इसकी जांच होनी चाहिये कैसे लोग रहते हैं। आपको अपराधियों के बारे में बोलना चाहिये था कि भई कैसे कैसे,

...व्यवधान...

श्री रोहित कुमारः रूकिये जरा, अभी माननीय अध्यक्ष जी ने मुझे बोलने का दो मिनट का मौका दिया है। रूक जाईये, रूक जाईये। आपको बोलना चाहिये था कैसे कैसे अपराधी रहते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी, आपने कहा कि कैसे लोग रहते हैं, तो कान खोल कर सुन लीजिये मेरे जैसे लोग रहते हैं, मेरे समाज के लोग रहते हैं। दलित समाज के, वाल्मीकि समाज के लोग रहते हैं।

माननीय अध्यक्षः भई रोहित जी आपने बोल लिया न। कुलदीप जी आपने बोल लिया न अब.

...व्यवधान...

श्री रोहित कुमारः वही मैं आपको बोल रहा हूं। तो मैं आपकी जानकारी के लिये बता दूं कि बड़े स्वाभिमानी लोग रहते हैं, बड़े

मेहनतकश लोग रहते हैं जो अपनी मेहनत से अपने परिवार को पालते हैं। लेकिन आज नशे की बदौलत और नशे के क्राईम की बदौलत सबका जीवन आज दूभर हो चुका है। आज नशे की बदौलत आज छोटे छोटे बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। आज नशे की बदौलत जो भारतीय जनता पार्टी के लोग बिकवा रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः रोहित जी बैठिये, रोहित जी, रोहित जी, प्लीज रोहित जी प्लीज, बैठ जाइए।

...व्यवधान...

श्री रोहित कुमारः आपको माफी मांगनी चाहिये।

माननीय अध्यक्षः रोहित जी मैं करता हूं।

श्री रोहित कुमारः अपने शब्द वापस लेने चाहियें आपको। मैं हाथ जोड़ कर कहूंगा।

माननीय अध्यक्षः वो बोल रहे हैं न। हो गया न। हो गया।

श्री रोहित कुमारः माननीय अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः हो गया भई अब नहीं मैं समय दे रहा हूं। प्लीज।

श्री रोहित कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाह रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः प्लीज, मैं कर रहा हूं बात ना,।

श्री रोहित कुमारः मैं आपसे कहना चाह रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः अरे मैं बात कर रहा हूं।

श्री रोहित कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, माननीय अध्यक्ष जी, इनको अपने अभी शब्द वापस लेने चाहियें और रिकार्ड से इन शब्दों को हटाना चाहिये 'त्रिलोकपुरी में कैसे लोग रहते हैं'।

माननीय अध्यक्षः रोहित जी, बैठिये, बैठिये प्लीज।

श्री रोहित कुमारः मैंने बता दिया कैसे लोग रहते हैं। धन्यवाद।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः एक सेकिंड, एक सेकिंड। मोहन सिंह बिष्ट जी ने जो ये बोला है 'कि त्रिलोकपुरी में कैसे कैसे लोग रहते हैं पुनर्वास कालोनी में कैसे कैसे लोग रहते हैं' वो कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्रीमती राखी बिरलाः लेकिन उनसे माफी भी तो मंगवा लीजिए।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः देखिये मोहन सिंह जी ये बातठीक नहीं है। मतलब हम अगर व्यक्तिगत..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैंने कहा है अगर कहा है तो निकाल दिया जाये।

...व्यवधान...

श्री मोहन सिंह बिष्टः मैंने कोई गलत यदि मेरी बातों से किसी को लगता है कि. उसको रिमूव कर दीजिएगा। मुझे कोई नहीं, इन्होंने जैसे कहा कि उस आबादी में रहता हूं, मुझे बहुत अच्छा लगता है।

माननीय अध्यक्षः चलिये बैठिए विषय खत्म हो गया।

श्रीमती राखी बिरलाः नहीं विषय खत्म नहीं हुआ अध्यक्ष जी। ये कोई खत्म होने वाली बात नहीं है। ये हमारे स्वाभिमान और सम्मान की बात है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः राखी जी विषय हो गया, उन्होंने।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ये क्या हो रहा है, मुझे समझ नहीं आता।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह जी क्या, नहीं क्या कर रहे हैं आप? क्यों बार बार ये बात. विजेंद्र जी,

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अगर ये बोलेंगे, ये बोलेंगे कि त्रिलोकपुरी में कैसे कैसे लोग रहते हैं तो पीड़ा तो होगी न, दर्द तो होगा न, दर्द तो होगा न।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः क्या बोला है उन्होंने?

श्री विजेंद्र गुप्ताः उन्होंने बोला कि वहां ऐसे लोग रहते हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बिल्कुल नहीं बोला। आप ऐसे ही विषय को घुमा रहे हैं। बिल्कुल नहीं बोला उन्होंने। बिल्कुल नहीं बोला। मैं सुन रहा हूं। मैं बैठा हुआ सुन रहा हूं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी, रोहित जी।

...व्यवधान...

(माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा घंटी बजाई गई।)

श्री मोहन सिंह बिष्टः आज रोहिंग्या जैसे लोगों को पूरी दिल्ली में बसा दिया।

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह जी फिर आप गलत बोल रहे हैं। फिर आप गलत बोल रहे हैं। रोहिंग्या, क्या मतलब है।

श्री मोहन सिंह बिष्टः क्यूं बसा रहे हो, क्यूं ऐसे लोगों की?

माननीय अध्यक्षः छोड़िये आपकी पुलिस नहीं निकालती। अगर बस रहे हैं क्यों नहीं निकालती? बॉर्डर से कैसे आ जाते हैं, कैसे दिल्ली में प्रवेश करते हैं? तुम्हारी सांठगांठ से प्रवेश करते हैं। बैठ जाईये। आप बैठ जाईये। बैठ जाईये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बात करिये आप विषय पर। विषय पर चर्चा करिये।

श्री मोहन सिंह बिष्टः ...इतना डर गए माइक तक बंद कर दिया।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी बैठिये। कुलदीप जी बैठिये प्लीज। माईक खोलिये, कंक्ल्यूड करिये इसको और विषय को गंभीरता से लीजिये। ऐसा नहीं कि व्यक्तिगत टिप्पणी करें। नहीं व्यक्तिगत टिप्पणियां नहीं, नहीं व्यक्तिगत टिप्पणियां नहीं, बोलिये।

श्री मोहन सिंह बिष्टः यही सरकार है न जिन्होंने पिछले दिनों के अंदर हर वार्ड के अंदर चार चार शराब के ठेके खोले थे, इनसे भी इनका पेट नहीं भरा तो एक के उपर एक फ्री देने का इन्होंने वादा किया। मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय कि जिस प्रकार का दिल्ली सरकार का जो ड्रग्स डिपार्टमेंट है जो आपके अधीन आता है वो कार्रवाई करने में क्यूं हिचकिचा रही है, क्यूं नहीं कार्रवाई करती है, कार्रवाई करनी चाहिये। यही नहीं, आज अफीम, चरस, गांजा अभी महेंद्र गोयल जी एक बात बोल रहे थे बड़ी जोरदार। दो हजार किलो.

माननीय अध्यक्षः मोहन जी मुझसे बात करिये आप उधर देख के मत बात करिये।

श्री मोहन सिंह बिष्टः ..और चरस। भूल गये पंजाब में तो तुम्हारी सरकार है न, फुल फ्लेज़्ड तुम्हारी ही सरकार है न, वहां जब पाकिस्तान से वो ड्रग्स आता है दिल्ली के अंदर पाकिस्तान से कैसे आ जाता है, केजरीवाल की सरकार वहां भी है, क्यों नहीं कर रहे हो पंजाब के अंदर। अध्यक्ष महोदय, यदि ईमानदारी से चाहते हो दिल्ली के अंदर और ये स्टेट सब्जेक्ट इसलिये हम क्यूंकि हम भी जन प्रतिनिधि हैं, इस पर रोक लगनी चाहिये और आप रोक लगायें, निश्चित रूप से उस बात का हम स्वागत करते हैं। अध्यक्ष महोदय, यही नहीं, हमने बार बार पिछले दिनों के अंदर देख रहे हैं और यदि आपने देखा होगा दिल्ली के अंदर पिछले दिनों में ही अखबार में जिस प्रकार के अफीम,

चरस, गांजा जो इस प्रकार की सप्लाई हुई है उसी को भी डेस्ट्रॉय करने का किसी ने काम किया तो दिल्ली के अंदर लेफि्टनेंट गवर्नर और केंद्र सरकार के माध्यम से हुआ। इन विषयों पर क्यूं नहीं चर्चा? इसपे लगना चाहिये, नारकोटिक्स वाला होना चाहिये। अरे भैया देश में सबसे सर्वाधिक यदि इनको किसी ने नष्ट करने का काम किया तो केंद्र सरकार के माध्यम से हुआ। मेरा आपके माध्यम से एक निवेदन है कि हमको, आप बहुत रोना रो रहे साहब हमने एजुकेशन के सिस्टम को ये कर दिया, हमने दिल्ली के अंदर बच्चों के शिक्षा को आगे बढ़ाने का काम किया, हमने दिल्ली में बहुत से ऐसे काम कर दिये, मैं आपके माध्यम से सदन से या उनसे यह जानना चाहता हूं जो भोंपू बनकर के सरकार की बड़ाई का काम कर रहे हैं मैं उनसे जानना चाहता हूं क्या ऐसा एक सब्जेक्ट बना करके बच्चों के अंदर ऐसा उनको प्रेरणा से हम प्रेरित नहीं कर सकते हैं क्या जिससे अफीम, चरस, गांजा जो ये बिक रहा है उससे कम से कम उनका ध्यान तो हम हटा सकते हैं न। हमारी योजनाएं बननी चाहियें सिर्फ विषय ये चीज है, ये ठीक नहीं है, सेहत के लिये ठीक नहीं है, उनको रोकने का। इसी प्रकार से आपने देखा होगा लगातार हम इसी प्रकार से देखते हैं, हमको अचम्भा तब होता है कि यदि हम सदन में कोई सही बात कह दें तो सर बोलने नहीं देते हैं। बोलने के बाद भी वो स्पीकर की भूमिका भी खुद अपनाने लगते हैं। आप जरूर अपनी भूमिका में सरकार का पक्ष आप जरूर रखें, मैं आपका विरोध नहीं कर रहा और न विरोध करना चाहिये, मैं आपकी बात को सुनकर के उसका जवाब देना निश्चित रूप से मेरा दायित्व

बनता है अध्यक्ष जी, मैं वो करने जा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं यही कहना चाहता था। आज आपने पुनर्वास बस्तियों के बारे में जिस प्रकार से कहा वो कहीं किसी से छुपा हुआ नहीं है। आज अनऑथोराईज्ड कालोनिज़ के अंदर सर एक नहीं कई जगह सांसियों ने जिस प्रकार से शराब का धंधा करते हैं और वहां इस प्रकार की शराब बेचते हैं जिसकी वजह से वहां का कानून व्यवस्था के साथ वहां के लोगों का जो जीवन है, वो जीवन भी खराब हो चुका है, हम तो कहते हैं रोज छापे डालो, डालो न, हम आपके साथ हैं। अच्छे कामों के लिये हमें विरोध किसी का नहीं, अच्छे कामों के सहयोगी के रूप में होना चाहिये ये सदन, इसीलिये तो बना है ये सदन, सदन के अंदर अच्छी बातें जाकर के जनता के अंदर जिन जिन विषयों को आपने रखा है मैं वास्तव में मैं चाहता हूं कि इन पे बिल्कुल रोक लगनी चाहिये और जैसे मैंने कहा कि जिन बस्तियों में भी ये हो रहा है उसकी आबादी वगैरह है, उसके पूरे स्टेटस को हमको देखना चाहिये। इतना मैं निवेदन करना चाहता हूं। आपने मुझे बोलने का समय दिया, बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री सोम नाथ जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई मोहन सिंह जी आपने बात, आपने बोल लिया, प्लीज। भई।

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारती: अच्छा मोहन जी हो गया, हो गया, हो गया, हो गया।

माननीय अध्यक्ष: बैठिये, बैठिये।

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत शुक्रिया आपने इतने संवेदनशील मुद्दे पे मुझे बोलने का मौका दिया। मोहन बिष्ट साहब को मैं सुन रहा था और बड़े सीनियर नेता हैं भाजपा के, उनके वक्तव्यों को बड़ा हम सब को सीरियसली लेना चाहिये। उन्होंने खुल के माना कि ड्रग दिल्ली में बिक रहा है। उन्होंने खुल के माना कि हर प्रकार के चाहे वो गांजा के रूप में हो, चाहे वो मारिजुआना के रूप में हो, हर प्रकार से दिल्ली की गलियों में ड्रग बिक रहा है। हम तो बेचेंगे, आप अपने बच्चों को संभाल लो। वो ये कह रहे हैं। सुना आपने? आपने सुना कि नहीं सुना? उन्होंने कहा कि आप इतने अच्छे स्कूल चला रहे हो, बच्चों को समझाओ, बच्चों के पाठ्यक्रम में लेकर के आओ कि भई मिठाई की दुकान में बिक सकती हैं, हर जगह बिक सकता है इस प्रकार की चीजें। तो क्या है कि इन्होंने साफ-साफ आज मान लिया इस बात को सदन को उनकी ईमानदारी पर भरोसा रखना चाहिए, वो भी कह रहे हैं कि दिल्ली पुलिस नाकाम है, अमित शाह जी नाकाम हैं, एकमात्र दायित्व जो दिल्ली की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को दिया था उसमें भारतीय जनता पार्टी के विधायक महोदयगण खुद मान रहे हैं कि हम फेल साबित हुए हैं। इससे बड़ा क्या आपको एडमिशन चाहिये। अध्यक्ष महोदय, संविधान के अनुसार जिस प्रकार का

दायित्व दिया गया दिल्ली सरकार को और जो दायित्व बंटा, पुलिस, लॉ एंड ऑर्डर, ट्रैफिक पुलिस, डीडीए, लैंड ये सब दिया गया केंद्र सरकार को। केंद्र सरकार एलजी साहब के मार्फत् के माध्यम से दिल्ली में ऑपरेट करती है और इन सारे मुद्दों पे खासकर के पुलिस पे पूरी दिल्ली परेशान है, लॉ एंड ऑर्डर की मुसीबत इतनी बड़ी हो गयी है, पुलिस का खुद का एडमिशन है कि सौ परसेंट ड्रग के मामलों में बढ़ोतरी हुई है तीन साल के भीतर। खुद का एडमिशन है ये। उन्होंने 15 स्पाट्स दिल्ली में आईडेंटिफाई किये जहां ड्रग बिकते हैं। ये खुद का एडमिशन है। 55 परसेंट इंक्रीज हुआ है एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर रजिस्ट्रेशंस में। ये खुद का एडमिशन है। अध्यक्ष महोदय, ये बहुत ही शर्मनाक बात है और बहुत ही शर्मसार कर देने वाली बात है कि चाहे इनफिल्टरेशन का मुद्दा हो, चाहे ड्रग पैडलिंग का मुद्दा हो, भाजपा कहती है देखो हम तो नाकाम साबित हुए हैं भैया, इंटरनेशनल बॉर्डर को हम सिक्योर नहीं कर पा रहे हैं इसलिये तरह तरह के लोग देश में आ रहे हैं और उसके उपर और पार्टियों को घेरना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं मोहन बिष्ट साहब के जरिये भाजपा को कहना चाहता हूं कि देखो आप नाकाम साबित हुए हो, नौजवानों को, बच्चों को ड्रग से बचाने में, हम इनको वादा करते हैं कि हम ऐसी शिक्षा देंगे अपने बच्चों को कि वो ड्रग की तरफ आंख भी उठा के नहीं देखें। ये शिक्षा केजरीवाल.

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई मोहन सिंह जी फिर वही बात।

श्री सोमनाथ भारती: बता रहे हैं अभी आपको, बता रहे हैं। देखिये पूरे देश में और पूरे विश्व में ये चर्चा रही दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था की। केजरीवाल साहब ने भी कहा कि बेटी को पढ़ायेंगे और बेटी को आगे बढ़ायेंगे' 'बेटी पढ़ाओ और बेटी बढ़ाओ और बेटी बचाओ'। बेटी को पढ़ाने में सक्षम हुए चूंकि शिक्षा का दायित्व दिल्ली की जनता ने केजरीवाल साहब को दिया। आज मेरे क्षेत्र में हौजरानी स्कूल है, मेरे क्षेत्र में मालवीय नगर में स्कूल है, मेरे क्षेत्र में मस्जिद मोठ में स्कूल है, जहां कहीं जाओ आप मानेंगे नहीं कांग्रेस के जमाने में जहां गाय भैंस बांधते थे जिन स्कूलों में, आज वहां 14-14 सौ बच्चे पढ़ते हैं, बच्चियां पढ़ती हैं और वो बच्चियां माननीय सिसोदिया साहब को मैं धन्यवाद करता हूं, उनको सलाम करता हूं कि वो बच्चियां आज बिजनेस ब्लास्टर स्कीम के तहत दो दो हजार सीड कैपिटल से 15 से 20 हजार रूपया महीना कमाकर के परिवार को दे रही हैं। ये सपना केजरीवाल साहब के साथ साथ हम सब का था। अध्यक्ष महोदय, हम सब को ध्यान रखना चाहिये कि हमारी टारगेट पुलिस नहीं है, हमें ये देखना चाहिये कि पुलिस का मास्टर कौन है। यही स्कूल, यही प्रिंसिपल्स, यही टीचर्स, यही अधिकारी जब पड़े केजरीवाल साहब के हाथ में तो टर्न अराउंड कर दिया शिक्षा का। आज वही स्कूल जिसकी आलोचना हुआ करती थी, जिसमें टॉयलेट्स नहीं थे, आज वही स्कूल जब केजरीवाल साहब के हाथ में पड़े तो शिक्षा दिल्ली में सबसे बेहतरीन हो गयी। लेकिन यही पुलिस जब भाजपा के हाथ में है तो क्या दुर्गति हो रही है दिल्ली की। यही पुलिस मैं चैलेंज करता हूं अगर यही

पुलिस हमारे हाथ में लग जाये तो अध्यक्ष महोदय आपके मार्फत् से पूरी दिल्ली को बताना चाहता हूं कि सुरक्षा इतनी चौकस दिल्ली में कर देंगे कि मंदिर के बाहर कोई चप्पल तक चुरा नहीं पायेगा।

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारती: कर दिया, अरे कर दिया जाके देखो वहां। मंदिर के बाहर कोई चप्पल तक चुरा नहीं पायेगा, इतनी चौकस कर देंगे दिल्ली के अंदर सुरक्षा व्यवस्था। और भई देखो दिल्लीवासी कह रहे हैं भाजपा के साथियों को कि

"आज शहरों में हैं जितने खतरे,
आज शहरों में हैं जितने खतरे
जंगलों में भी कहां थे पहले।
आज शहरों में हैं जितने खतरे,
आज शहरों में हैं जितने खतरे,
जंगलों में भी कहां थे पहले।"

जंगल से बदतर कर दिया आपने लॉ एंड ऑर्डर में दिल्ली को। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा की व्यवस्था तो कर दी केजरीवाल साहब ने, लेकिन सुरक्षा की व्यवस्था नहीं कर पाये। मेरे अपने क्षेत्र के अंदर हुंमायुंपुर के अंदर डा. अम्बेडकर पार्क है वहां ड्रग खूब बिक रहा है, गांजा खूब बिक रहा है। कई बार मैंने कहा, मेरे अपने क्षेत्र के अंदर विजय मंडल पार्क में दिनदहाड़े एक लड़की की हत्या कर दी गयी,

दिनदहाड़े, कुछ नहीं किया। अच्छा सांसद इनके हैं, पुलिस को रिप्रजेंट वो करते हैं लेकिन सिर्फ जाता कौन है इन जगहों पे आम आदमी पार्टी का विधायक। वो कभी जाते भी नहीं हैं। मेरे अपने क्षेत्र के अंदर सर्कुलर पार्क में 15 साल के बच्चे को गोद गोद कर के मार डाला, कौन गया वहां, एक गरीब का बच्चा मर गया। अध्यक्ष महोदय, हां अगर पीएम साहब की भतीजी का पर्स गुम हो जाये, अगर पीएम साहब की भतीजी का पर्स गुम हो जाये सोनीपत चले आये। 45 मिनट में रिकॉर्ड टाइम में, रिकोर्ड टाइम में 45 मिनट में पर्स आ गया। इसका मतलब दिल्ली पुलिस निक्कमा नहीं है, इसका मतलब दिल्ली पुलिस के जो आका हैं कमी वहां है, कमी वहां है, कमी वहां है। तो पुलिस की गलती नहीं है, गलती है जिसके अंडर पुलिस है अध्यक्ष महोदय। और जहां तक बात ये करते हैं लॉ एंड ओर्डर की। अरे भईया अपने पास ताकत हो, नहीं हो, अगर घर में हमारे आग लगेगी हम तो चिंता करेंगे। ये अलग बात है कि जब लॉ एंड ओर्डर पर पूछें, बड़ा शर्म आता है। तो एक जवाब आता है, आपको भी आया होगा, कुछ लॉ एंड ओर्डर पर बात रखिये सदन के अंदर तो जवाब आता है वहां से 'we will not tell anything about this because law and order is not under Delhi Government.' बताइये, मतलब घर में हमारे बेटियों के साथ नाइंसाफी हो, हमारे नौजवानों को आप ड्रग परोंसे और हम सवाल तक ना पूछे। अध्यक्ष महोदय किसी साथी ने कहा बड़ा अच्छा कहा कि एक भी पुलिस स्टेशन को पिछले 10 साल में ना तो एल जी साहब गए, ना होम मिनिस्टर गए। तो जहां जो दायित्व इनको सौंपा है उस दायित्व को

निभाने में इन्होंने तनिक भी इंट्रस्ट नहीं दिखाई। ये शुक्र है कि आजकल मैं तो पार्कों में खूब जाता हूं, आजकल पार्कों में चर्चा यही है कि भाजपा को आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल जी ने एक्सपोज कर दिया थ्रेडबेयर कि भई लॉ एंड ओर्डर जो इनको सौंपी गई थी उसको इन्होंने कबाड़ा कर दिया, आज पूरी दिल्ली इस बात का चर्चा कर रही है कि लॉ एंड ओर्डर की स्थिति सबसे बद से बदत्तर हो गई है अध्यक्ष महोदय। किसी साथी ने कहा, ऋतुराज ने कहा कि इंक्रोचमेंट हो, अनोथराइज्ड कंस्ट्रक्शनस हों, स्पूरियस कहीं वाइन मिले, कहीं इस प्रकार के ठेके मिलें, कहीं सट्टा चले, कहीं गैम्बलिंग हो, कहीं ह्यूमन ट्रैफिकिंग हो, ड्रग्स ट्रैफिकिंग हो, कौन इन्वॉल्वड है, किसका श्रेय, किसका वरदहस्त, किसके प्रोटैक्शन में चल रहा है। पुलिस तो देखो भईया जरिया है, जिसके हाथ में पुलिस है तो मैं दावे के साथ कहता हूं इन सारे कामों में अगर कोई सम्मिलित है तो वो है भारतीय जनता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के नेता। और कहीं दूर नहीं है, होम मिनिस्टर के घर के पास हो रहा है मर्डर, दिन दहाड़े मर्डर हो रहा है। मतलब तीन-तीन मर्डर एक साथ, दिन-दहाड़े मर्डर और इस प्रकार से मोहन बिष्ट साहब ने कहा, आज हमें भी बड़ा तकलीफ हुआ कि अनोथराइज्ड कॉलोनी के लोगों को सीधा-सीधा जिम्मेदार ठहरा दिया, ये तो गलत बात है और आपको बता दूं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः देखिये मोहन जी प्लीज।

श्री सोमनाथ भारती: कि जिस प्रकार से मतलब जो क्राइम crime does not know colour, crime does not know religion, crime does not know any regionalism क्राइम तो कोई भी कर सकता है। क्रिमिनल तो कोई भी हो सकता है, क्राइम ना तो धर्म देखता है, ना क्षेत्र देखता है ना जाति देखता है अध्यक्ष महोदय। किसी भी कॉलोनी में हो सकता है। अमीर क्या, गरीब क्या कोई भी हो सकता है। क्रिमिनल का एक अलग ट्रैक रिकोर्ड है, एक अलग वर्ग ही है अध्यक्ष महोदय। चूंकि इनको बड़ा अच्छा लगता है कि भई किसी गरीब को हम क्रिमिनल कह दें, ये आसान लगता है चूंकि वो गरीब बोलेगा नहीं कुछ आपको। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली में असुरक्षित है, सोच सकते हैं इनको इतनी इतनी सिक्योरिटी कहते हैं, सिक्योरिटी पता नहीं, सिक्योरिटी वाले हो सकता है, इस प्रकार से बिठाए गए हों कि कुछ भी नुकसान हो जाए, कुछ भी नुकसान कर दो। तो मैं देखना चाहता हूं कि इनको शर्म भी नहीं आती है। अटैक हो गया पूर्व मुख्यमंत्री पर, जब मुख्यमंत्री थे तब भी अटैक करते थे ये लोग और कहते क्या हैं, अरे सोमनाथ जी जनता गुस्सा कर रही है। मैं तो कहता हूं एक बार अपने नेताओं से सिक्योरिटी छीन तो लो, एक बार अपने नेताओं से सिक्योरिटी छीन लो फिर आ जाओ। इनके यहां तो काउंसलर तक जाते हैं सिक्योरिटी लेकर, काउंसलर को सिक्योरिटी होती है, कॉस्टेबल चलता है साथ में। अरे सिक्योरिटी के बगैर घुमकर के देखो, हम जैसे होकर के देखो फिर बताते हैं क्या होता है गुस्सा। अध्यक्ष महोदय बात ड्रग की कर रहे थे, हमारे यहां गौतम नगर है, गौतम नगर

में पूरी रात, वहां पर गोलियाँ चली चाय की दुकानों से और वो भी कहां चाय की दुकानों से। चाय की दुकानों से समझ रहे हो, चाय की दुकानों से वो ड्रग मिलते हैं, मुझे बता रहा था भईया ईंट के नीचे रख लेते हैं। चाय की दुकानों से ड्रग मिलते हैं और उसमें पुलिस कह रही है क्या करें सोमनाथ जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: सोमनाथ जी कन्कलूड करिए प्लीज। सोमनाथ जी कन्कलूड करिये प्लीज, सोमनाथ जी कन्कलूड करिये प्लीज।

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय चाय की दुकानों पर ड्रग मिल रहे हैं, पुलिस कह रही है, जब भी पुलिस को बोलो।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: फिर आप भाषा का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

श्री सोमनाथ भारती: तो पुलिस कहती है कि सोमनाथ जी क्या करें। पुलिस कह रही है कि सोमनाथ जी क्या करें इनके तार बहुत गहरे हैं, क्या कह रहे हैं।

...व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह जी ये भाषा ठीक नहीं है विधान सभा में। आप नाम लीजिए उनका। ''क्या बोल रहा है सरदार को तू''

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिए, बैठिए आप, आपका भाषा पर काबू नहीं है।

श्री सोमनाथ भारतीः इस प्रकार से, इस प्रकार की भाषा अपने साथी के प्रति और खासकर के उनके धर्म के प्रति यूज नहीं करना चाहिए। सरदार कहकर के इस प्रकार से बात करेंगे तो कैसे काम चलेगा। आज अभी अनोथराइज्ड कॉलोनी को आप कह रहे थे, अब सरदार जी को कह रहे हैं। इस देश ने, सुनिए इकलौती कौम है, इकलौती कौम है जिसको हमने हमेशा सरदार जी कहकर बोला है, गलत तो नहीं कह रहा। पूरा हिंदुस्तान सरदार को सरदार नहीं कहता, सरदार जी कहता है।

श्री मोहन सिंह बिष्टः हाँ हमारे सरदार जी है।

श्री सोमनाथ भारतीः हाँ सरदार जी बोलिये। माफी मांगिये इसके लिए।

माननीय अध्यक्षः कन्कलूड करिये, आप कन्कलूड करिये।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी कन्कलूड करिये।

श्री सोमनाथ भारतीः बस दो मिनट। ये कह रहे थे ड्रग का, अडानी के पोर्ट पर 30 हजार करोड़ रुपए का ड्रग रिकवर किया गया। किसने रिकवर किया मालूम है आपको, पंजाब पुलिस ने रिकवर किया, सुनो पंजाब पुलिस के बारे में। पंजाब पुलिस ने धर-दबोचा। अरे क्या अडानी, क्या अंबानी आम आदमी पार्टी के लिए कोई कुछ नहीं है, हम उसके टुकड़ों पर नहीं पलते हैं। जो टुकड़ों पर पलते हैं वो चिंता करें उसकी, हम नहीं उनके टुकड़ों पर पलते हैं और शर्म करो फिर अपने आप पर फिर।

...व्यवधान...

श्री सोमनाथ भारतीः कौन आतंकवादी, किसको बोल रहे हो खालिस्तानी को, पंजाबी को, किसको बोल रहे हो साफ-साफ बोलो ना। देखो शब्दों का भी, मोहन बिष्ट साहब पकड़े गए थे, उनको माफी मांगनी पड़ी। आप इस प्रकार की बातें ना करो।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी मुझसे बात करिये आप प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः तो मैं ये आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि ड्रग के कारण पूरी दिल्ली परेशान है, पूरी दिल्ली मुसीबत में है, लेकिन इनके कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा। आपको अभी मेरे साथियों ने कहा थाना लेवल कमेटी एक फोरम था हमारे लिए की जहां जाकर के हम लोग अपनी बातें रखें पुलिस से अकाउंटिबिल्टी लें। लेकिन बड़े आश्चर्य की और दुख की बात है कि थाना लेवल कमेटी को पार्टली

इन्होंने बनने दिया। पार्टली क्यों, एक ही, मुझे तो कोई और इंस्टांस दिखता नहीं है इतिहास में। एक ही नोटिफिकेशन से दो चीजें बनती थी डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी और थाना लेवल कमेटी। डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी इन्होंने बनने दिया, चूंकि वो उसका मुखिया होता है क्षेत्र का सांसद, लेकिन थाना लेवल कमेटी इन्होंने बनने नहीं दिया अध्यक्ष महोदय, ये बड़ा दुख की बात है। जहां तक अरविंद जी ने देखो हमारे पास लॉ एंड ओर्डर नहीं है, लेकिन अरविंद जी ने पूरी दायित्व के साथ वो सबकुछ करने का प्रयत्न किया जो उनके हाथ में था। दिल्ली में 3 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए, दिल्ली के अंदर 4 लाख स्ट्रीट लाइटस लगाए, दिल्ली के हर बस में सीसीटीवी कैमरा, पैनिक बटन, बस मार्शल लगाए जिसको बेटियों का और बहनों का और महिलाओं का और नौजवानों का दर्द हो वो जो हो सके वो जरूर करेगा, पूरे सदन को अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद करना चाहिए की उन्होंने इस प्रकार से दिल्ली की चिंता की। अध्यक्ष महोदय ये कहते हैं वन नेशन, वन एवरीथिंग, वन लेंग्वेज, वन रिलीजन, वन फलांना, वन ढ़िमका। लेकिन जब बात सीआरपीसी की आती है, आईपीसीकी आती है, कानून की आती है तो कहते हैं वन नेशन लेकिन दो इन्टरप्रेटेशन, एकइन्टरप्रेटेशन कानून का कैसे होगा, जब कोई भाजपा का आदमी इन्वोल्व होगा जैसे गाजियाबाद में एक बलात्कार का केस आया था। इन्होंने क्या किया चूंकि एक्यूज्ड था बीजेपी का आदमी।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी कन्कलूड करिये अब।

श्री सोमनाथ भारतीः बस आखिरी लाइन।

माननीय अध्यक्षः नहीं कन्कलूड प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः एक्यूज्ड था बीजेपी का आदमी, इन्होंने ऐसा इन्टरप्रेट किया उस महिला को ही अरैस्ट करवा दिया, कहते हैं एक्सटोर्शन में है।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी अब कन्कलूड करिये प्लीज।

श्री सोमनाथ भारतीः यही तो इम्पॉर्टेंट लाइन था आप कन्कलूड करवा रहे हैं।

माननीय अध्यक्षः खत्म करिए।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय मतलब सोचिए की लॉ का दो इन्टरप्रेटेशन इस देश में है। एक इन्टरप्रेटेशन है कि जी अगर एक्यूज्ड बीजेपी का हो तो महिला को ही इन्होंने अरैस्ट करवाकर के जेल में डलवा दिया। अगर वो आदमी आम आदमी पार्टी का होता जैसे हमारा अभी नरेश है। अब नरेश बालियान साहब वो बेचारे कम्पलेंट किए की भई इन्होंने हमें थ्रैट किया है, माफियाओं ने थ्रैट किया है दिल्ली के अंदर। तो क्या किया एक्शन ले लिया नरेश के खिलाफ ही, ये है इन्टरप्रेटेशन।

माननीय अध्यक्षः चलिए अब कन्कलूड।

श्री सोमनाथ भारती: अगर ये और मैं आखिर में कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय कि ये देखिए इन्ट्रेस्टिंग है क्योंकि ये भाजपा वाले साथियों के लिए है कि:

"तुम्हारे घर में दरवाजा है,
तुम्हारे घर में दरवाजा है
लेकिन तुम्हें खतरे का अंदाजा नहीं है,
तुम्हारे घर में दरवाजा है
लेकिन तुम्हें खतरे का अंदाजा नहीं है,
हमें खतरे का अंदाजा है
लेकिन हमारे घर में दरवाजा नहीं है।"

ये दिल्ली वाले कह रहे है और आखिरी।

माननीय अध्यक्ष: बस सोमनाथ जी अब कन्कलूड करिये प्लीज, मुझे बार-बार कहना पड़ रहा है।

श्री सोमनाथ भारती: अध्यक्ष महोदय मेरी जो राजनीति थी खिड़की एक्सटेंशन में तो हम ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ने गए थे, ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ने वाला पहला राजनीतिक व्यक्ति आम आदमी पार्टी से सोमनाथ भारती था, आज तक हम केस भुगत रहे हैं, भाजपा वालों ने केस फालतू का चला रहे हैं हमारे खिलाफ, वो कोई आए नहीं। अध्यक्ष महोदय और ये देखो नशा हम भी करते हैं।

माननीय अध्यक्षः सोमनाथ जी मैं रिक्वैस्ट कर रहा हूं कन्कलूड करिए।

श्री सोमनाथ भारतीः बस आखिरी लाइन, नशा हम कौन से करते हैं।

माननीय अध्यक्षः चार बार बोल चुके हैं आप आखिरी लाइन, आखिरी लाइन।

श्री सोमनाथ भारतीः ना, ना, सुनो। हम नशा करते हैं, गुरुनानक वाले, ''नाम खुमारी नानका चढ़ी रवे दिन–रात'', ये नशा है। आओ ये नशा हमें सिखाएंगे। मैं भईया के साथ जो हमारे भईया ने आज बात रखी है, जो डिस्कसन रखा है ये बहुत ही संवेदनशील है, पूरी दिल्ली इस पर गौर करे कि आपने जिसको कानून व्यवस्था दी, उसने उसका क्या कबाड़ा किया, जिसको आपने शिक्षा दी, जिसको आपने स्वास्थ्य दिया, बिजली दिया, पानी दिया उसने आपको सबसे अव्वल तरीके से सेवा करके दिखाया। अब आपके हाथ में है ये फैसला है धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री राजेश गुप्ता जी (अनुपस्थित)। श्री संजीव झा जी।

श्री संजीव झाः बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय कि आपने मुझे ये जो चर्चा चल रही है ये बहुत गम्भीर चर्चा है। मैं मानता हूं कि विपक्ष के साथी गम्भीर नहीं है, लेकिन दिल्ली की जनता बहुत परेशान है। दिल्ली की जनता ये ड्रग्स से और ड्रग्स से जो अपराध बढ़

रहे हैं, छोटे-छोटे बच्चे अपराध के शिकार हो रहे हैं, मरने वाले भी छोटे बच्चे हैं और मारने वाले भी छोटे बच्चे हैं। ये केवल इसलिए हो रहा है कि दिल्ली के हर कोने में आसानी से ड्रग्स मिल जाता है। मैं समझ सकता हूं कि ये हमारे विपक्ष के साथियों के लिए, बीजेपी के लिए हंसी-ठिठोली का विषय हो सकता है लेकिन आपके इस हंसी-ठिठोली ने कई नौनिहालों को अपना शिकार बनाया है और अध्यक्ष महोदय ये कोई इत्तेफाक नहीं है, चूंकि हम सब जनप्रतिनिधि हैं और हमें पता चलता है कि ये कहां पर स्मैकस बिक रहा है, कहां पर ये ड्रग्स बिक रहे हैं। तो ऐसा नहीं है कि ये पुलिस को नहीं पता है या ऐसा नहीं है कि ये गृहमंत्री को नहीं पता होगा। चूंकि अभी कुछ दिन पहले गृहमंत्री आए थे दिल्ली पुलिस की मीटिंग लिए थे और वो मीटिंग इसलिए चूंकि दिल्ली में चुनाव है। इसलिए नहीं की दिल्ली की कानून व्यवस्था खस्ताहाल है और मुझे लगता है उस मीटिंग में क्या चर्चा हुई ये सार्वजनिक होना चाहिए। ये लोगों को जानना चाहिए कि आखिर कौन-कौन से ऐसे विषय थे जिसको लेकर देश के गृहमंत्री ने मीटिंग करी और उस मीटिंग का फिर परिणाम क्या निकला। लेकिन किसी को कुछ नहीं पता कि ये सब आला अधिकारी की मीटिंग क्यों हुई, ये मीटिंग क्यों कराई गई। आपको सुनके आश्चर्य होगा अध्यक्ष महोदय हर इलाके में झुग्गियाँ हैं, हमें लोग ये बता रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव में लिस्ट बना रहा है कि कौन झुग्गी में ड्रग्स कौन बेच रहा है, कौन झुग्गी में अपराधी कौन है और ये लिस्ट इसलिए बना रहा है कि उन अपराधी, उन ड्रग्स माफियाओं के जरिये चुनाव का प्रबंधन कराएंगे

उन झुग्गियों में। तो मैं कैसे नहीं कहूं कि इसके सरगना भारतीय जनता पार्टी के नेता है जिसका सरगना भारतीय जनता पार्टी के गृहमंत्री, भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता अमित शाह जी हैं और नहीं हो तो पता कर लीजिए आप कि एक-एक झुग्गी में ये लिस्ट बनाई जा रही है। मेरे यहां झुग्गी, अब ये झुग्गी के लोगों ने कहा, सबके यहां हो रहा है। तो ये इनके संरक्षण में ये पूरा कारोबार पनपा रहे हैं और ये कारोबार इसलिए पनपा रहे हैं कि डर के जरिये, आतंक के जरिये चुनाव जीत जाएं। दिल्ली कहीं जाए, दिल्ली की जनता कहीं जाए कोई चिंता नहीं है इनको। अभी हाल फिलहाल में आपने देखा रमेश नगर के इलाके में दो हजार करोड़ का ड्रग्स पकड़ा गया और आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि जब पुलिस उसकी तहकीकात कर रहा था तो उसका सूत्र भी गुजरात से निकला। अभी दिल्ली के एसटीएफ के लोग जाकर गुजरात में छापा मार रहे हैं। तो जितने भी पंजाब में जितने भी ड्रग्स डीलर पकड़े गए, डीलर सब का तार गुजरात से जुड जाता है। तो सबको पता है ना कि ड्रग्स की राजधानी कहां है और उस ड्रग्स की राजधानी का सबसे बड़ा राजा कौन है, सबको पता है। क्या साबित करना चाहते हैं आप। तो अध्यक्ष महोदय बात दिल्ली पुलिस की नहीं है, दिल्ली पुलिस की भी अपनी मजबूरियाँ हैं। आज दिल्ली पुलिस के दर्जनों ऐसे थाने हैं जहां एसएचओ नहीं है, क्यों नहीं एसएचओ भई। मेरे ही अपने यहां, मेरे बुराड़ी थाने के एसएचओ दो महीने से नहीं है। ऐसे जितने भी शाहबाद डेरी में,10 का एक ये लोग हॉटस्पॉट बनाया है वहां एसएचओ नहीं है। आपके एसएचओ नहीं है, मयूर विहार में एसएचओ नहीं है। एक बात बताइये ये एसएचओ क्यों नहीं रखा जा रहा है। अगर

मान लीजिए जिसको चार्ज है वो ही इंस्पेक्टर है उसी को चार्ज दे दो आप। इसका मतलब वहां बोली लग रही है। बोली पर बिड शायद ठीक से नहीं पड़ रहा है। जहां-जहां बीडिंग हो गई, वहां एसएचओ आ गया, जहां पर बीडिंग नहीं हुई वहां एसएचओ नहीं आया। तो अगर बीड करके एसएचओ आएगा तो कमाई तो करेगा ना वो और ऐसा नहीं है कि ये जानकारी गृहमंत्री को नहीं है। इनके संरक्षण में ये सारे कारोबार पनप रहे हैं। आज दिल्ली पुलिस की स्ट्रैंथ देख लीजिए, मेरे थाने में 72 कॉस्टेबल की स्ट्रैंथ है, कॉस्टेबल है बस 27, क्या करेगा वो? तो ये बड़ी-बड़ी बात करने वाले लोग, दिल्ली की जनता ने एक जिम्मेदारी केंद्र सरकार को दी थी, चूंकि कानून व्यवस्था ये गृहमंत्री के हाथ में आता है कि दिल्ली की कानून व्यवस्था को ठीक करो, बद से बद्तर बना दिया इन्होंने। कोई भी जगह ऐसा नहीं है जहां की जनता अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही हो। आज रोड पर जाइये चैन स्नैचिंग, बाइक की चोरी, हमारे अनोथराइज कॉलोनी में मोटर की चोरी, कार की चोरी और वो सब चोरी करने वाले छोटे-छोटे बच्चे हैं जो ड्रग्स के शिकार हैं। इन छोटे-छोटे बच्चों के जरिये ड्रग्स बेचा जा रहा है। मेरे यहां एक मुकुंदपुर इलाका है, मैं एल.जी. साहब से मिलकर के आया था मैंने एल.जी. साहब को भी बोला था की मुकुंदपुर हमारा सबसे बड़ा ड्रग्स का हॉटस्पॉट बन रहा है अब पुलिस के जरिये कोशिश कीजिये और मैं आपके साथ खड़ा हूं। दो बार एल.जी. साहब से मिलकर आये नाटक कर रहे हैं एल.जी. साहब की ड्रग्स का अभियान चलायेंगे नहीं, आप ड्रग्स का अभियान नहीं चला रहे ड्रग्स

डीलर को प्रोटेक्शन दे रहे हैं आप। उस मुकुंदपुर में 12 बच्चों का मर्डर हो गया जो 18 साल से कम उम्र के हैं और वो सब ड्रग्स के कारण मारे जा रहे हैं ड्रग्स की लड़ाई में मारे जा रहे हैं। ये जितने ड्रग्स के माफिया हैं ये सब उन बच्चों से इसीलिये कराते हैं ये केस जुबेनाइल का केस बने केस ही ना बने और ऐसी कई जगह हैं लाल बाग का एरिया हो शालीमार बाग की झुग्गियां हों जहां भी झुग्गी में जाईये आप। आतिशी मैडम के यहां मुझे जानकारी मिली वहां झुग्गियां हैं वहां पर जितने बदमाशों को आपके यहां बैठाया जा रहा है कि झुग्गी का जो वोट है वो. है शर्म आनी चाहिये इन लोगों को। अपने चुनाव जीतने के खातिर इस स्तर तक गिर गये। आपने देखा ही हमारे इसी सदन के सदस्य हमारे विधायक उन्होंने गैंगेस्टर के खिलाफ कम्प्लेंट किया, गैंगेस्टर का कुछ नहीं हुआ हमारे विधायक जेल में हैं।क्या मैसेज देना चाहते हो आप? आप ये मैसेज देना चाहते हो कि बदमाशों के खिलाफ कम्प्लेंट करोगे तो जेल जाओगे। ये खुले आम दिल्ली की जनता को मैसेज है कि अगर विधायक नहीं बख्शा गया, तू किस खेत की मूली है। आज कोई आदमी कोई सामान्य जनता अगर थाने में शिकायत लेकर जाये वो जनता परेशान होता है कोई बदमाश का कोई बाल बांका नहीं कर पाता तो अध्यक्ष महोदय यह कहने में मुझे कतई कोई गुरेज नहीं है की चाहे ये ड्रग्स का कारोबार हो, चाहे ये गैंगेस्टर का कारोबार हो ये सारे कारोबार देश के गृहमंत्री के संरक्षण में चल रहा है और नहीं चल रहा है तो अभी जैसे मंत्री जी कह रहे थे इतने बड़े-बड़े बात क्यों नहीं जाते हो वहां, ये एल.जी. साहब छोटे-छोटे क्रेडिट लेने के लिये पहुंच जाते हो दिल्ली सरकार के काम में जिम्मेदारी उनकी थी वो लॉ एण्ड

ऑर्डरमेन्टेन करें, कहां गये हैं? एक जगह बता दीजिये आप जहां पर कोई घटना हुई हो, ड्रग्स का कारोबार हुआ हो या मर्डर हुआ हो गये हों वो। गृहमंत्री दिल्ली में रहते हैं क्यों नहीं जाते हैं। उनके 15 किलोमीटर के रेंज में 62 घटनायें हो चुकी हैं एक जगह गये हों वो, वो इसलिये नहीं जा रहे हैं कि उनको पता है कि करने वाले लोग कौन हैं, सबका तार जुड़ा पड़ा है। तो एक जिम्मेदारी थी जिसको दिल्ली की जनता ने केन्द्र को दी थी कि दिल्ली पुलिस उनके पास है उसको आपने बेड़ागर्क कर दिया, कहीं गलती से ये आ गये ना स्लम्स बना देंगे दिल्ली को फिर से ये। तो दिल्ली की जनता को भी मैं कहना चाहता हूं, सबक सिखाने की जरूरत है चुनाव है दो महीने बाद, इनको सबक सिखाना जरूरी इसलिये है की ये जो अहंकार है इनका इस अहंकार को चकनाचूर करना.

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: चलिये संजीव जी, संजीव जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: संजीव जी आप विषय पर रहिये प्लीज।

श्री संजीव झा: तो मैं ये कहना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष: मुझसे बात करिये।

श्री संजीव झाः शर्मा जी हमारे बहुत करीबी हैं इसलिये सिम्पैथी है मेरी इनके साथ इसलिये मैंने वार्न किया है।

...व्यवधान...

श्री संजीव झाः तो मैं आपको अध्यक्ष महोदय दिल्ली का आज बदहाली, दिल्ली देश की राजधानी है लेकिन दिल्ली को इन लोगों ने अपराधों की राजधानी बना दिया। आज दिल्ली में कोई भी व्यक्ति अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा। आज दिल्ली से लोग घर से बाहर निकलते हैं घर पहुंच जायें लोगों की सांस अटकी रहती है और ये सब केवल देश के गृहमंत्री अमित शाह जी के नकारेपन के कारण हुआ है।

श्रीमती राखी बिरलाः निकम्मेपन के।

श्री संजीव झाः निकम्मेपन के कारण हुआ है। तो अध्यक्ष महोदय ये विषय बहुत गंभीर है लेकिन जैसा हम सबके नेता माननीय अरविंद केजरीवाल जी ने कहा है कि अगर इस पर लगाम नहीं लगा तो सड़कों पर आने की जरूरत पड़ेगी तो सड़क पर आयेंगे, आप अगर इसको अपराध की राजधानी बनायेंगे तो आपको हम जहन्नुम तक नहीं छोड़ेगे, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः जरनैल सिंह जी।

श्री जरनैल सिंहः बोत-बोत मेरबानी स्पीकर साहब, स्पीकर साहब दिल्ली दे विच खतरनाक नशेयां दी खुलेआम बिक्री ते बीजेपी दी केन्द्र

सरकार दी दिल्ली पुलिस दी ओदे ते टोटल फेलियर बहुत ही गंभीर विषय ते बोल्ण दा समा देंण वास्ते बोत-बोत धन्वाद। स्पीकर साहब इस चर्चा के बीच में विपक्ष के नेताओं द्वारा जो रिप्लाई आया वो बहुत ही निराशाजनक था। नेता विपक्ष जी कहते हैं जी ये इस सदन का मुद्दा ही नहीं है। सर ये सदन दिल्ली के 70 चुने हुये प्रतिनिधियों का बैठने का, उनके विषयों को रखने का स्थान है और अगर दिल्ली में आज की डेट में अपराध के ऊपर और इस सरेआम बिकने वाले नशे के ऊपर बात करना अगर विषय नहीं है तो मुझे नहीं लगता है इससे बड़ा कोई विषय आज की डेट में दिल्ली के अंदर एग्ज़िस्ट करता है। स्पीकर साहब ए तो ओही गल हो गई कर रहे जी सब ठीक चल रहा है सब बहुत बढ़िया चल रहा है चमगादड़ जब स्पीकर साहब उल्टा लटकता है ना तो उसको लगता है मैंने सारी दुनिया पलट दी, मैंने सब ठीक कर दिया पर ऐसा खाली चमगादड़ को ही लग रहा होता है बाकी किसी को नहीं लग रहा होता। दिल्ली के हालत बद् से बद्तर हो चुके हैं और जैसा बताया गया नशा और अपराध आपस में डायरेक्ट लिंक्ड हैं पर अमित शाह जी के अधीन आने वाला गृह मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधीन आने वाली दिल्ली पुलिस इस पर जो काम कर रही है ये टोटल गुजरात मॉडल को रिफ्लैक्ट करता है। गुजरात के अंदर अधिकारिक तौर पर नशाबंदी है नशा वहां नहीं बिकता पर जितना आसानी से नशा मेरे को लगता है गुजरात के अंदर मिलता है उतना कहीं भी नहीं मिलता होगा हर चीज़ का लिंक सीधा-सीधा गुजरात के साथ जाकर हर नशे का मिल रहा है। अडानी साहब के पोर्ट पर 30

हज़ार करोड़ की ड्रग्स पकड़ी गई, पंजाब पुलिस ने पकड़ी। जहां पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद निरन्तर ड्रग्स के कैसिज़ में कमी आ रही है वहीं दिल्ली के अंदर स्पीकर साहब ये एन.सी.बी. का डेटा बताता है नारकोटिक्स ब्यूरो का कि जहां 2020 के अंदर पीआईटीएनडीपीएस के अंदर सिर्फ 159 मुकद्में दर्ज हुये थे 2021 के अंदर वो बढ़कर 340 हो गये ये पता नहीं कौन सा डेटा दिखा रहे थे ये Indian Express की रिपोर्ट है स्पीकर साहब, 2022 के अंदर वो 707 हो जाते हैं 2023 के अंदर फिर बढ़कर 719 हो जाते हैं अभी 2024 चल रहा है, अभी भगवान ही मालिक है स्पीकर साहब। इस दिल्ली का क्या बनाना चाह रहे हैं और इस नशे की चपेट में फिर बड़े और बुजुर्ग नहीं स्पीकर साहब परेशानी की बात, चिंता की बात ये है कि छोटे–छोटे बच्चे भी इस नशे की चपेट में आ रहे हैं, किस तरीके की दिल्ली बनाना चाहते हैं, हमें ये दिल्ली नहीं चाहिये स्पीकर साहब। हमें अपराध मुक्त और नशा मुक्त दिल्ली चाहिये और जो इनके सरगना हैं पूरे इस माफिया के उनके बारे में कहना चाहूंगा कि जब चुना ही था, सोमनाथ भाई ध्यान देना,

''जब चुना ही था कत्लेआम का हुनर देखकर,

जब चुना ही था कत्लेआम का हुनर देखकर,

तो फिर लाशों के ढेर देखकर हैरां क्यूं हो।''

इनका तो काम ही ये है स्पीकर साहब कत्लेआम कराओ, दंगे कराओ, ड्राई स्टेट करके वहां पर नशे बिकवाओ, वो ही गुजरात मॉडल

अब पूरे भारत के अंदर ये इम्प्लीमेंट कर रहे हैं। स्पीकर साहब थानों की बोलियां लग रही हैं हमने आज 4 दिसम्बर है स्पीकर साहब 4 दिसम्बर, 2013 को ही दिल्ली में पहली बार चुनाव हुये थे जब हमने लड़े थे दिल्ली विधानसभा के और 8 दिसम्बर को जब नतीजे आये तो सबने एक बदलाव देखा कि ऊपर अगर चाहे सरकार, अगर गर्वनेंस चाहे तो किस तरीके से रातोंरात चीजें ठीक हो सकती हैं, 49 दिन के अंदर जब दिल्ली पुलिस को भी ये नहीं मालूम था की हम किसके अधीन आते हैं ए.सी.बी. हमारे पास थी तो आज हर दिल्लीवाला इस चीज़ का गवाह है, हर दिल्ली वाला कि 49 दिन के अंदर किस तरीके से रातोंरात सिस्टम को ठीक कर दिया गया था। अध्यक्ष जी लैण्ड के जरिये, एयर के जरिये, सी के जरिये हर तरीके से ड्रग्स हमारे देश में पहुंच रहा है वो बड़े वैसे तो वरिष्ठ साथी हैं बिष्ट साहब पर कह रहे हैं जी पंजाब से ड्रग्स आ रही है। तो पंजाब बार्डर की सिक्योरिटी कौन करता है, वो तो बीएसएफ करती है। गुजरात से आ रही है, तो वहां किसकी सरकार है? अगर बीजेपी की केन्द्र सरकार ये ठान ले कि हमने नशा नहीं बिकने देना, तो नशा बंद हो सकता है इसमें कुछ नामुमकिन नहीं है, पर इनकी नियत नहीं है स्पीकर साहब, ये करने की अगर इनकी नियत होती तो ये काम हो चुका होता और अगर इनको लगता है हम चाहते हैं पर कर नहीं पा रहे तो इसके बाद सीधी-सीधी जिम्मेदारी एल.जी. साहब की बनती है, क्यों नहीं आप एल.जी. साहब से इस्तीफा लेते। हम आज मांग करते हैं, दिल्ली वालों की बिहाफ पर हम मांग करते हैं कि या तो अमित शाह जी खुद इस स्थिति को

स्वीकार करके अपना इस्तीफा दे दें कि भई हमसे काम नहीं हो पाया, हम दिल्ली में एक सुचारू, एक ढंग की कानून व्यवस्था देने में पूरी तरह विफल हैं, हम दिल्ली के अंदर नशे को, नशे की बिक्री को और कोई छोटे-मोटे नशे नहीं स्पीकर साहब सिंथेटिक ड्रग्स, खतरनाक से खतरनाक नशा आज दिल्ली में आसानी से अवेलेबल है। हम इन सब नशे की बिक्री को रोकने में नाकाम हैं और हम इस्तीफा देते हैं। या तो अमित शाह खुद इस चीज़ को मान लें और या फिर एल.जी. साहब से इस्तीफा मांगे। स्पीकर साहब बहुत गंभीर हालात हो चुके हैं पानी सिर से ऊपर जा चुका है और बहुत जरूरी इसके ऊपर और बहुत जल्दी इसके ऊपर कदम नहीं उठाये गये तो आने वाला जो समय है वो बहुत खतरनाक होगा क्योंकि छोटे-छोटे बच्चे से नशे की चपेट में आना शुरू हो चुके हैं और नशा और अपराध जैसे मैंने बताया सीधा लिंक है अध्यक्ष जी। तिलक नगर के अंदर मेरा जहां ऑफिस है साथ में उसके थाना भी है उसके आधा किलोमीटर के रेडियस में स्पीकर साहब सरेआम गोलियां चलीं दो-दो जगह गोलियां चलीं और कोई मैं छोटी-मोटी घटनाओं की बात नहीं कर रहा, आज चेन स्नेचिंग हो गई, स्कूटर चोरी हो गया, बाइक चोरी हो गई, कार चोरी हो गई, घर पर डकैती हो गई ये तो बहुत आम बात है स्पीकर साहब व्यापारी दिल्ली का आज की डेट में इतना डर के माहौल में जी रहा है हमारी मातायें-बहनें इतना भय के माहौल में जी रही हैं की व्यापारी कोई थोड़ी सी मेहनत करके अपना काम-धंधा स्टैब्लिश करे तो उसे फिरौती की कॉल आ जाती है फिरौती ना दे तो सरेआम गोलियां चल जाती हैं,

सरेआम जो है दिल्ली के अंदर मर्डर हो रहे हैं तो हर दिल्ली वाला आज घर से बाहर निकलने में डरता है तो अमित शाह जी की सीधी-सीधी जिम्मेदारी बनती है की या तो वो दिल्ली के अंदर एक सुचारू कानून व्यवस्था दें और या फिर गृहमंत्री के पद से इस्तीफा दे दें इस बहुत ही गंभीर मामले पर आपने मुझे बोलने का समय दिया बहुत-बहुत धन्यवाद स्पीकर साहब।

माननीय अध्यक्षः सुश्री राखी बिरला जी।

श्रीमती राखी बिरलाः बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी, ये विषय इतना गंभीर और इतना महत्वपूर्ण है कि इससे जितनी गंभीरता के साथ कोई भी अपना वक्तव्य रख ले उस वक्तव्य में कोई ना कोई घटना छूट ही जायेगी, किसी ना किसी का दुःख उस घटना के अंदर विस्तष्टत तौर पर रखा ही नहीं जायेगा। अध्यक्ष जी, नशा हमारी पीढ़ियों को ही नहीं खत्म कर रहा इस देश की उन्नति, तरक्की इस देश की एकता, अखंडता, भाई-चारे को भी खत्म कर रहा है। नशा बेचना और नशा खरीदना दोनों ही किसकी रहनुमाई में पल रहे हैं दोनों का संरक्षण किसके आधीन है ये किसी से छिपा नहीं है। आज जब हम इस सदन के अंदर नशे के ऊपर चर्चा कर रहे हैं तो इस वक्त भी ना जाने दिल्ली में कितने सैंकड़ों युवा इसको खरीद भी रहे होंगे और इसको बेच भी रहे होंगे। नशा करना और करवाना दोनों एक गंभीर अपराध हैं लेकिन दोनों के ऊपर मूकदर्शक बनकर बैठी हुई है हमारी दिल्ली पुलिस। अब दिल्ली पुलिस जिसके अन्तर्गत आती है जब उसको ही

अपना मंत्रालय और मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाली गतिविधियों की सुध लेने का समय नहीं है तो दिल्ली पुलिस की जैसे थानों की बोली लगती है एसएचओ की बोली लगती है एसीपी, डीसीपी की बोली लगती है तो वो पैसा कहां से आयेगा ऊपर तक पहुंचाने के लिये। आज देश में सिर्फ छोटी-छोटी झुग्गी-बस्ती हमारी पुर्नवास कॉलोनी, रोहिणी के सैक्टर, साउथ एक्स जैसा हाई प्रोफाइल एरिया सिर्फ यही ज़ोन ऐसे नहीं है की नशे से ग्रस्त हैं आज गांव-देहात में भी आप जायेंगे वहां पर भी नशे ने अपनी जड़ें बहुत तेजी से ना सिर्फ पसारी हैं बल्कि उन जड़ों को मजबूती से वहां जमा दिया है। अध्यक्ष जी, मुझे अच्छे से याद है जब पहली बार एक व्यक्ति को भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट कर रही थी तो पूरे देश के अलग-अलग कोनों पर बड़े-बड़े होर्डिगं लगाये गये थे बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ लेकिन आज नशे की जद में आकर छुरे, गोलीबारी, लड़ाई-झगड़े में एक तो मर जाता है एक का तो जीवन खत्म हो जाता है और दूसरा जो अपराधी होता है वो जेल जाता है तो ऐसे में दोनों ही तरफ से जब बेटियों की मांग का सिंदूर उजड़ता है तो मुझे समझ नहीं आता ये केन्द्र की सत्ता में बैठी हुई सरकार कौन सी बेटियों को तो पढ़ाना चाहती हैं कैसे बेटियों को बढ़ाना चाहती हैं और कैसे बेटियों को बचाना चाहती हैं क्योंकि नशे में ग्रस्त युवा ना सिर्फ अपनी जान गंवा रहे हैं बल्कि बेटियों की आबरू के साथ खिलवाड़ भी कर रहे हैं। जैसा मैंने सुबह भी कहा था की महिलाओं की किडनैपिंग किडनैप करके उनके साथ बलात्कार, बलात्कार करके उनकी हत्या जैसे सामान्य घटना हो गई है

दिल्ली प्रदेश में। प्रदेश के अंदर नशा चाहे वो सूखा नशा हो, मंहगा नशा हो या सस्ता नशा हो। किसी भी चौक–चौराहे पर आपको आसानी से मिल जायेगा और समझ नहीं आता की अगर कोई लड़की जिसको जरूरत हो सुरक्षा की रक्षा की पुलिस के साथ की वो दस बार 100 नम्बर पर कॉल करे तो उसके लिये पुलिस बिज़ी है नहीं आयेगी तमाम तरीके के कारण बताकर तमाम तरीके की फोरमेलेटीज़ बताकर लेकर मंगोलपुरी विधानसभा में जब पांच गोलियां मारकर एक युवा की हत्या कर दी जाती है उसके बाद उस कॉलोनी के चौक–चौराहे, गली–मोहल्ले चप्पे–चप्पे पर पुलिस तैनात होती है बावजूद उसके भी नशा बिक रहा हो तो ये नशा ना सिर्फ पुलिस के संरक्षण में ये नशा ना सिर्फ पुलिस के बड़े–बड़े अधिकारियों के ज़हन में बल्कि केन्द्र में बैठी हुई सरकार के जो है आधीन जितने भी ये अधिकारी आते हैं उनके माध्यम से बेचा जा रहा है और ये मैं कोई राजनैतिक आरोप इस सदन में खड़े होकर नहीं लगा रही हूं लगातार न्यूज़ चैनल्स पर समाचार–पत्रों पर इस बात को प्रकाशित किया जा रहा है की जो इनके आका हैं जिनका अभी विदेश में रंगे हाथों घूस देते हुये नामजद किया गया उनके पोर्ट पर कितने हज़ार–हज़ार किलो ड्रग्स उतरती है और मुझे ये नहीं समझ आता की कोई व्यक्ति छोटा चोर हो तो उसकी नज़रअंदाजगी हो जाये, सामान्य सी बात हो सकती है लेकिन अडानी के पोर्टके ऊपर इतने हज़ार किलो ड्रग्स का उतरना और उन ड्रग्स का समाचार–पत्रों में उतरते हुये प्रकाशन होना, दिन–समय तारीख बताना और फिर भी उनसे कोई पूछताछ नहीं होना, तो अध्यक्ष जी बहुत दुर्भाग्य के साथ मुझे ये कहना

पड़ रहा है कि इसमें फिर जो है चौथी पास राजा और तड़ीपार जी की पूरी की पूरी जो है सहभागिता है, भागीदारी है, क्यों? क्योंकि अगर कोई मान लीजिये अभी दिल्ली के रमेश नगर इलाके में 2 हज़ार करोड़ रुपये का ड्रग्स पकड़ा गया, वो हो सकता है एक रैकेट ऐसा था जिसके लिये छानबीन करी जा रही हो, जिसके लिए तमाम तरीके की दबिश दी जा रही हो। जिसके लिए एक अलग से स्पेशल टास्क फोर्स बनाई जा रही हो। लेकिन जब गुजरात के किसी पोर्ट के ऊपर हजारों किलो ड्रग्स उतरती है और वो जब सिलसिलेवार तरीके से उसकी सूचना होती है और एक बार भी इस विषय को चर्चा में नहीं लाया जाता, उस पर कोई कानूनी कार्यवाही नहीं होती, उनकी कोई जवाबदेही तय नहीं होती, ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण भी है और बहुत संदेहजनक भी है कि किस प्रकार से प्रधान मंत्री जी का जो गृह राज्य है और गृह मंत्री जी का जो गृह राज्य है उनके गृह राज्य में इतना बड़ा ड्रग्स का कारोबार चल रहा है और उनके कंधों पर हमने देश की सुरक्षा, देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी और देश को आगे ले जाने का विश्वास उनके हाथों में सौंपा है और उन्होंने हम लोगों को इस नशे की गर्त में छोड़ दिया है, नशे की गर्त में धकेल दिया। अध्यक्ष जी, अगर मैं आज अपने मंगोलपुरी विधान सभा की बात करूं। मंगोलपुरी विधान सभा में कोई झुग्गी बस्ती ऐसी नहीं है, जहां पर नशा ना बिकता हो। कोई कालोनी ऐसी नहीं है जहां पर नशे का कारोबार ना होता हो या फिर कोई ऐसा मोहल्ला नहीं है जहां पर नशे के बारे में जो है लोग परेशान ना हो या खौफ में ना हो। पुलिस से बात करते हैं। पुलिस सिर्फ और सिर्फ ये कहती है हम कार्यवाही कर रहे हैं। जहां तक अभी हमारे एक

साथी ने बोला कि दिल्ली के अंदर मर्डर हो रहे हैं। आये दिन हत्यायें हो रही हैं। हत्याओं की निमर्म जो है तस्वीरें हम सब लोगों को देखने को मिल रही है। गृह मंत्री की प्रत्यक्षतौर पर जिम्मेदारी है कि वो उन घरों में उन पीडितों से जाकर मिले। एक बार को ये समझ सकते हैं कि गृह मंत्री जी सरकारें तोड़ने में बिजी हो सकते है। गृह मंत्री साहब ईवीएम को हैक करने में बिजी हो सकते हैं। गृह मंत्री साहब कहीं चुनाव जीतने में अपनी बुद्धि का प्रयोग कर रहे होंगे। लेकिन एक एलजी जो एक पपेट के तौर पर दिल्ली में काम रहे हैं। मंगोलपुरी में परसों गोली मार कर एक युवक की हत्या की गई। अध्यक्ष जी आज से दो महीने पहले हमारे यहां पर एलजी महोदय आये। सदन को जानकर हैरानी होगी कि वो किस काम के लिए आये थे। क्योंकि हत्या तो बहुत छोटी चीज है। हत्या पर थोड़े ही ना वो जायेंगे और वो भी एक युवक की हत्या। इतना बड़ा काम करने एलजी साहब हमारी मंगोलपुरी में आये एक हाईमास्ट लाइटका उद्घाटन करने के लिए। एक हाईमास्ट लाईट का उद्घाटन करने के लिए एलजी को वहां जाना पड़ा लेकिन हत्या कौन सी बड़ी बात है। हत्या के लिए वो नहीं जायेंगे। हमारे प्रीतमपुरा में एक झुग्गी में रहने वाले एक बच्चे को चाकू गोद कर मार दिया। वहां नहीं जायेंगे वो क्योंकि हत्या हुई है। लॉ एंड आर्डर प्रत्यक्षतौर पर उनके हाथ में आता है लेकिन हमारी किसी रिसैटलमेंट कालोनी में या किराड़ी के स्कूल के अंदर निर्माण को देखने के लिए वो जरूर जायेंगे। हमारी मंगोलपुरी विधान सभा के साथ लगती हुई सुल्तानपुरी विधान सभा है। वहां पर रेलवे फाटक का काम देखने के

लिए एलजी महोदय जायेंगे। लेकिन पंचशील के अंदर साउथ दिल्ली में एक बुजुर्ग की गला काट कर हत्या कर दी गई।

(समय की घंटी)

श्रीमती राखी बिरला: वहां पर वो नहीं जायेंगे। अच्छा ठीक है चलो वो भी माननीय एलजी महोदय हैं, अपने आकाओं के आदेशानुसार उनका तो काम अरविन्द केजरीवाल जी के नेतृत्व में चल रही सरकार के कामों को रोकना है, उनके कामों में अडंगा लगाना है, उनके विधायक को झूठे सच्चे केसों में फंसाना है। फिर दिल्ली ने सात सांसद भी चुनकर दिये हैं। वो सांसद जिनकी प्रत्यक्ष तौर पर भागीदारी, जिम्मेदारी बनती है लॉ एंड आर्डर को सम्भालने की। चार बड़ी-बड़ी घटनाएं दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हुई लेकिन मजाल वहां पर उनका कोई भी सांसद पीड़ित परिवार का पता लेने के लिए गया हो या पुलिस को उन्होंने ये कहा हो कि इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करो और हम संसद में इस आवाज को बुलंद करेंगे, नहीं कहा। उसके उल्ट जब अरविंद केजरीवाल जी किसी रंगदारी के शिकार हुए व्यापारी से मिलने जाते हैं तो भारतीय जनता पार्टी के गुंडे सांसद अरविंद केजरीवाल जी पर ना सिर्फ हमला करवाते हैं, उनकी गाड़ी को रोकने का काम करते हैं। मैंने जैसा सुबह कहा और मैं अभी भी कह रही हूं कि अरविंद केजरीवाल जी को रोकने से नशा और क्राइम नहीं रूकने वाला। नशा और क्राइम तो रूकेगा जब मुस्तैदी से दिल्ली पुलिस और केन्द्र में बैठी हुई सरकार और एलजी विनय सक्सेना जी काम करेंगे। एक और तरीके से ये क्राइम और नशा रूक सकता है।

माननीय अध्यक्षः राखी जी कनक्लूड करें अब प्लीज।

श्रीमती राखी बिरलाः वो तब जब ये अमित शाह जी इस्तीफा दे दें, अपने पद से त्यागपत्र दे दें और दिल्ली की दो करोड जनता को ये बता दें कि मैं असफल हुआ, तुम्हें सुरक्षित करने में मैं असफल हुआ, नशा रोकने में.

(समय की घंटी)

श्रीमती राखी बिरलाः मैं असफल हुआ, दिल्ली की बहन बेटियों की सुरक्षा करने में, क्यूं? क्योंकि वो एक्सपर्ट हैं मर्डर कराने में, वो एक्सपर्ट है लोगों का अपहरण करने में.

माननीय अध्यक्षः राखी जी कनक्लूड करिये, प्लीज कनक्लूड करिये।

श्रीमती राखी बिरलाः वो एक्सपर्ट हैं दंगे करवाने में। तो जिसकी मास्ट्री मर्डर करवाने की हो, जिसकी मास्ट्री लोगों को अपहरण कराकर, डराकर, धमकाकर सरकारें तोड़ने और पार्टी बदलवाने की हो, जिसकी मास्ट्री अपने आकाओं की करोडों अरबों रूपयों की खेप कोकीन की और, और अन्य ड्रग की उनके पोर्ट पर उतरवाने की हो, मैं ऐसे अमित शाह से इस बात की कतई उम्मीद नहीं कर सकती कि वो मेरी दिल्ली की बहन बेटियों की सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं। मैं आपके माध्यम से ये कहना चाहती हूं अध्यक्ष महोदय कि अमित शाह जी को तुरन्त अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। अपनी असफलता को मानते

हुए दिल्ली पुलिस को दिल्ली की सरकार को सौंपना चाहिए। जैसे हमने बीते दस सालों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली पानी में ऐतिहासिक काम करके दिखाया, हम दिल्ली की सरकार ये जिम्मेदारी लेते हैं कि दिल्ली की दो करोड जनता को सुरक्षा भी देंगे और नशे से मुक्त भी करवायेंगे। इतने महत्वपूर्ण विषय पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आभार आपका।

माननीय अध्यक्षः श्री विजेन्द्र गुप्ता जी।

श्री विजेंद्र गुप्ता (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): अध्यक्ष जी, नशे के कई प्रकार है। दिल्ली के अंदर जब से आम आदमी पार्टी आई है नशा बेचने वालों को संरक्षण दे रही है। शराब की मंडी बनाने का कमा किया। गली-गली में अनाधिकृत कालोनियों में स्लम बस्तियों में शराब की दुकाने खुलवाई गई। एक के साथ एक फ्री बांटी गई। मैं इस सदन के सामने ड्रग पैडलर्स को खुली चुनौती देता हूं। मैं चाहता हूं ये सदन मेरा साथ दे। मैं नाम पढ़ रहा हूं हाजी हफजाल जो ड्रग माफिया है सीलम पुर का नम्बर एक, मकोका में छः साल और चार साल की सजा काट कर आया है। दस साल की यानि कि छः साल टोटल और ये आम आदमी पार्टी का नेता है। इसकी पत्नी हाजिम शकीलाआम आदमी के टिकट पर काउंसलर बनी है। मेरा कहना है कि मुझे.

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः एक मिनट बैठिये, बैठिये। मैने जब ये बात कही,

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः देखिये बैठिये, बैठिये, बैठिये, बैठिये, बैठिये। जब ये मैने बात यहां पर की, यहां पर मैने की, यहां पर मैने की, रिकार्ड पर है। मकोका में बंद हुआ है।

...व्यवधान...

श्री विजेंद्र गुप्ताः हाँ बताईये। हाँ बताईये, बताईये क्या? बताओ जी बताओ। मुझे अपनी बात कहने दो ना। उसको बता देंगे अरविंद जी। अब बैठिये आप। बैठिये।

माननीय अध्यक्षः बैठिये, बैठिये प्लीज।

श्री विजेंद्र गुप्ताः नरेश बाल्यान।

माननीय अध्यक्षः प्लीज बैठिये, बैठिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः एक्सटॉर्शनिस्ट आम आदमी पार्टी का विधायक जो एक्सटॉर्शन के बिजनेस में है। ताहिर हुसैन जिसने दंगे करवाये, आम आदमी पार्टी का विधायक। नरेश यादव जिसने बेअदबी के कारण दंगे का एक षडयंत्र किया और इसके साथ-साथ ये राजेश गुप्ता जी यहां बैठे हुए है। वो जो कह रहे है ना वो राजेश गुप्ता मुझे पहले धमका चुका है। इन्होंने कहा कि तुम नाम लोगे तो तुम्हारे खिलाफ आप देखना कितना बड़ा हमला होगा। ये मुझे कहा गया है। ये बैठे हुए है राजेश गुप्ता और वहीं पर अब्दुल, वहीं पर अब्दुल रहमान बैठे थे। उन्होंने कहा

कि भई ऐसे क्यों कह रहे हो आप विजेन्द्र जी को कि हमला होगा। ये खुद बोला है इन्होंने और अब आपने बोला। धमकियां दी जा रही है क्योंकि ड्रग माफियो के खिलाफ जो बोलेगा, जो मकोका में बंद होने वालों के खिलाफ बोलेगा, जो दंगा करने करवाने वालों के खिलाफ बोलेगा, उनके खिलाफ आम आदमी पार्टी की गुंडागर्दी इसी तरह होगी जो आज मेरे साथ हुई। सवाल ये है, सवाल ये है कि दिल्ली में रोहिंग्या, बांगलादेशी घुसपैठियों को शरण देना, उनको टिकट देना, उनको दिल्ली में अतिक्रमण करवाना, उनके माफियाओं को ड्रग के धंधे में शैल्टर देना। ये आम आदमी पार्टी जब से सत्ता में आई है और पंजाब और दिल्ली दोनों जगह ड्रग का धंधा अगर किसी के नेतृत्व में अगर फल फूल रहा है तो आम आदमी पार्टी के। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि सदन में पोल्यूशन पर चर्चा करो, इस सदन में यमुना पर चर्चा करो, इस सदन में शीश महल पर बात करो, क्योंकि दिल्ली की सरकार कंगाल हुई। दिल्ली के वित्त व्यवस्था पर करो। कोई एक भी.

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः राजेश जी बैठिये बैठिये प्लीज बैठिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः एक भी मुद्दे पर जो जनता से जुड़े हुए मुद्दे हैं उन पर आप चर्चा करने को तैयार नहीं हो और दूसरा हमारा ये कहना है और ये भी मैं बता दूं हाजी साहब, ये जो मुझे यहां पर जानकारी मिली है ये आपके सदस्यों ने ही दी है। मैने नहीं ली। मुझे आपके सदस्यों ने ही दी है। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने ही दी है ये

सूचना कि आप उनके खिलाफ कार्रवाई करवाओ और अरविंद केजरीवाल जी से पूछो कि इनको शैल्टर क्यों दे रहे हैं। तो इस लिए मैं जो कुछ कह रहा हूं वो आम आदमी पार्टी की सूचना के आधार पर ही कह रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी आप मुझसे बात करिये।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अपनी तरफ से नहीं कह रहा।

माननीय अध्यक्षः विजेन्द्र जी इधर मुंह करके बोलिये आप। बोलिये, बोलिये कुछ बोलना है।

श्री विजेंद्र गुप्ताः तो सवाल ये है कि एक तरफ आप दिल्ली की जनता के साथ लगातार धोखा कर रहे हैं। जनता के जुड़े हुए मामलों को आप लगातार दबा रहे हैं। विपक्ष का माइक बंद कर रहे हैं। मुझे समझ नही आता। जब मैंने शीश महल की बात की, उसमें लगे हुए सामान की बात की तो मेरा माइक क्यों बंद किया गया। क्यों बंद किया गया।

माननीय अध्यक्षः चलिये हो गई आपकी बात।

श्री विजेंद्र गुप्ताः xxxxxxx[2]

माननीय अध्यक्षः ये विजेन्द्र जी जो बोल रहे हैं ये कार्यवाही से निकाल दिया जाये। बैठिये। ये माइक बंद करिये। मैं बर्दास्त नहीं करूंगा

[2]xxxx चिन्हित अंश माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाले गए।

ये बात। आप चर्चा किस विषय पर कर रहे हैं। बोलते क्या हैं, बोलते क्या हैं, चर्चा किस विषय पर कर रहे हैं आप? ये विजेन्द्र जी ने जो अभी बोला है कार्यवाही से निकालिये। बैठिये-बैठिये प्लीज। नहीं हो गया पूरा। आपने बोलना ही नहीं है। आपने बोलना नही है विषय पर। आपने बोलना ही गलत है। आपने सदन का मजाक बनाना है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आपने पूरी बात बोल ली। आप ऊलजलूल बातों पर जा रहे हैं। बैठिये।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये, माननीय सदस्यगण। कृपया बैठिये। बैठिये प्लीज। बैठिये, बैठिये। बंद करिये अब इसको। विजेन्द्र जी बंद करिये इसको प्लीज। ना मैं माइक नहीं खोल रहा हूं। आप बैठ चुके थे, ना, बात पूरी नहीं हुई। सब कुछ हो गया पूरा। आप तो दूसरी बात पर आ गये। अब और बातों पर आ गये। आपको मालूम है किस बात पर आ गए आप।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई राजेश जी, ये तरीका ठीक नहीं है। उनको बोलने दीजिए आप क्यों परेशान हो रहे हैं। चलिये।

श्री अरविंद केजरीवालः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज पंजाब में एक घटना घटी। एक बहुत बड़ा हादसा होने से बच गया। पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखबीर बादल के ऊपर किसी ने गोली चलाने की कोशिश की लेकिन पंजाब पुलिस की मुस्तैदी की वजह से और उनके अच्छे काम की वजह से एक बहुत बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सुखबीर बादल सुरक्षित हैं। मैं इस घटना की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। लेकिन एक बात साफ है कि पंजाब और पंजाबियों को बदनाम करने की एक बहुत बड़ी साजिश रची जा रही है और इसके पीछे बहुत बड़ी-बड़ी ताकतें इन्वॉल्वड हैं जो पंजाब को और पंजाबियों को बदनाम करना चाहती हैं। आज जिस तरह से पंजाब पुलिस ने ना केवल इस घटना को रोका पर एक मिशाल पेश की है पूरे देश के सामने कि किस तरह से कानून व्यवस्था को मुस्तैदी से बरकरार रखा जा सकता है। मैं पंजाब पुलिस की बहुत तारीफ करता हूं कि उन्होंने स्थिति को काबू किया। पंजाब में सुबह जब ये घटना घटी तो पूरी बीजेपी और इनके सारे नेता और पूरी मीडिया पंजाब में लॉं एंड आर्डर की पोजिशन को उठाना चालू कर दिया। पंजाब में तो हमने एक घटना को घटने से रोक लिया लेकिन जब दिल्ली के अंदर सरेआम मर्डर हो रहे हैं, सरेआम शूटआउट हो रहे है, पूरी राजधानी गैंगस्टर के कब्जे में है, जगह-जगह नशा बिक रहा है, महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे है, तब पूरी की पूरी बीजेपी ऊपर से नीचे तक चुप हो जाती है और

जब इनसे पूछा जाए तो इनके बड़े-बड़े नेता कहते हैं क्राइम तो मुद्दा ही नहीं है, दिल्ली में लॉ एंड आर्डर तो मुद्दा नहीं है। दिल्ली में खुलेआम लोगों के मर्डर हो रहे हैं और बीजेपी कहती है कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। दिल्ली में महिलाओं के बलात्कार हो रहे है। महिलाएं असुरक्षित हैं, बीजेपी कहती है कि लॉ एंड आर्डर मुद्दा ही नहीं है। दिल्ली में सरेआम व्यापारियों को फिरौती की धमकियां मिल रही है, बीजेपी कहती है कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। दिल्ली में सरेआम गैंगस्टर्स व्यापारियों की दुकानों पर गोलियां बरसा रहे हैं और इनके नेता कहते हैं कि क्राइम मुद्दा ही नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह की सीधे-सीधे जिम्मेदारी बनती है कि दिल्ली की कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया जाये और गृह मंत्री के घर के 20 किलोमीटर, 30 किलोमीटर के दायरे के अंदर सरेआम शूटआउट चल रहे हैं, गैंगस्टर्स पूरी दिल्ली पर कब्जा कर चुके हैं और गृह मंत्री आराम से अपने घर में सो रहे हैं। उन्हें दिल्ली की कोई चिंता नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं क्या इस देश के अंदर एक वीआईपी की सुरक्षा और एक आम आदमी की सुरक्षा के अलग-अलग पैमाने होने चाहिए? वीआईपी की भी सुरक्षा जरूरी है। आज सुखबीर बादल के ऊपर हमला हुआ पंजाब पुलिस ने मुस्तैदी से उनकी सुरक्षा की। लेकिन जब दिल्ली के आम आदमी, आज सुबह देवली के अंदर ट्रिप्ल मर्डर हुआ है। एक आदमी सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक पर गया। जब घर वापिस आया तो उसकी माँ, उसके पिता जी और उसकी बहन तीनों को उसने पाया कि उनका मर्डर कर दिया गया है। ये इनके लिए मुद्दा ही नहीं है। ये कहते हैं मुद्दा ही नहीं

है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम आदमी की सुरक्षा मायने नहीं रखती? क्या आम आदमी के जान की कीमत एक वीआईपी की जान से कम कीमती है? आप उस लड़के से पूछो जिसके तीन लोगों की मौत हो गई, उसके लिए तो सबसे ज्यादा वीआईपी उसके माता पिता और उसकी बहन ही सबसे ज्यादा वीआईपी थे। तो मैं इनको बीजेपी वालों को कहना चाहता हूं तुम मेरे जितने मर्जी एमएलए को गिरफ्तार कर लो, जितने मर्जी मेरे उपर लिक्विड गिरवा लो, जितने मर्जी मेरे उपर हमले कर लो, मैं तो दिल्ली के आम लोगों की सुरक्षा का मुददा उठाता रहूंगा।

अब मैं दो शब्द दिल्ली की ड्रग व्यवस्था के उपर ड्रग्स का जो माहौल दिल्ली के अंदर हो रहा है जिसपे अभी चर्चा चल रही है। मैं दिल्ली में जगह-जगह, कोने कोने में जा रहा हूं, इस टाईम कानून व्यवस्था इतनी ज्यादा चरमर्रा गयी है, खास तौर से जब से अमित शाह जी देश के गृह मंत्री बने हैं और उन्होंने दिल्ली की कानून व्यवस्था को संभाला है तब से दिल्ली के अंदर पूरी दिल्ली की कानून व्यवस्था लगभग खत्म हो चुकी है। मैं काफी समय चुप रहा क्योंकि मैं इस पे राजनीति नहीं करना चाहता था लेकिन जब धीरे धीरे स्थिति कंट्रोल होने की बजाय बद से बदतर होती गई तो मेरे से चुप नहीं रहा गया क्योंकि दिल्ली वाले मेरे ही लोग हैं। पिछले कई दिनों से जब से मैं दिल्ली के कोने कोने में जा रहा हूं जहां भी कोई कत्ल होता है, जहां भी कोई वारदात होती है मैं जाता हूं, लोगों से मिलता हूं, जहां जाता हूं लोग कहते हैं जी कोने कोने में नशा बिक रहा है। मैं परसों

माननीय मुख्यमंत्री जी कालका जी की, इनकी विधानसभा कालका जी है, कालका जी के क्षेत्र में गया वहां पे पदयात्रा होनी थी। मैं पदयात्रा कर रहा था, लोग मेरे कान में आ के बोल रहे थे, लोगों को डर लगता है बात करते हुए भी, लोग मेरे कान में, सर नशे की बात भी उठाओ सर। सर हर दुकान के अंदर नशा बिक रहा है सर। हर दुकान में नशा बिक रहा है। किराने की दुकान में नशा बिक रहा है, पान वाले की दुकान में नशा बिक रहा है, पनवाड़ी की दुकान में नशा बिक रहा है, कोने कोने में दिल्ली को इन्होंने नशे का व्यापार बना दिया है। पूरी दिल्ली के अंदर, चाहे अमीर हो चाहे गरीब हो किसी का भी बच्चा, किसी का भी फैमिली मैम्बर नशे से परे नहीं है इस टाइम। स्कूलों में नशा बिक रहा है। हर कोने कोने के अंदर नशा बिक रहा है। और पिछले पांच साल में ये नशा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। एक मैं रिपोर्ट पढ़ रहा था ये Archives. Today करके कोई वेबसाइट है इसमें लिखा हुआ है कि कठपुतली कालोनी 'a DDA official says that ever since he joined work in the area in 2021 as many as 300 people have died due to drugs.' एक कठपुतली कालोनी, अकेली कठपुतली कालोनी के अंदर नशे की वजह से डीडीए का अफसर कह रहा है कि 300 बच्चों की मौत हो चुकी है एक कालोनी के अंदर। ये कोई छोटी बात नहीं है। मैं इनसे भी कहना चाहता हूं कि राजनीति अलग है लेकिन हमारे बच्चे मर रहे हैं। हम सब लोगों को मिल के साथ काम करना चाहिए, बच्चों को बचाने के लिए काम करना चाहिए। इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। ये नशा आ कहां से रहा है? दिल्ली में

तो नशा पैदा होता नहीं है। हमारी दिल्ली के अंदर तो नशा मैनिफैक्चर भी नहीं होता। ये नशा आ कहां से रहा है? मैं इस सम्मानित सदन के समक्ष कुछ डेटा रखना, कुछ इंसीडेंटस रखना चाहता हूं। कहां से आ रहा है मुझे भी नहीं पता लेकिन कुछ इंसीडेंटस हैं। एक अक्टूबर को दिल्ली के महिपालपुर में 562 किलो कोकीन और 40 किलो मैरीजुआना पकड़ा गया। ये गुजरात से आया था। 10 अक्टूबर को 208 किलो कोकीन रमेशनगर वैस्ट दिल्ली से पकड़ी गई, ये गुजरात से आई थी। जब इन दोनों का पता चला यहां गुजरात से अंकलेश्वर से आए थे तो 13 अक्टूबर को अंकलेश्वर में वहां पे जब रेड हुई तो वहां 518 किलो और कोकीन मिली। ये सारी मिला के 1289 किलो कोकीन और 40 किलो मैरीजुआना था जिसकी कीमत 13 हजार करोड़ रूपये थी। सारी गुजरात से आई थी। भाई साहब आपके भी बच्चे हैं, आपके भी बीवी है, आपके भी पड़ौसी हैं, आपके भी रिश्तेदार हैं।

...व्यवधान...

श्री अरविंद केजरीवाल: बोल लेने दो मेरे को, 15 नवम्बर को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गुजरात पुलिस और इंडियन नेवी के साथ ज्वाईंट ऑपरेशन में 700 किलो गुजरात के तट के उपर 700 किलो नशा पकड़ा और 82 किलो उसी दिन ज्वाईंट ऑपरेशन में दिल्ली से 82 किलो कोकीन पकड़ी गयी जिसकी कीमत साढे चार हजार करोड़ थी, वो भी गुजरात से पकड़ा गया। अप्रैल 2024 में पंजाब पुलिस ने 48 किलो हेरोइन पकड़ी जोकि गुजरात के समुद्री तट से आई थी। मई

2022 में गुजरात एटीएस ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मिल के उत्तर प्रदेश के मुज्जफर नगर के एक घर से 775 करोड़ रूपये की 155 किलो हेरोइन पकड़ी जो गुजरात से आई थी। इलेक्शन कमीशन ने 20 मई को अपनी प्रैस रिलीज में बताया है कि कैसे गुजरात जो है वो देश में नशे का गढ़ बन गया है, उनकी प्रैस रिलीज में लिखा है कि लोक सभा चुनाव के दौरान 30959 करोड़ रूपये की ड्रग्स पकड़ी गयी जिसमें से 1189 यानि कि 30 प्रतिशत नशा केवल गुजरात से पकड़ा गया। ये इलेक्शन कमीशन का डेटा है। गुजरात के अंदर फैक्ट्रियां चल रही हैं नशा बनाने की, नशा मैनुफैक्चर करने की और नशा प्रोसेस करने की गुजरात में फैक्टरी चल रही है। 'अवकार ड्रग्स लि.' अंक्लेश्वर में चल रही है। 'अवसर एंटरप्राइजिज' अंक्लेश्वर में चल रही है, सेखा गांव भरूच डिस्ट्रिक्ट में एक केमिकल फैक्टरी चल रही है जहां पे मैनुफैक्चरिंग होती है, सांवली तालुका वदोदरा के अंदर एक अंडर कंस्ट्रक्शन फैसिलिटी है जहां पे नशे का मैनुफैक्चर होता है। खुलेआम फैक्ट्रियां चल रही हैं गुजरात के अंदर जहां पे और ये नशा आता कहां से है, रॉ मैटीरियल कहां से आता है? रॉ मैटीरियल आता है समुद्र के रास्ते गुजरात का जो पोर्ट्स हैं, मुंद्रा पोर्ट खासकर। सितम्बर 2021 में 3 हजार किलो हेरोइन पकड़ी गयी मुंद्रा समुद्री पोर्ट से, मुंद्रा पोर्ट से 21 हजार करोड़ रूपये की जो भारत के इतिहास में सबसे बड़ी रिकवरी थी, 21 हजार करोड़ रूपये की 3 हजार टन और उन्हीं दिनों अखबारों में छपा कि 3 महीने पहले जून के महीने में 2021 में 24 हजार किलो हेरोइन 70 हजार करोड़ रूपये की बिना पकड़े निकल गयी थी देश के

अंदर उसी तट से, ये अखबारों के अंदर छपा था। मई 2022 में 52 किलो कोकीन 500 करोड़ की पकड़ी गयी मुंद्रा पोर्ट से। जुलाई 2022 में 375 करोड़ की 75 किलो हेरोइन पकड़ी गयी मुंद्रा पोर्ट से जोकि पंजाब ले जाई गयी। जुलाई 2024 में 110 करोड़ की ट्रैमेडोल पकड़ी गयी मुंद्रा पोर्ट से। ये तो पकड़ी गयी, जो मुंद्रा पोर्ट से चली गयी उसका पता नहीं। तो मोटे मोटे तौर पे निष्कर्ष क्या निकलता है? निष्कर्ष ये निकलता है अध्यक्ष महोदय और एक अखबार की खबर के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में ढाई लाख करोड़ रूपये की ड्रग्स जो है वो गुजरात के अंदर पकड़ी गयी है, ढाई लाख करोड़ रूपये की। इससे निष्कर्ष क्या निकलता है कि समुद्र तट के रस्ते मुंद्रा पोर्ट से ड्रग्स देश के अंदर एंटर कर रही हैं, रॉ मैटीरियल एंटर करता है, गुजरात के अंदर ढेर सारी फैक्ट्रियां लगी हुई हैं और उन फैक्ट्रियों के अंदर उसकी मैनुफैक्चरिंग होती है, प्रोसेसिंग होती है और वहां से पूरे देश के अंदर बांटी जाती है पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश कहीं भी आज नशा पकड़ा जा रहा है पता चला कहां से आया, गुजरात से आया। ये सब ये 'वायर' मैगजीन की एक रिपोर्ट है जिसने, मुंद्रा पोर्ट कौन कंट्रोल करता है? इनके दोस्त अडानी कंट्रोल करते हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अजय महावर जी, अच्छी बात नहीं है ये महावर जी। अब ये ठीक नहीं है प्लीज।

श्री अरविंद केजरीवालः ये 'वायर' मैगजीन की रिपोर्ट है जो कहती है कि जब अडानी ग्रुप से ये प्रश्न पूछे गये उनके पास इसका कोई जवाब नहीं था। ये प्रश्न खड़े करता है। मैं किसी पे दोषारोपण नहीं करता लेकिन हम देश के नागरिक हैं, आजाद नागरिक हैं, हमारे बच्चों के भविष्य का सवाल है, पूरे देश का, पूरी पीढ़ी खराब हो जायेगी। पूरे देश को नशे के अंदर झोंका जा रहा है और ये बहुत बड़ा षडयंत्र चल रहा है। तो प्रश्न तो उठता है। इस देश के अंदर नशा कंट्रोल करने की जिम्मेदारी एक व्यक्ति के उपर है, गृहमंत्री अमित शाह, अमित शाह की जिम्मेदारी है कि पूरे देश के अंदर नशा कंट्रोल करे। उनकी आंखों के नीचे, उनकी निगरानी के नीचे पूरे देश में नशा बंट रहा है और गुजरात से नशा आ रहा है नंबर एक। नंबर दो - गुजरात उनका होम स्टेट है, उनका होम स्टेट आज गुजरात गढ़ बन गया है नशे का और मैं गुजरातियों के लिये भी मेरे मन में सहानुभूति है क्योंकि गुजरात से जो नशा निकल रहा है वो गुजरात के अंदर भी पूरी तरह गुजरात के बच्चे, गुजरात के युवा भी नशे के अंदर धकेले जा रहे हैं। तीसरी चीज - जिस पोर्ट से नशा आ रहा है हम सब जानते हैं वो अमित शाह जी के दोस्त हैं। अमित शाह जी का होम स्टेट, अमित शाह जी की निगरानी और अमित शाह जी का दोस्त जिस पोर्ट के जरिये आ रहा है इतने बड़े स्तर के उपर नशा क्या बिना सरकारी संरक्षण या बिना सरकारी लापरवाही के हो सकता है? नहीं हो सकता। तो लोग ये प्रश्न कर रहे हैं कि क्या इसमें सरकारी मिलीभगत भी हो रही है पूरे देश के अंदर जो नशा बिक रहा है और अगर सरकारी

मिलीभगत है तो वो केवल नीचे के लेवल की है या टॉप तक? टाप तक मिलीभगत है। हमारी पूरी पीढ़ी का सवाल है। ये सारी रिसर्च मैंने क्यों की है? क्योंकि पिछले दिनों मैं जहां जा रहा हूं कल शालीमार बाग की झुग्गियों के अंदर गया, इनसे पूछिये जिससे मैं बात करूं वहीं कहे सर यहां नशा बहुत बिक रहा है, सर यहां नशा बहुत बिक रहा है। मैं परसो कालकाजी गया सर यहां नशा बहुत बिक रहा है, सर यहां नशा बहुत बिक रहा है। मैं जहां जा रहा हूं वहीं लोग नशे की बात कर रहे हैं दिल्ली के अंदर, पूरी दिल्ली के लोग, पूरे देश के लोग नशे से पीड़ित हैं, हमारे पूरे देश के युवाओं की भविष्य का सवाल है अध्यक्ष महोदय, इसीलिये मैं चाहता हूं कि अमित शाह जी इस देश की खातिर नशे के उपर एक्शन लेना, ठोस कदम उठाना चालू करें नहींतो जनता के ये मुंह बंद नहीं कर पायेंगे, वो जब जनता कहेगी कि नशा करने वालों को सरकारी संरक्षण मिल रहा है। तीसरी बात मैं ये उठाना चाहता हूं जो जरूरी है वो है बिजली की। अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों जब मैंने सुना कि अमरीका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने अडानी ग्रुप के उपर आरोप लगाये हैं और जो मैंने मोटा मोटा पढ़ा कि अडानी ग्रुप 12 हजार मेगावाट की सोलर एनर्जी बनाने की उन्होंने फैक्टरी लगा ली कि सोलर एनर्जी बनायेंगे। लेकिन वो बिजली इतनी महंगी दे रहे थे, इतनी महंगी दे रहे थे कि कोई भी राज्य सरकार खरीदने को तैयार नहीं थी। तो अडानी ग्रुप ने बहुत महंगी बिजली जो है वो रिश्वत दे के केंद्र सरकार के अफसरों को रिश्वत दी, राज्य सरकार के अफसरों को रिश्वत दी, और वो महंगी बिजली उन्होंने कई राज्य सरकारों को बेची।

मेरे को बताया गया कि गुजरात के अंदर अडानी ग्रुप ने 2021 में गुजरात में दो रूपये 83 पैसे यूनिट बिजली थी, एक साल में 2021 में दो रूपये 83 पैसे यूनिट बिजली थी अडानी देता था, 2022 में ये बढ़ा के आठ रूपये 83 पैसे कर दी चार गुना बिजली के रेट कर दिये मात्र एक साल में क्योंकि बीजेपी की सरकार है, बीजेपी इनके साथ मिली हुई है। आज इस सदन के अंदर मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ बताना चाहता हूं, खुलासा करना चाहता हूं कि मेरे उपर जब मैं मुख्यमंत्री था, मेरे उपर प्रेशर डाला गया कि दिल्ली की बिजली कंपनियों को अडानी को सौंप दो। अगर आज मैंने दिल्ली की बिजली कंपनियों को अडानी को सौंप दिया होता मैं दिल्ली के लोगों को कहना चाहता हूं कि आप बिजली खपत करने लायक नहीं बचते। दिल्ली में बिजली इतनी महंगी हो जाती, इतनी महंगी हो जाती कि न दिल्ली सरकार सब्सिडी दे पाती और न आप अपनी कमाई से दिल्ली की बिजली का अपना बिल भर पाते। जब मैंने बंद कर दी, मैंने मना कर दिया कि मैं अडानी ग्रुप को नहीं सौंपूंगा बिजली कंपनियां, आज मैं सोच रहा था ये खुलासा होने के बाद कहीं यही तो कारण नहीं था जिस वजह से मुझे जेल डाला गया कि वो नाराज हो गये। मैं आज बीजेपी वालों को चैलेंज करके बोलता हूं चुनाव के पहले तुम ऐलान कर दो कि अगर तुम्हारी सरकार बनती है तुम अडानी को दिल्ली की बिजली कंपनियां नहीं दोगे। जैसे ही दिल्ली में सरकार अगर गलती से इनकी सरकार बन गई, अगर दिल्ली के अंदर लोगों ने बीजेपी को वोट दे दिया सबसे पहली कैबिनेट मीटिंग के अंदर ये दिल्ली की बिजली

कंपिनियों को अडाणी को सौंप देगें और दिल्ली में लोगों को बिजली इस्तेमाल करनी मुश्किल हो जाएगी, लोगों की पूरी की पूरी तनख्वाह बिजली का बिल भरने में निकल जाएगी माननीय अध्यक्ष महोदय। और आखिर में मैं इनका बहुत बड़ा पर्दा फाश करने जा रहा हूं। दो दिन रूक जाओ इन लोगों ने लार्ज स्कैल के उपर वोट काटने का षडयंत्र शुरू कर दिया है दिल्ली के अंदर। मेरे पास सबूत आ गए, मेरे पास गवाह आ गए, तुम्हारी पोल खोलूंगा पूरे देश के सामने पोल खोलूंगा और पूरे देश को बताउंगा कि कैसे तुम महाराष्ट्र चुनाव जीते। कैसे तुम हरियाणा चुनाव जीते और किस तरह से तुम चुनाव जीतते हो। इमानदारी से चुनाव नहीं जीतते तुम लोग। मैं ये जो नशे के खिलाफ प्रस्ताव सदन में रखा गया है इसका समर्थन करता हूं।

माननीय अध्यक्षः चर्चा का उत्तर माननीय मंत्री गोपाल राय जी देगें।

...व्यवधान...

माननीय मंत्री (श्री गोपाल राय): माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के अंदर जिस तरह से सभी माननीय सदस्यों ने दिल्ली जिस तरह से क्राइम कैपिटल बन रही है उसको लेकर के अपनी चिंता, अपना दर्द और लोगों की आवाज को सदन में प्रस्तुत किया है उसको लेकर के माननीय प्रतिपक्ष के सभी नेतागण। दिल्ली में अपराध बढ़ रहा है, पूरी दिल्ली पूछ रही है कि इसका समाधान कौन देगा, लेकिन आज पूरी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के जुबान पर ताले लगे हुए हैं। चाहे

सदन में बैठे हुए हमारे माननीय नेता, प्रतिपक्ष हों और चाहे देश के गृहमंत्री जी हों, कोई दिल्ली के अंदर बढ़ते हुए अपराध के साम्राज्य को कैसे नियंत्रित किया जाएगा जो भारतीय जनता पार्टी की जिम्मेदारी है, बोलने को तैयार नहीं है। माननीय अध्यक्ष महोदय दिल्ली के लोगों ने पिछले तीन बार से दिल्ली के अंदर सात के सात सांसद जिताकर के केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई है लेकिन जब से गृहमंत्री अमित शाह जी बने, अपराध तो बढ़ ही रहा था लेकिन अगर आप अखबारों की खबरों को उठाकर के देखें, थानों की रिपोर्ट को देखें तो जब से इस बार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में सरकार बनी है, अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। मैं सदन के माध्यम से, आपके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से पूछना चाहता हूं पिछले एक महीने में एक दिन ये बता दें जिस दिन दिल्ली के अंदर किसी कोने में कोई ना कोई अपराध ना हुआ हो? और आज तो रिकार्ड टूट गया। सुबह सुबह एक दिन में तीन तीन लोगों का मर्डर हुआ है और भारतीय जनता पार्टी के नेता कहते हैं कि ये तो कोई एजेंडा नहीं है। इससे शर्म की बात क्या हो सकती है! दिल्ली वाले एक दर्द से पीड़ित हैं। तीन तीन एक परिवार में जहां लाशें बिछी होगीं उनके दर्द को एक बार याद करो समझ में आएगा कि क्या मुददा है या नहीं है। लोग जिंदा रहेगें तब कुछ होगा। आज दिल्ली के लोगों को सरेआम मरने के लिए लावारिस छोड़ दिया गया है। अगर गृहमंत्री चुप रहते हैं, भारतीय जनता पार्टी के सांसद चुप रहते हैं, दिल्ली चुप नहीं रहेगी। दिल्ली आवाज उठाएगी, दिल्ली लड़ेगी और दिल्ली इस अपराध

को संरक्षण देने वालों से भी लड़ेगी, अपराध को संचालित करने वालों से भी लड़ेगी और अपराध को खत्म करने के लिए लड़ेगी अध्यक्ष महोदय, ये लड़ाई आज सदन में उठी है। आज सदन का आखिरी दिन है लेकिन दिल्ली सड़क पर इस आवाज को उठाएगी। भारतीय जनता पार्टी को दिल्ली के सामने, दिल्ली के सामने ये स्वीकार करना पड़ेगा कि हम नाकाम हो चुके हैं, हम इसका समाधान नहीं कर सकते या फिर इसका समाधान देना पड़ेगा देश के गृहमंत्री जी को। पावर तो 100 परसेंट चाहिए लेकिन जब काम करने की बारी आती है तो नंबर उनको जीरो मिलता है। ये दोहरा मापदंड अब नहीं चलने वाला। अगर अधिकार चाहिए तो जिम्मेदारी भी निभानी पड़ेगी और अगर जिम्मेदारी नहीं निभाने का माद्दा है, तो इस्तीफा दे दीजिए, जिम्मेदारी से मुक्त हो जाइए। बहुत बहुत शुक्रिया। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः आधा घंटे के लिए सदन को हम स्थगित करते हैं। बाहर फोटोग्राफी होगा फिर उसके बाद पुनः सदन में बैठेगें।

(सदन फोटोग्राफी सेशन के लिए आधे घंटे के लिए स्थगित किया गया।)

सदन अपराह्न 05.22 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष महोदय (श्री राम निवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः सदन पटल पर प्रस्तुत किए जाने वाले कागजात। अब श्रीमती आतिशी जी, माननीया मुख्यमंत्री कार्यसूची में दर्शाए गए अपने विभागों से संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करेंगी।

माननीया मुख्यमंत्री (श्रीमती आतिशी): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्यसूची के बिंदु क्रमांक 2 में दर्शाए गए दस्तावेजों की हिंदी एवं अंग्रेजी प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करती हूं।

2. i) इंदिरा गांधी दिल्ली प्रौद्योगिकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) का वर्ष अगस्त 2013–मार्च 2017 हेतु प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन (अंग्रेजी प्रति)[3]

ii) इंदिरा गांधी दिल्ली प्रौद्योगिकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) का वर्ष अप्रैल 2017–अप्रैल 2018 हेतु दूसरा वार्षिक प्रतिवेदन (अंग्रेजी प्रति)[4]

iii) इंदिरा गांधी दिल्ली प्रौद्योगिकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) का वर्ष मई 2018–दिसम्बर 2019 हेतु तीसरा वार्षिक प्रतिवेदन (अंग्रेजी प्रति)[5]

---

[3]दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23351 पर उपलब्ध।

[4]दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23352 पर उपलब्ध।

[5]दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23353 पर उपलब्ध।

iv) इंदिरा गांधी दिल्ली प्रौद्योगिकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) का वर्ष जनवरी 2020-दिसम्बर 2020 हेतु चौथा वार्षिक प्रतिवेदन (अंग्रेजी प्रति)[6]

v) इंदिरा गांधी दिल्ली प्रौद्योगिकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) का वर्ष जनवरी 2021-जुलाई 2022 हेतु पांचवां वार्षिक प्रतिवेदन (अंग्रेजी प्रति)[7]

vi)) गुरू गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के वर्ष 2016-17 से 2021-22 हेतु वार्षिक प्रतिवेदन (हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रति)[8]

अनुदानों की पूरक मांगें (2024-25)

माननीय अध्यक्षः अनुदानों की पूरक मांगें 2024-25, अब श्रीमती आतिशी जी, माननीया मुख्यमंत्री वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सप्लीमेंट्री डिमांड पेश करेंगी।

माननीया मुख्यमंत्रीः Hon'ble Speaker sir, I present first batch of Supplementary Demands for Grants for the Financial Year 2024-25 before the House.

---

[6]दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23354 पर उपलब्ध।
[7]दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23355 पर उपलब्ध।
[8]दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23356 पर उपलब्ध।

माननीय अध्यक्षः अब सदन सप्लीमेंट्री डिमांड्स पर डिमांड वाइज विचार करेगा।

डिमांड नंबर-2 (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन)

जिसमें रेवेन्यू में 03 लाख रुपये व कैपिटल में 04 लाख रुपये, कुल राशि 07 लाख रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हां कहें,

....व्यवधान....

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, इस पर हम अपना व्यू रखना चाहते हैं, आया नहीं, बजट पर आपसे भी वोटिंग करा लें।

माननीय अध्यक्षः भई, इसपे क्या view रखा जायेगा बताओ। नहीं आज तक तो कभी व्यू रखा नहीं।

श्री विजेंद्र गुप्ताः जब बजट रिवाइजड एस्टीमेट है।

माननीय अध्यक्षः चलिए रखिए आप view रखिए। पहले आप रखिए। आज आखिरी दिन है सदन का आप रखिए।

श्री विजेंद्र गुप्ताः अध्यक्ष जी मैं मुख्यमंत्री जी से ये स्पष्टिकरण चाहूंगा एक पत्र मेरे पास है और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने ये पत्र दिल्ली सरकार को लिखा था। जिसमें Delhi MRTS Phase-IV projects sanctioned of project funds for DMRC. The DMRC is currently

executing three priority of corridors under the Delhi MRTs phase-IV project (i) Aero city to Tuglakabad (ii) R K Ashram to Janak puri(West) and (iii) Mukundpur to Maujpur. These corridors span a total route length of 61.679 kilometre and are being developed at an estimated cost of Rs.24,948.65 crores.

The phase IV project work is in full swing and to complete the project in time continuous flow of funds is essential. Thus,it is earnestly requested that the funds sought under Revised Budget Estimates(RE 2024-25) for phase-IV project including balance three corridors, increased completion cost of phase-III project and long pending reimbursement of operating loss may please be sanctioned and approved of Delhi Cabinet may also be accorded, if required, so that the funds can be released to DMRC smoothly. Apart from the above, PWD dues amounting to Rs.375.82 crores which are also linked to phase-IV construction may also be released. Further, unpaid dues in respect of JICA loan may also be remitted directly to MOHUA Ministry of Urban Affairs.

A detailed summary of fund requirements under the revised Budget Estimates(RE 2024-25) is enclosed herewith for your ready reference.Your kind intervention in this matter is earnestly solicited to ensure the timely release of necessary funds which are crucial for the successful execution of the phase-IV project and addressing

the associated financial obligations. If these are not made available timely, the execution of phase-IV would be delayed leading to cost overrun. अध्यक्ष जी मैं इसमें मुख्यमंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि ये जो पत्र आपके पास आया है इसके अकार्डिंग लगभग 7201 करोड़ रुपये आपको डीएमआरसी को देना है टोटल रिवाइज्ड इस्टमेट जो उन्होंने एक्सपेक्ट किया है। इसमें से जो जापान गवर्नमेंट से आपने लोन लिया हुआ है सेंट्रल गवर्नमेंट ने अपना पोर्शन दे दिया आपका 4879.40 करोड़ ये आपको देना है। फिर जो 3 कॉरिडोर हैं वो बीच में रुक जाएंगे अगर आपने वो पोर्शन अपना नहीं दिया और इसी तरह से आपने जो रिमेनिंग जो हमारा कोविड में जो ऑपरेशनल लॉसेज थे वो भी आपने अपना शेयर नहीं दिया है तो कुल मिलाकर के जो मेरे पास आंकड़े हैं उसमें एनआरटीसी जो नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन है उसका भी पैसा आप नहीं दे रहे हैं। इसके साथ-साथ आप Eastern peripheral का National Highway Authority of India का ये तमाम पैसे आपके पास जो हैं वो पेंडिंग हैं। इस रिवाइज्ड एस्टमेट में जो अभी हमारे सामने अभी टेबल पर आया और ये सारे तमाम जो चीजें मैंने आपके समक्ष रखी हैं अध्यक्ष महोदय जी के माध्यम से उसमें मुझे साफ रूप से जो एट ए ग्लांस मैंने देखा फस्ट पेज से ही कि रेवेन्यू एक्सपेंडीचर तो एनहांस हो रहा है लेकिन जो डेवलपमेंट की कॉस्ट पर हो रहा है और जो डेवलपमेंट वर्क है वो उसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए पैसा नहीं रखा जा रहा। तो डेवलपमेंटल जो एक्सपेंडीचर है इनफ्रास्ट्रक्चर का उस पर मैं चाहता हूं कि ये सदन काग्नीजेंस ले और

ये जो रीपेमेंट्स हैं ये जो हमारा डीएमआरसी का जो पूरा पैसा है इसको आप कंसीडर करें और इसको इस आरई का पार्ट बनाएं क्योंकि ये इसेंशियल है अगर ये नहीं बनेगा पार्ट तो दिल्ली की मेट्रो जो है कहीं न कहीं इस पर असर आएगा। आपने तो देखिये खुद ही ओन किया है आपने ओनरशिप किया आप खुद डिब्बे देखकर आईं तो आप डिब्बे देख रही हैं, ट्रेन देख रही हैं, चिंता कर रही हैं लेकिन पेमेंट नहीं कर रहीं। अगर पेमेंट नहीं करेंगी तो ये ये दिल्ली के लोगों का एक प्रकार से सीधा नुकसान है आलरेडी ये प्रोजेक्ट डिले हुए हैं हम सब जानते हैं उसके रीजंस मैं उसकी डिटेल पर नहीं जाना चाहता इस मौके पर लेकिन मेरा यह कहना है कि इस पैसे को इन्क्लूड किया जाए और उसी प्रकार से आरई को पास किया जाए।

माननीय अध्यक्षः कुछ उत्तर देंगे? चलिये।

DEMAND NO. 2 (General Administration) जिसमें Revenue में 03 लाख रुपये व Capital में 04 लाख रूपये, कुल राशि 07 लाख रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 2 पास हुई।

DEMAND NO. 3 (Administration of Justice)

जिसमें Revenue में 1 अरब 5 करोड़ 57 लाख 62 हज़ार रुपये व Capital में 24 लाख 10 हज़ार रूपये, कुल राशि 1 अरब 5 करोड़ 81 लाख 72 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 3 पास हुई।

Supplementary DEMAND NO. 4 (Finance)

जिसमें Revenue में 07 लाख रुपये व Capital में 6 लाख रूपये, कुल राशि 13 लाख रुपये हैं, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 4 पास हुई।

DEMAND NO. 5 (Home)

जिसमें Revenue में 54 करोड़ 34 लाख 95 हज़ार रुपये व Capital में 8 करोड़ 75 लाख 85 हज़ार रुपये, कुल राशि 63 करोड़ 10 लाख 80 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 5 पास हुई।

DEMAND NO. 6 (Education)

जिसमें Revenue में 77 करोड़ 78 लाख 72 हज़ार रुपये, तथा Capital में 72 करोड़ 8 लाख 15 हज़ार रुपये, कुल राशि 1 अरब 49 करोड़ 86 लाख 87 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है –

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 6 पास हुई।

DEMAND NO. 7 (Medical & Public Health)

जिसमें Revenue में 1 अरब 55 करोड़ 41 लाख 88 हज़ार रुपये तथा Capital में 11 लाख 50 हज़ार रूपये हैं, कुल राशि 1 अरब 55 करोड़ 53 लाख 38 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 7 पास हुई।

DEMAND NO. 8 (Social Welfare)

जिसमें Revenue में 3 अरब 96 करोड़ 50 लाख 90 हज़ार रुपये तथा Capital में 19 अरब 74 करोड़ 79 लाख 50 हज़ार रूपये हैं, कुल राशि 23 अरब 71 करोड़ 30 लाख 40 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 8 पास हुई।

Supplementary DEMAND NO. 9 (Industries)

जिसमें Revenue में 03 लाख रुपये तथा Capital में 06 लाख रूपये हैं, कुल राशि 9 लाख रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 9 पास हुई।

DEMAND NO. 10 (Development)

जिसमें Revenue में 6 अरब 21 करोड़ 77 लाख 10 हज़ार रुपये तथा Capital में 23 लाख रूपये, कुल राशि 6 अरब 22 करोड़ 10 हज़ार रुपये है, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 10 पास हुई।

DEMAND NO. 11 (Urban Development & Public Works)

जिसमें Revenue में 31 लाख रुपये तथा Capital में 10 अरब 48 करोड़ 62 लाख 25 हज़ार रूपये, कुल राशि 10 अरब 48 करोड़ 93 लाख 25 हज़ार रुपये हैं, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 11 पास हुई।

DEMAND NO. 13 (Pension and Other Retirement Benefits)

जिसमें Revenue में 02 करोड़ हैं, सदन के सामने है–

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Supplementary Demand No. 13 पास हुई।

हाउस ने कुल मिलाकर Revenue में 14 अरब 13 करोड़ 85 लाख 17 हज़ार रुपये तथा Capital में 31 अरब 5 करोड़ 35 हजार रुपये, कुल राशि 45 अरब 18 करोड़ 85 लाख 52 हज़ार रुपयों की Supplementary Demands को मंजूरी दे दी है।

Appropriation (No. 3) Bill, 2024

(Bill No. 04 of 2024)

माननीय अध्यक्षः अब श्रीमती आतिशी, माननीय मुख्यमंत्री Appropriation (No. 03) Bill, 2024 (Bill No. 04 of 2024) को House में Introduce करने की permission मांगेंगी।

Hon'ble Chief Minister: Hon'ble Speaker Sir, I seek permission of the House to introduce Appropriation (No. 03) Bill, 2024 (Bill No. 04 of 2024)[9] to the House

[9]दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर–23357 पर उपलब्ध।

माननीय अध्यक्षः अब मुख्यमंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है-

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

प्रस्ताव पास हुआ।

माननीय अध्यक्षः अब माननीया मुख्यमंत्री बिल को सदन में इन्ट्रड्यूज़ करेंगी।

माननीया मुख्यमंत्री (श्रीमती आतिशी): Hon'ble Speaker Sir, I introduce Appropriation No.03 Bill, 2024 (Bill No.04 of 2024) to the House.

माननीय अध्यक्षः अब बिल पर क्लॉज वाइज विचार होगा। प्रश्न है की खण्ड-2, खण्ड-3 वह Schedule Bill का अंग बने

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

खण्ड–2, खण्ड–3 एंव Schedule Bill का अंग बन गये।

प्रश्न है की खण्ड–1 Preamble और Title Bill का अंग बने

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

खण्ड–1 Preamble और Title Bill का अंग बन गये।

अब माननीय मुख्यमंत्री प्रस्ताव करेंगी Appropriation No.03 Bill, 2024 (Bill No.04 of 2024) को पास किया जाये।

माननीया मुख्यमंत्रीः Hon'ble Speaker Sir, the House may now please pass the Appropriation No.03 Bill, 2024 (Bill No.4 of 2024).

माननीय अध्यक्षः अब माननीया मुख्यमंत्री जी का प्रस्ताव सदन के सामने है

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

Appropriation No.03 Bill, 2024 (Bill No.04 of 2024) पास हुआ।

नियम–183 के अन्तर्गत प्रस्ताव। अब श्री संजीव झा सभापति, विशेषाधिकार समिति।

श्री संजीव झाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूंः

‘‘यह सदन सहमत है कि अगली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति वर्तमान विशेषाधिकार समिति के लम्बित व अपूर्ण कार्य की जांच करेगी और प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।’’

माननीय अध्यक्षः ये सदन सहमत है कि अगली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति वर्तमान विशेषाधिकार समिति के लम्बित एंव अपूर्ण कार्य की जांच करेगी और प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी यह प्रस्ताव सदन के सामने है

जो इसके पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

प्रस्ताव पास हुआ।

नियम-183 के अन्तर्गत प्रस्ताव, अब श्री राजेश गुप्ता सभापति, याचिका समिति, अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

श्री राजेश गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं**:**

''यह सदन सहमत है कि अगली विधानसभा की याचिका समिति वर्तमान याचिका समिति के लम्बित एवं अपूर्ण कार्य की जांच करेगी और प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।''

माननीय अध्यक्षः यह प्रस्ताव सदन के सामने है

जो इसके पक्ष में है वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता प्रस्ताव पास हुआ।

नियम 183 के अन्तर्गत प्रस्ताव, अब श्रीमती बन्दना कुमारी जी प्रश्न एवं संदर्भ समिति अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी।

श्रीमती बन्दना कुमारीः ''यह सदन सहमत है कि अगली विधान सभा की प्रश्न एवं संदर्भ समिति वर्तमान प्रश्न एवं संदर्भ समिति के लम्बित एंव अपूर्ण कार्य की जांच करेगी और प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।''

माननीय अध्यक्षः यह प्रस्ताव सदन के सामने है –

जो इसके पक्ष में है वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता प्रस्ताव पास हुआ।

सातवीं विधान सभा की पहली बैठक दिनांक 24 फरवरी, 2020 को आयोजित की गई थी। आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2024 को इसकी 74वीं बैठक आयोजित की जा रही है। पांच वर्षो की विधायी यात्रा के दौरान हमने एक और पड़ाव पार किया है। सातवीं विधान सभा में प्रश्न काल के लिए कुल एक हजार 95 प्रश्नों को सूचीबद्ध किया गया और सदस्यों को पूरक प्रश्न पूछने का पर्याप्त अवसर दिया गया। विशेष उल्लेख के 702 मामले उठाए गए और सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का पूरा मौका दिया गया। कुल 26 विधेयक पारित किये गए। कुल चार सरकारी संकल्प, 14 अन्य संकल्प भी पारित किये गए। कुल 13 प्रस्ताव पारित किये गए। कुल 39 अल्पकालिक चर्चाएं हुई तथा 13 ध्यानाकर्षण के विषय उठाये गए। समितियों के क्षेत्र में भी सातवीं विधान सभा ने महत्वपूर्ण कार्य किया है। विभिन्न समितियों की 19 रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा स्वीकार की गई। केन्द्र शासित प्रदेश की विधान सभा होने और सीमित शक्तियों के बावजूद उल्लेखनीय कार्य किये गए हैं। विधान सभा अध्यक्ष के रूप में मैने निष्पक्षतापूर्वक अपने

कर्तव्यों का निर्वाहन करने का प्रयास किया है और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष दोनों को समान महत्व दिया है। सदन के समय का अधिकतम सदुपयोग करना मैंने अपना मुख्य दायित्व समझा। अध्यक्ष का पद नियमों से बंधा होता है और नियमों का पालन करते समय जाने अनजाने में यदि किसी के मन को ठेस पहुंची हो तो कृपया इसे व्यक्तिगत ना लिया जाये क्योंकि मेरे मन में किसी भी व्यक्ति के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं रहा। पांच वर्ष तक सफलतापूर्वक सदन के संचालन में सहयोग करने के लिए मैं आप सभी विधायकों का हार्दिक आभारी हूं। हम सबके लिए यह भावुक और ऐतिहासिक क्षण है कि आज इस विधानसभा की आखिरी बैठक है और इसके बाद हम सभी चुनावों की तैयारी में जुट जायेंगे। मैं आप सबको आगामी राजनीतिक जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनायें देता हूं, बधाई देता हूं।

सदन को अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित करने से पहले मैं सदन के नेता माननीया मुख्यमंत्री श्रीमती आतिशी जी, सभी मंत्रीगण, माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता जी तथा सदन के सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। विशेष कर माननीय पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल जी व पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष जी का बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं। इसके अलावा सत्र के संचालन में सहयोग देने के लिए विधान सभा सचिवालय तथा दिल्ली सरकार के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों और सुरक्षा एजेंसियों तथा मीडिया का भी धन्यवाद करता हूँ। अब मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि वे राष्ट्र गान के लिए खड़े हों।

राष्ट्र गान - जन गण मन

अब सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित की जाती है। एक बार सभी का बहुत बहुत हाथ जोड़कर सब को नमस्कार।

(सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।